सूर्योदय 5:46 सूर्यास्त 7:06

आज का तापमान

शिमला	18.2 न्यू	27.9 अधि
धर्मशाला	21.6 न्यू	30.1 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,966
निफ्टी	24,436

सोना 1,53,000 चांदी 2,35,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 13 अगस्त 2026 | 28 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 109, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

जंतर-मंतर सीजन दो जल्द आएगा : अभिजीत

एजेंसी, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने बुधवार को छात्र आंदोलन की तर्ज पर एक और प्रदर्शन जल्द शुरू करने का ऐलान किया। उन्होंने इसे 'जंतर-मंतर सीजन 2' बताया। एक पब्लिक मीटिंग में दीपके ने कहा, इंस्टाग्राम पर कई लोग पूछ रहे थे कि 'जंतर-मंतर सीजन 2' कब शुरू होगा। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि 'जंतर-मंतर सीजन 2' बहुत जल्द शुरू होने वाला है। सीजेपी ने जंतर-मंतर पर 37 दिन धरना प्रदर्शन किया था। यह प्रदर्शन 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और पार्टी की दूसरी प्रमुख मांगें मान लेने के बाद खत्म हो गया था।

बेंगलुरु जेल में प्रज्वल के पास फोन मिला

एजेंसी, बेंगलुरु। बेंगलुरु की सेंट्रल जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास मोबाइल और पेन ड्राइव मिली है। सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को जेल में छापेमारी की थी। जेल डीजीपी अलोक कुमार ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। प्रज्वल जनता दल (सेक्युलर) के विधायक एचडी रेवन्ना का बेटा व पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का पोता है। वह महिलाओं से रेप केस में अगस्त 2025 से उम्रकैद की सजा काट रहा है। उन्होंने बताया कि घटना सामने आने के बाद सेंट्रल जेल के असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट को सस्पेंड किया गया है। एसपी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

21 माह से नंबर-एक टेस्ट बॉलर बुमराह

एजेंसी, दुबई। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह लगातार 21 महीनों से टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 बने हुए हैं। उन्होंने नवंबर 2024 में पहला स्थान हासिल करने के बाद इसे बरकरार रखा है। बुमराह के 870 रेटिंग पॉइंट्स है। रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर्स में टॉप पर हैं। वे पिछले 1556 दिन से नंबर-1 पोजिशन पर हैं। वे पिछली बार 9 मई 2022 को टॉप पर आए थे। वहीं, भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने वनडे में पहला स्थान बरकरार रखा है। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम ने बैटर्स रैंकिंग के टॉप-10 में वापसी कर ली है। बुधवार को जारी रैंकिंग में बाबर ने 5 पायदान की छलांग लगाई है। वे अब 716 रेटिंग पॉइंट के साथ 10वें नंबर पर हैं।

पाकिस्तानी नागरिक समेत दो गिरफ्तार

एजेंसी, कोलकाता। स्वतंत्रता दिवस से पहले पश्चिम बंगाल में राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने कथित आईएसआई संबंधों के संदेह में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उत्तर 24 परगना के हाबरा से पाकिस्तानी नागरिक वहाब आलम उर्फ राना रऊफ को पकड़ा गया, जबकि पूछताछ के बाद उसके कथित सहयोगी मोहम्मद इजाज को कोलकाता के तपसिया से गिरफ्तार किया गया। राना पर फर्जी पहचान पत्र बनाकर भारत में रहने और भारतीय सेना तथा रेलवे से जुड़ी संवेदनशील सूचनाएं जुटाकर पाकिस्तान भेजने का आरोप है।

शाह बोले–स्पीकर चर्चा के लिए घंटे तय करें, मैं सदन में रहूंगा

ओम बिरला को लेटर लिखा; राहुल गांधी बोले- हमें लेक्चर नहीं सुनना

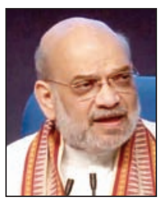

एजेंसी, नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने नीट पेपर लीक पर छात्रों के प्रदर्शन के मुद्दे पर चर्चा के लिए समय तय करने की मांग की।

शाह ने लेटर में लिखा, मेरा अनुरोध है कि स्पीकर विपक्ष से चर्चा करें और आपसी सहमति के आधार पर आज से इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जितना समय, दिन या घंटे उचित समझें, निर्धारित करें। मैं तय समय के दौरान सदन में मौजूद रहूंगा और इस मुद्दे पर चर्चा में हिस्सा लेने के लिए तैयार हूं। विपक्ष की ओर से उठाए गए सभी सवालों का जवाब देने के लिए भी मैं तैयार हूं।'

इससे पहले दिन में सदन के बाहर शाह ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे। इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर–मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें।

अमित शाह सदन में क्यों नहीं आए: राहुल

राहुल ने कहा स्टूडेंट्स को गोली किसने मारी? स्टूडेंट्स को कीलों वाली लाठियों से पीटने का ऑर्डर किसने दिया? क्या अमित शाह ने हमारे बच्चों को गोली मारने का ऑर्डर दिया था? अगर उन्होंने दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। राहुल ने आगे कहा- शाह के घर के सामने हजार पुलिस वाले खड़े होते हैं। 30 गाड़ियां उनके आगे पीछे होती हैं कि कहीं कोई बच्चा न आ जाए। पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। वह सदन में नहीं आ सकते।

एफसीआरए संशोधन बिल जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में पास

लोकसभा ने हंगामे के बीच एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने इसका विरोध किया। इसपर संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि कुछ बिलों को जेपीसी के पास भेजा जाता है और सरकार भी यही कर रही है।

खुदरा महंगाई दर में लगातार चौथे महीने इजाफा, जुलाई में 4.45 फीसदी पर पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली। आलू–प्याज जैसे खाने–पीने की चीजों के दाम बढ़ने से खुदरा महंगाई दर में लगातार चौथे महीने इजाफा दर्ज हुआ है। जुलाई में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.45 फीसदी पर पहुंच गई है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मुताबिक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर जुलाई में मामूली बढ़कर 4.45 फीसदी पर पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने जून में यह 4.38 फीसदी के स्तर पर थी। आंकड़ों के अनुसार जुलाई में खाद्य महंगाई बढ़कर 5.52 फीसदी हो गई, जो इससे पिछले महीने 5.32 फीसदी रही थी। मंत्रालय ने कहा कि खाने–पीने की चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी इसकी बड़ी वजह रही है। जुलाई की खुदरा महंगाई दर का यह आंकड़ा नई सीपीआई सीरीज पर आधारित है, जिसमें 2024 को आधार वर्ष माना गया है। एनएसओ के मुताबिक ग्रामीण भारत में कुल खुदरा महंगाई जुलाई में 4.84 फीसदी रही है, जबकि जून में यह 4.74 फीसदी थी। शहरों में महंगाई 3.93 फीसदी से मामूली बढ़कर 3.96 फीसदी हो गई। खाने–पीने की चीजों के अलावा कपड़े और जूते भी ग्रामीण इलाकों में ज्यादा महंगे हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इनकी महंगाई दर 3.97 फीसदी रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 2.41 फीसदी थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को खुदरा महंगाई दर को दो फीसदी घट–बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी दी गई है। आरबीआई ने इस महीने की शुरुआत में महंगाई संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए नीतिगत दर रेपो रेट को 5.1 फीसदी पर यथावत रखा था। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए महंगाई के अनुमान को 5.1 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है।

◆ **आरबीआई ने रेपो रेट 5.1 फीसदी पर रखा बरकरार**

पीएम मोदी ने कहा रील्स के दौर में शॉर्टकट न अपनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली। पीएम मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की बायोग्राफी 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' लॉन्च की। इस दौरान उन्होंने युवाओं से दूसरों के संघर्षों से सीखने और आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा– आज रील्स का दौर है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं और ले जाते हैं, लेकिन इस दौर में भी रेलवे स्टेशनों पर लिखी बात याद रखें कि शॉर्टकट न अपनाएं। शॉर्टकट आपको छोटा कर देगा। पीएम ने कहा कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प से कोई व्यक्ति मुश्किलों को पार कर देश के सबसे बड़े संवैधानिक पद तक पहुंच सकता है। कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र की विरासत बनेगी और नई पीढ़ी इससे बहुत कुछ सीख सकती है।

◆ **पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की बायोग्राफी लॉन्च की**

कैश केस में हाईकोर्ट जस्टिस यशवंत पर लगे आरोप साबित

एजेंसी, नई दिल्ली। संसद की जांच समिति ने जस्टिस यशवंत वर्मा के ऊपर लगे तीनों आरोपों को सही पाया है। यह मामला 2025 में जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास के स्टोररूम से नकदी मिलने से जुड़ा है।

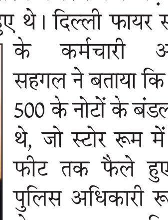

पैनल की रिपोर्ट बुधवार, 12 अगस्त को लोकसभा और राज्यसभा में पेश की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोररूम में 500 रुपए के नोटों की काफी मात्रा मिली थी, लेकिन जस्टिस वर्मा नकदी के स्रोत, मालिकाना हक या वहां मौजूद होने की संतोषजनक वजह नहीं बता सके। जस्टिस वर्मा इस साल अप्रैल में हाईकोर्ट के जज पद से इस्तीफा दे चुके हैं। जांच समिति ने पाया कि जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास के स्टोर रूम में 500 के नोटों के बंडल और अधजले नोट मिले थे। फायर सर्विस और पुलिस के कर्मचारियों ने जांच के दौरान बताया कि नोट सिर्फ एक जगह नहीं थे, बल्कि स्टोर रूम के बड़े हिस्से में फैले हुए थे। दिल्ली फायर सर्विस के कर्मचारी अंकित सहगल ने बताया कि उसने 500 के नोटों के बंडल देखे थे, जो स्टोर रूम में 7–8 फीट तक फैले हुए थे। पुलिस अधिकारी रूपचंद से जब पूछा गया कि क्या नकदी की मात्रा 5 लाख से ज्यादा थी, तो उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा बहुत छोटा है। हालांकि, नोटों को जब्त नहीं किया गया, उनकी गिनती नहीं हुई और न ही नोटों के नमूने सुरक्षित किए गए। इसी वजह से समिति यह निर्धारित नहीं कर सकी कि वहां वास्तव में कितनी नकदी थी।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का इस्तीफा

फरवरी 2027 तक जिम्मेदारी संभालते रहेंगे, ट्रस्ट में खींचतान बनी वजह

एजेंसी, नई दिल्ली। टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन ने घोषणा की कि वह अपने वर्तमान कार्यकाल 20 फरवरी, 2027 को समाप्त होने पर पुनर्नियुक्ति के लिए अपना नाम प्रस्तुत नहीं करेंगे।

उन्होंने बोर्ड से शीघ्र उनका उत्तराधिकारी चुनने का अनुरोध किया है। आयु में 63 वर्ष के हो चुके चंद्रशेखरन ने बुधवार को अपने वक्तव्य में कहा कि टाटा समूह में उनके पेशेवर जीवन के 40 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस प्रतिष्ठित संस्थान में योगदान देना उनके लिए अत्यंत संतोषजनक रहा है। पिछले एक दशक से टाटा संस का नेतृत्व करना उनके लिए बड़ा सम्मान और गहरी जिम्मेदारी रही है। चंद्रशेखरन ने स्पष्ट किया कि सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से उनका अगला कार्यकाल पांच वर्षों के लिए बढ़ाने की सिफारिश की थी। यह प्रस्ताव टाटा संस की नामांकन व पारिश्रमिक समिति और बोर्ड ने अनुशंसित किया था। हालांकि, 24 फरवरी को बोर्ड की बैठक में सर्वसम्मत समर्थन न मिलने के कारण उन्होंने निर्णय को स्थगित करने का विकल्प चुना। उन्होंने कहा कि छह महीने बीत जाने के बाद भी कोई निर्णय नहीं हो सका है, जबकि टाटा संस कई रणनीतिक परियोजनाओं के महत्वपूर्ण कार्यान्वयन चरण में है, ऐसे में फरवरी 2027 के बाद समूह का नेतृत्व करने के लिए स्पष्टता आवश्यक है। चंद्रशेखरन ने बोर्ड से अनुरोध किया है कि वह उचित संक्रमण सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र उत्तराधिकार पर निर्णय ले। उन्होंने अपने वक्तव्य के अंत में सभी हितधारकों के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

2017 में बने थे टाटा संस के चेयरमैन

एन. चंद्रशेखरन वर्ष 2017 में टाटा संस के चेयरमैन बने थे। इससे पहले वे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) रहे, जहां उनके नेतृत्व में कंपनी ने वैश्विक आईटी सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। उनके कार्यकाल में टाटा समूह ने डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक विस्तार और रणनीतिक निवेशों पर विशेष ध्यान दिया।

दिल्ली–पुणे स्पाइसजेट फ्लाइट का एसी हुआ खराब, सांस लेने में हुई दिक्कत

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली से पुणे जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में मंगलवार रात एसी खराब होने से करीब 150 यात्रियों को परेशानी हुई। केबिन का तापमान इतना बढ़ गया कि कुछ यात्रियों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। एक गर्भवती महिला की तबीयत भी बिगड़ गई।

यात्रियों ने इसका विरोध किया। इसके बाद फ्लाइट रद्द कर दी गई। पैंसेजर्स छह घंटे से ज्यादा समय तक एयरपोर्ट पर फंसे रहे। बुधवार सुबह उन्हें दूसरी फ्लाइट से पुणे भेजा गया। यात्रियों के मुताबिक, फ्लाइट में एसी और वेंटिलेशन ठीक से काम नहीं कर रहा था। उनका आरोप है कि गर्मी और परेशानी के बावजूद उन्हें खाने के कूपन या नाश्ता भी नहीं दिया गया। फ्लाइट को मंगलवार रात दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल–1 से 9:45 बजे उड़ान भरनी थी। इसे पहले रात 10:30 बजे तक टाला गया। करीब 10:30 बजे यात्री विमान में सवार हुए, जिसके बाद केबिन में गर्मी बढ़ने लगी। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें लगा कि यह कोई सामान्य तकनीकी समस्या है, लेकिन कुछ देर बाद गर्मी इतनी बढ़ गई कि यात्रियों के कपड़े पसीने से पूरी तरह भीग गए।

◆ **प्रेग्नेंट महिला की तबीयत बिगड़ी छह घंटे एयरपोर्ट पर फंसे रहे यात्री**

एम्स बिलासपुर के विस्तार में पूरा सहयोग करेगी हिमाचल सरकार : मुख्यमंत्री सुक्खू

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार बिलासपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विस्तार और सुविधाओं को मजबूत करने में पूरा सहयोग करेगी।

मुख्यमंत्री सुखविद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को कहा कि एम्स बिलासपुर को एक उत्कृष्ट स्वास्थ्य संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे प्रदेश के लोगों को बेहतर इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री बिलासपुर जिले के एकदिवसीय दौरे के दौरान एम्स पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संस्थान के चिकित्सकों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि दिसंबर 2026 तक प्रदेश के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में इलाज के लिए आने वाले लोगों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के लोगों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे राज्यों का रुख न करना पड़े। इसके लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं। चिकित्सकों और स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों को प्रदेश में सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार उन्हें बेहतर वेतन और अन्य सुविधाएं दे रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को प्रोफेसर के पद पर डेजिग्नेट करने के लिए सरकार ने मापदंडों में भी छूट दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जांच सुविधाओं को भी लगातार मजबूत किया जा रहा है। शिमला स्थित आईजीएमसी व एआईएमएसएस चमियाना में 3–टेस्ला एमआरआई मशीनें स्थापित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए पीजी मेडिकल सीटों में 330 सीटों की वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है।

◆ **प्रदेश में एमआरआई और जांच सुविधाओं को लगातार किया जा रहा मजबूत**

मुंबई के घाटकोपर में लैंडस्लाइड, 7 की मौत

एजेंसी, मुंबई। मुंबई के घाटकोपर के चिराग नगर इलाके में बुधवार सुबह लैंडस्लाइड हुआ। सुबह करीब 3:48 बजे गौसिया चाल में पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर कई घरों पर जा गिरा। हादसे के समय लोग सो रहे थे, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई व 7 लोग घायल हुए हैं। बारिश को हादसे की वजह बताया जा रहा है। डीसीपी गणेश शिंदे ने बताया कि 3–4 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। हालांकि, सटीक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बीएमसी के अधिकारियों के मुताबिक, मलबे में दबे लोगों का पता लगाने के लिए रेस्क्यू टीम स्पेशल विक्टिम–डिटेक्शन कैमरों की मदद ले रही है। घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता 3 से 3.5 फीट चौड़ा है। संकरी गलियों के कारण भारी मशीनरी घटनास्थल तक नहीं पहुंच पा रही हैं। मलबा को पहले ब्रेकर की मदद से निकाला जा रहा है।

सीएम बेअंत हत्याकांड दोषी हवारा की पैरोल मांगने गवर्नर के पास पहुंचे

लॉ एंड ऑर्डर की गारंटी मेरी : भगवंत मान

एजेंसी, चंडीगढ़। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने बुधवार को पूर्व सीएम बेअंत सिंह हत्याकांड में दोषी जगतार सिंह हवारा की पैरोल को लेकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि जगतार सिंह हवारा की माता की सेहत ठीक नहीं रहती है। उनकी इच्छा है कि वह अपने बेटे से मिले। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार इस बात की गारंटी लेती है कि इससे कानून–व्यवस्था की स्थिति खराब नहीं होगी। किसी तरह की हुड़दंगबाजी नहीं होने दी जाएगी। पंजाब सरकार ने दस दिन की पैरोल मांगी है। हवारा अभी दिल्ली जेल में बंद है। एक्सपर्ट के मुताबिक, हवारा की पैरोल के मामले में पंजाब सरकार का रुख पंथक वोट बैंक को साधने की कोशिश के तौर पर देखा जा सकता है। सरकार की ओर से पैरोल के लिए सिफारिश करना और कानून–व्यवस्था बनाए रखने की गारंटी देना पंथक वर्ग के बीच सकारात्मक संदेश देने की कोशिश मानी जा रही है। सीएम भगवंत मान ने कहा कि जगतार सिंह हवारा की माता की सेहत ठीक नहीं रहती है।

31 साल के बाद जगतार हवारा को मानवता के आधार पर उन्हें पैरोल दी जाए। आज उसी सिलसिले में राज्यपाल से मिलने गया था। उन्होंने कहा कि वह यूटी के प्रशासक भी है। केस यूटी में चलता है। इन्होंने यहां से रिकमेंड करना है और भारत की होम मिनिस्ट्री ने तय करना है कि कितने दिन की पैरोल देनी है। हमने दस दिन की मांगी है।

उन्होंने कहा गवर्नर साहिब को विश्वास दिलाया है कि पंजाब सरकार गारंटी लेती है कि किसी तरह कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा नहीं होने देंगे। किसी तरह की हुड़दंगबाजी या अन्य चीज नहीं होने देंगे। जिंदाबाद मुर्दाबाद नहीं होंगे।

◆ **31 साल बाद मानवता के आधार पर हवारा को पैरोल देने की मांग**

हर घर नियमित पेयजल पहुंचाना प्राथमिकता : सीएम धामी

जल जीवन मिशन की 92.46% योजनाएं पूरी, शेष कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को देहरादून स्थित सचिवालय में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष योजनाओं को निर्धारित समय–सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि हर घर तक नियमित, पर्याप्त, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में बताया गया कि राज्य में जल जीवन मिशन के तहत 16,555 योजनाओं में से 15,540 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं व राज्य की औसत प्रगति 92.46 प्रतिशत है। वर्तमान में 1,015 योजनाएं प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री ने शेष पात्र ग्रामीण परिवारों को निर्धारित समय–सीमा में नल कनेक्शन से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिशन की सफलता केवल नल कनेक्शन देने से नहीं, बल्कि घरों तक नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होने से तय होगी। पूर्ण हो चुकी योजनाओं का स्थलीय सत्यापन कराने के भी निर्देश दिए। ग्रामीण परिवारों को नल से जल की उपलब्धता की समीक्षा में बताया गया कि राज्य में 14.48 लाख ग्रामीण परिवारों में से 14.20 लाख परिवारों को नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

वहीं, 14,979 गांवों में से 9,796 गांवों में हर नल से जल की उपलब्धता का सत्यापन पूरा हो चुका है। धामी ने निर्माणाधीन व लंबित योजनाओं को मिशन मोड में पूरा करने व जिलाधिकारियों को संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समस्याओं का जल्द समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने पर्वतीय क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवीकरण, वर्षा जल संचयन और जल स्रोतों के पुनर्भरण पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने प्रत्येक जिले में तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था विकसित करने तथा पूर्ण हो चुकी योजनाओं के नियमित संचालन एवं रख–रखाव की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपदवार लक्ष्य, समयसीमा और जवाबदेही तय करने को कहा। अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित कार्यदायी संस्था और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश भी दिए।

आयोजन इंडिया गेट से कर्तव्य पथ तक निकाली तिरंगा यात्रा, हजारों स्वयंसेवकों ने बढ़ाया राष्ट्रगौरव

'हर घर तिरंगा' जनभागीदारी का सशक्त अभियान बना: नितिन

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की उपस्थिति में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में बुधवार को इंडिया गेट से कर्तव्य पथ तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम देशभर में चल रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थियों आदि ने भी भागीदारी की और हाथों में तिरंगा थामकर राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान की भावना को व्यक्त किया। यह तिरंगा यात्रा इंडिया गेट से शुरू होकर रफी मार्ग, कर्तव्य पथ तक निकाली गई। यात्रा में दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह सहित बड़ी संख्या में युवा एवं नागरिक भी उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली व कॉलेज विद्यार्थियों के साथ एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। युवाओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर पूरे उत्साह के साथ यात्रा में हिस्सा लिया।

यह भागीदारी स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों के प्रति सम्मान व राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भूमिका का संदेश देती नजर आई। इस अवसर पर नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' आज जनभागीदारी का एक सशक्त अभियान बन चुका है। तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रगौरव की भावना से देश का हर वर्ग उत्साहपूर्वक इस अभियान से जुड़ रहा है। उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि इस स्वतंत्रता दिवस अपने अमर शहीदों को नमन करते हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ें और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को और मजबूत करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ें।

15 अगस्त स्वतंत्रता के साथ भारत की गौरवशाली यात्रा याद करने का अवसर : मुख्यमंत्री रेखा

मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त केवल स्वतंत्रता का उत्सव ही नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को याद करने का भी अवसर है। आजादी के बाद भारत ने अनेक चुनौतियों को पार करते हुए विकास, विज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, शिक्षा व आधारभूत संरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह यात्रा देश के करोड़ों नागरिकों के परिश्रम, संकल्प और सामूहिक योगदान की कहानी है। हर राष्ट्र की यात्रा में चुनौतियां और सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है, लेकिन स्वतंत्रता दिवस हमें यह देखने का अवसर देता है कि हमने कहां से शुरुआत की थी और आज कहां तक पहुंचे हैं। भारत की उपलब्धियों पर गर्व करते हुए हमें आने वाले वर्षों के लिए और बड़े संकल्प लेने चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

एनसीसी कैडेट्स ने निकाली तिरंगा जागरूकता रैली

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस एवं हर घर तिरंगा अभियान के तहत राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के एनसीसी आर्मी विंग ने युवा शक्ति, राष्ट्र निर्माण और देशभक्ति का संदेश देने के लिए जागरूकता रैली निकाली। रैली में एनसीसी आर्मी विंग के 22 कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर से शुरू होकर गांधी मार्केट होते हुए बॉयज स्कूल बिलासपुर तक पहुंची। इस दौरान कैडेट्स ने अनुशासन और जोश के साथ लोगों को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी, देशभक्ति और सकारात्मक सोच के प्रति जागरूक किया। कैडेट्स ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत घर-घर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और तिरंगे के सम्मान का संदेश भी दिया। कार्यक्रम का आयोजन एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. जयचंद के मार्गदर्शन में हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. कटवाल ने कैडेट्स के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

छात्रों को पुस्तकों के अध्ययन के लिए किया प्रोत्साहित

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राष्ट्रीय लाइब्रेरियन डे के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय मंडी, पनारसा और कोटली में पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एसआर रंगनाथन को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को पुस्तकों के महत्व और नियमित अध्ययन के प्रति प्रेरित किया गया। राजकीय महाविद्यालय मंडी में प्राचार्य संजीव कुमार तथा लाइब्रेरियन चंद्र चौहान, रुमा देवी और भगवती भारद्वाज की सक्रिय भागीदारी रही। पनारसा महाविद्यालय में प्राचार्य उरसेमलता और लाइब्रेरियन बिंदु सूर्यवंशी ने कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। वहीं, राजकीय महाविद्यालय कोटली में प्राचार्य देविका वैद्य और लाइब्रेरियन कविता मल्होत्रा ने पुस्तक प्रदर्शनियों के माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तकों के अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में पुस्तकों को ज्ञान और व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया गया।

डीएवी कॉलेज कांगड़ा में प्रो. नागेश ठाकुर ने दिया युवा शक्ति व जीवन-दर्शन का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। डीएवी कॉलेज कांगड़ा में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. नागेश ठाकुर ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए 'युवा और युवा शक्ति' विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने उनका स्वागत किया। प्राचार्य ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा के साथ जीवन के व्यावहारिक पक्ष और भारतीय जीवन-मूल्यों की समझ भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के साथ संवाद विद्यार्थियों को नई सोच और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। अपने संबोधन में प्रो. नागेश ठाकुर ने कहा कि युवा राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति हैं। उनकी ऊर्जा, प्रतिभा और रचनात्मक सोच को सकारात्मक दिशा देकर समाज और देश के विकास में योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, अनुशासन, आत्मविश्वास और समय के सदुपयोग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भारतीय जीवन-दर्शन के पुरुषार्थ चतुष्टय-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष पर प्रकाश डालते हुए जीवन में नैतिक मूल्यों और आत्मिक विकास के साथ संतुलन बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षक और भौतिकी विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तकिपुर में बीपीएल परिवारों से किया सीधा संवाद

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। राजकीय महाविद्यालय तकिपुर के सभागार में विभिन्न पंचायतों के चयनित बीपीएल परिवारों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पात्र परिवारों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं, जरूरतों और सुझावों को प्रशासन तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा और एपीएमसी अध्यक्ष निशु मोंगरा मुख्यातिथि रहे। एसडीएम कांगड़ा डॉ. अंजली गर्ग, बीडीओ पारूल कटियार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। क्षेत्र की 13 पंचायतों के प्रतिनिधियों और बीपीएल लाभार्थियों ने भाग लिया। मुख्यातिथियों ने कहा कि सरकार का लक्ष्य बीपीएल परिवारों को सम्मानजनक जीवन और पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ उपलब्ध करवाना है। सस्ता राशन, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास तथा रोजगार सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। एसडीएम और बीडीओ ने कहा कि लाभार्थियों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनकर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं।

बीपीएल परिवारों से विधायक मलेंद्र ने किया संवाद

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। गंगथ में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की ओर से फेस-1 से फेस-8 सर्वे के तहत चिह्नित बीपीएल परिवारों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक मलेंद्र राजन ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। गंगथ-1, गंगथ-2, रप्पड़, घेटा, भलाख और अटाहड़ा पंचायतों के बीपीएल परिवारों ने भाग लिया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में सरकार गरीब और जरूरतमंद परिवारों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बीपीएल सूची में केवल वास्तविक पात्र परिवारों को शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने सुखाश्रय योजना और इंदिरा गांधी सुख सम्मान योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों से लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनकर उनका समाधान सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर एसपी नूरपुर ईल्मा अफरोज, एसडीएम डॉ. सुरिंदर ठाकुर, बीडीओ सुदर्शन सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नशे व एचआईवी के खिलाफ युवा अपनी सहभागिता करें सुनिश्चित: धनीराम शांडिल

हिमाचल के 3 जिले एचआईवी के लिहाज से सुरक्षित, जागरूकता अभियान तेज

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। स्वास्थ्य विभाग और हिमाचल प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति के संयुक्त तत्वाधान की ओर से अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर राज्य स्तरीय कार्यक्रम होटल पीटरहॉफ में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य व परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि ने कहा कि प्रदेश में एचआईवी एवं एड्स के खिलाफ बेहतरीन कार्य हो रहा है। आज देश में सुरक्षित 15 जिलों में 3 जिला हिमाचल प्रदेश के है जिनमें किन्नौर, लाहौल स्पीति और सोलन शामिल हैं। इसके अलावा तीन अन्य जिला सक्षम श्रेणी में शामिल हो चुके हैं। एड्स के यूएनएआईडीएस के लक्ष्य 95%-95%-95% को प्राप्त करके हिमाचल प्रदेश देश में टॉप पर है। आज जन जागरूता अभियानों के माध्यम से गांव-गांव तक एचआईवी और एड्स के प्रति लोगों को जोड़ा जा रहा है। आज के समय में युवा शक्ति के सामने सबसे बड़ी चुनौती नशा है। इसी नशे की चपेट में अब युवा एचआईवी संक्रमित भी हो रहे हैं। प्रदेश सरकार ने अनेकों योजनाएं नशे के खिलाफ चलाई है। इसके अलावा एचआईवी एवं एड्स से ग्रस्त लोगों को उपचार मुहैया करवाया जा रहा है। प्रदेश में 17 ओपिआईओआईडी सब्सीट्यूशन थैरेपी केंद्र स्थापित किए गए हैं जिनमें 1023 मरीजों को इलाज चल रहा है।

इन केंद्रों में मरीजों को नशे की तलब धीरे-धीरे घटाने में चिकित्सक की निगरानी में इलाज चलता है। इसके कुछ समय बाद मरीज सामान्य जीवन में लौट आता है। प्रदेश में 294 इंजेक्शन ड्रग यूजर को अस्पतालों के मनोरोग विभाग के साथ जोड़ कर उनका उपचार किया जा रहा है। 1000 आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्रदेश के पांच जिलों के 2440 गांवों के 2 लाख 86 हजार परिवारों को एचआईवी के बारे में जागरूक किया गया है। 2 अक्टूबर 2025 को प्रदेश की पंचायतों में एचआईवी मुक्त हिमाचल की शपथ दिलवाई गई। अभी तक इस अभियान के तहत लगभग 25 लाख लोगों को जोड़ा जा चुका है। इसी कड़ी में प्रदेश की जेलों में 11000 कैदियों को जागरूक किया जा चुका है जबकि 9000 कैदियों की एचआईवी जांच की जा चुकी है।

एचआईवी के खिलाफ लड़ाई अज्ञानता भेदभाव से भी: विधायक हरीश जनारथा

विधायक हरीश जनारथा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एचआईवी के विरुद्ध हमारी लड़ाई केवल वायरस के खिलाफ ही नहीं, बल्कि अज्ञानता, डर, गलत धारणाओं, कलंक और भेदभाव के खिलाफ भी है। आज विज्ञान और चिकित्सा ने एचआईवी के लिए प्रभावी जांच उपचार और देखभाल के रास्ते उपलब्ध करवाए है। इसलिए मेरा युवा साथियों को स्पष्ट संदेश है एचआईवी से डरने की जरूरत नहीं, उसके बारे में सही जानकारी हासिल करने की आवश्यकता है।

हिमाच्छादित क्षेत्रों में 1 सितंबर से शुरू होगा जनगणना का दूसरा चरण

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के हिमाच्छादित क्षेत्रों में जनगणना का दूसरा चरण यानी जनसंख्या गणना 1 सितंबर से शुरू होगा।

इसे लेकर निदेशालय जनगणना कार्य, हिमाचल प्रदेश की ओर से मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय प्रधान जनगणना अधिकारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। बैठक में जनगणना की तैयारियों, प्रशासनिक रणनीति और अंतर-विभागीय समन्वय की समीक्षा की गई। निदेशक जनगणना कार्य दीप शिखा शर्मा ने बताया कि प्रदेश में जनगणना का पहला चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। हिमाच्छादित क्षेत्रों में दूसरा चरण 1 से 30 सितंबर तक चलेगा। नागरिकों की सुविधा के लिए 17 से 31 अगस्त तक पोर्टल पर स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी। बैठक में अधिकारियों को जनगणना प्रक्रिया, वित्तीय नियमों, तकनीकी व्यवस्थाओं, मोबाइल ऐप, मॉनिटरिंग पोर्टल तथा गणनाकर्मियों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण की जानकारी दी गई। मुख्य सचिव ने प्रथम चरण के सफल संचालन के लिए अधिकारियों और जिला प्रशासन की टीमों को बधाई दी। उन्होंने दूसरे चरण में आंकड़ों की गुणवत्ता और शत-प्रतिशत सटीकता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े सामाजिक-आर्थिक विकास योजनाओं, नीति निर्माण तथा केंद्र और राज्य स्तर पर बजटीय आवंटन के लिए महत्वपूर्ण आधार हैं। अधिकारियों को इस राष्ट्रीय दायित्व को पूरी निष्ठा, सतर्कता और समयबद्धता से पूरा करने को कहा गया।

डीजल-पेट्रोल पर 60 पैसे की बढ़ोतरी जनता पर एक और आर्थिक प्रहार: डॉ. राजीव बिंदल

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने डीजल और पेट्रोल के दामों में 60 पैसे की बढ़ोतरी को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने प्रदेश की जनता पर लगातार टैक्स, शुल्क और महंगाई का बोझ डालने को ही अपनी नीति बना लिया है। अब डीजल और पेट्रोल के दामों में 60 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर आम आदमी की जेब पर एक और प्रहार किया गया है, जिसकी भारतीय जनता पार्टी कड़े शब्दों में निंदा करती है। डॉ. बिंदल ने कहा कि कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के बाद से लगातार प्रदेश की जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता संभालते ही सरकार ने डीजल पर वैट बढ़ाकर करीब 7 रुपये प्रति लीटर का अतिरिक्त बोझ डाला। इसके बाद अलग-अलग नामों से टैक्स और शुल्क बढ़ाने का सिलसिला जारी रहा और अब पेट्रोल-डीजल पर 60 पैसे प्रति लीटर की नई बढ़ोतरी जनता के सामने है।

उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी केवल पेट्रोल पंप पर वाहन में तेल भरवाने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रहेगी। डीजल-पेट्रोल महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी, टैक्सी और अन्य परिवहन सेवाएं महंगी होंगी तथा इसका प्रभाव रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ सकता है। हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में जहां परिवहन अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, वहां ईंधन की कीमतों में प्रत्येक बढ़ोतरी का व्यापक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को मजबूती से उठाती रहेगी और सरकार द्वारा जनता पर डाले जा रहे अनावश्यक आर्थिक बोझ का हर स्तर पर विरोध करेगी।

तीन मंजिला मकान ढहा, मां-बेटी की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले के राजगढ़ उपमंडल की ग्राम पंचायत दीदग के छिछड़ियां गांव में तीन मंजिला मकान अचानक ढहने से मां-बेटी की मौत हो गई, जबकि दो मासूम बच्चियां घायल हो गईं। हादसे के समय मकान में दो महिलाएं और दो बच्चियां मौजूद थीं। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी को मलबे से बाहर निकाला और 108 एंबुलेंस से नागरिक अस्पताल राजगढ़ पहुंचाया, जहां दो महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान 60 वर्षीय निर्मला और उनकी 32 वर्षीय बेटी पूजा के रूप में हुई है। घायल बच्चियों में डेढ़ वर्षीय ईरा और अभियाना शामिल हैं, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। बताया गया कि पूजा गर्भवती थी और बुधवार को ही मायके से ससुराल लौटने वाली थी। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। एसडीएम राजगढ़ राजकुमार ठाकुर ने बताया कि मृतकों के परिजनों को फौरी राहत प्रदान की गई है।

एसजेवीएन ने बिहार में 75 मेगावाट जमुई सौर परियोजना की सीओडी हासिल की

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। एसजेवीएन ने बिहार के जमुई जिले में 75 मेगावाट क्षमता वाली जमुई सौर विद्युत परियोजना की वाणिज्यिक प्रचालन तिथि (सीओडी) सफलतापूर्वक हासिल कर ली है।

एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भूपेंद्र गुप्ता ने बताया कि परियोजना का क्रियान्वयन कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एसजीईएल) ने किया है। एसजेवीएन के निदेशक (कार्मिक) अजय शर्मा ने बताया कि परियोजना से पहले वर्ष में करीब 90 मिलियन यूनिट और 25 वर्षों में लगभग 3,522 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन होने की संभावना है। परियोजना जमुई के हथादिया और ककनचौर गांवों के पास करीब 300 एकड़ भूमि में विकसित की गई है। इसकी अनुमानित लागत 342 करोड़ रुपए है। निदेशक (वित्त) पार्थजीत डे ने बताया कि परियोजना से उत्पादित बिजली के लिए 2.96 रुपए प्रति यूनिट टैरिफ निर्धारित किया गया है।

उत्पादित बिजली की आपूर्ति बिहार राज्य को की जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को स्वच्छ और किफायती ऊर्जा उपलब्ध होगी। निदेशक (परियोजनाएं) राजेश चंदेल ने बताया कि परियोजना से 15-20 प्रत्यक्ष और 50-100 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। परियोजना से करीब 82,250.74 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। यह परियोजना भारत के 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य में भी योगदान देगी। परियोजना बिहार नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी की निविदा के आधार पर विकसित की गई है।

चार मामलों में वांछित उद्घोषित अपराधी काबू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने उद्घोषित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 32 वर्षीय मंजेश पंचाटा के रूप में हुई है। वह शिमला जिले के जुब्बल तहसील के गांव जोहर का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक मन्जेश पंचाटा को 11 अगस्त की शाम कुमारसैन बाजार से गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई पुलिस के उद्घोषित अपराधी प्रकोष्ठ (पीओ सेल) और रोहड़ू उपमंडल की टीम के प्रयासों से की गई। पुलिस के अनुसार मन्जेश पंचाटा को वर्ष 2022 में चार अलग-अलग मामलों में अदालत ने दोषी ठहराया था। इसके बाद वह न्यायिक प्रक्रिया से बचते हुए फरार रहा। लंबे समय तक अदालत की कार्रवाई से दूर रहने के कारण बाद में रोहड़ू की अदालत ने उसे उद्घोषित अपराधी घोषित कर दिया था। शिमला पुलिस का कहना है कि उद्घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी है।

15 अगस्त की ग्राम सभा में किसान बनवाएं फार्मर आईडी

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में किसानों का पंजीकरण कर फार्मर आईडी बनाई जाएगी। कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. डीडी शर्मा ने किसानों से इस प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि भविष्य में किसानों से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ फार्मर आईडी के माध्यम से ही दिया जाएगा। पंजीकरण के लिए किसानों को आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर, बैंक पासबुक और जमीन का रिकॉर्ड साथ लाना होगा। उन्होंने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि और फार्मर रजिस्ट्री को आपस में जोड़ा गया है, इसलिए योजना का लाभ लेने के लिए फार्मर आईडी जरूरी है। फार्मर रजिस्ट्री में किसान की व्यक्तिगत जानकारी, जमीन, फसल और बैंक संबंधी विवरण दर्ज होंगे। आधार ई-केवाईसी और भूमि रिकॉर्ड सत्यापन के बाद किसान को फार्मर रजिस्ट्री नंबर जारी किया जाएगा। इससे योजनाओं के भुगतान में पारदर्शिता और पात्र लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित होगी।

देहरा में कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा पात्र लाभार्थियों को समय पर लाभ देने के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, देहरा। खंड समिति सभागार देहरा में मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना, पोषण अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, बेटी है अनमोल तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता एसडीएम देहरा कुलवंत सिंह पोटन ने की। एसडीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत देहरा में 55 बच्चों को प्रतिमाह 4 हजार रुपए पॉकेट मनी दी जा रही है, जबकि दो पात्र लाभार्थियों को भूमि आवंटित की गई है। वर्ष 2025-26 में 16 मामलों में मकान निर्माण के लिए तीन-तीन लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं। उच्च शिक्षा, स्वरोजगार और विवाह अनुदान के तहत भी पात्रों को सहायता दी जा रही है। मिशन वात्सल्य के तहत 587 बच्चों को लाभ प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पोषण अभियान के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों की डिजिटल मॉनिटरिंग की जा रही है। बेटी है अनमोल योजना के तहत 61 मामलों के लिए 12.81 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। एसडीएम ने कन्या भ्रूण हत्या रोकने और पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनभागीदारी से विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती व स्तनपान कराने वाली माताओं को तीन किस्तों में 5 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी: रोहित

शिक्षा मंत्री ने वन महोत्सव के तहत खड़ापत्थर में किया पौधरोपण

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने 77वें वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत खड़ापत्थर में आयोजित किए गए पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया और देवदार के पौधों का रोपण भी किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में पर्यावरण सरक्षण और जलवायु परिवर्तन एक बड़े संकट के रूप में पुरे विश्व के सामने खड़े हुए हैं। मनुष्य के निजी स्वार्थ, बढ़ती जनसंख्या और असंतुलित विकास ने प्रकृति पर अनावश्यक और असीमित दबाव बनाया है, जिससे पर्यावरण को नुकसान हुआ है। इस कारण धरती का तापमान बढ़ना और मौसम परिवर्तन जैसी चुनौतियाँ देखने को मिल रही है। इसी के दृष्टिगत ऐसे वृक्षारोपण कार्यक्रम अपनी एक अलग महत्ता रखते है और इसे एक अभियान के रूप में हम सभी को अपनाना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आज रोपे गए देवदार के पौधे भविष्य में अवश्य बड़े वृक्ष बनेंगे और इस धरती को जल, छाया और स्वच्छ वायु देंगे। वृक्षारोपण केवल एक सामाजिक और पर्यावरण से सम्बंधित कार्य नहीं है, बल्कि यह एक धार्मिक कार्य भी है। क्योंकि वेद और पुराणों में भी वृक्ष को सौ पुत्रों के समान माना गया है।

उन्होंने बताया कि आने वाले समय में भी इस तरह के और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे, जिससे की प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण हो सके। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने विभिन्न प्रतिनिधि मण्डलों से भी मुलाकात कर संवाद स्थापित किया और समस्याओं को सुना एवं त्वरित निदान का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर जुब्बल-कोटखाई-नावर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष जितेंद्र मेहता, जिला परिषद सदस्य बढ़ाल वार्ड मीनाक्षी मांजटा, सरस्वती नगर सावड़ा वार्ड से जिला परिषद सदस्य नेहा मेहता, डीएफओ रोहड़ू, प्रधान ग्राम पंचायत शिल्ली संतोष दमाकटा, पंचायत समिति उपाध्यक्ष ब्लॉक जुब्बल कमलेश झगटा आदि उपस्थित रहे।

भाजपा के 13 जिला परिषद एकजुट तीन और भी संपर्क में: बलबीर वर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक बलबीर वर्मा ने शिमला जिला परिषद के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव में देरी को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव को टालने और जिला परिषद सदस्यों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। वर्मा ने दावा किया कि भाजपा के समर्थन वाले 13 जिला परिषद सदस्य एकजुट हैं और तीन अन्य सदस्य भी भाजपा के संपर्क में हैं। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि अगर कांग्रेस को अपने संख्या बल पर भरोसा है तो वह तत्काल चुनाव की तारीख घोषित करे। बलबीर वर्मा ने बुधवार को कहा कि चुनाव होने पर जिला परिषद में किसके पास कितना समर्थन है, यह साफ हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार को अपनी राजनीतिक स्थिति कमजोर होने का अंदेशा है, इसी वजह से चुनाव कराने में देरी की जा रही है। उन्होंने सरकार पर सदस्यों पर दबाव बनाने के लिए सत्ता और प्रशासनिक तंत्र का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया। वर्मा ने कहा कि भाजपा के 13 समर्थित जिला परिषद सदस्य इस मामले को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा चुके हैं। उनके अनुसार, हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है और 17 अगस्त को मामले में सरकार को अपना पक्ष रखना है। उन्होंने कहा कि निर्वाचित जिला परिषद के पदाधिकारियों का चुनाव लंबे समय तक टाला नहीं जा सकता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को राजनीतिक सुविधा के अनुसार रोकना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार को चुनाव कराना ही पड़ेगा। यह चुनाव अदालत के निर्देश पर हो या सरकार खुद लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हुए करवाए, फैसला मतदान से होना चाहिए। वर्मा ने कहा कि अगर कांग्रेस के पास बहुमत है तो उसे चुनाव कराने में डर किस बात का है। चुनाव टालने से सरकार की मंशा को लेकर सवाल और गहरे होंगे।

राष्ट्रभक्ति 60 मीटर लंबे तिरंगे के साथ बिझड़ी में निकली भाजपा की भव्य तिरंगा यात्रा

भारत माता के जयघोष से गूंजा बाजार

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा बड़सर विधानसभा क्षेत्र द्वारा बुधवार को बिझड़ी में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। राष्ट्रभक्ति और देश प्रेम से ओत-प्रोत इस यात्रा में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया।

कुआं चौक से शुरू होकर रेस्ट हाउस बिझड़ी तक निकली इस यात्रा के दौरान पूरा बिझड़ी बाजार भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय हिंद के जयघोष से गूंज उठा। तिरंगा यात्रा का सबसे आकर्षक दृश्य उस समय देखने को मिला, जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने 60 मीटर लंबे विशाल राष्ट्रीय ध्वज को थामकर यात्रा निकाली। सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा मिलकर थामे गए इस विशाल तिरंगे ने पूरे बिझड़ी बाजार में राष्ट्रभक्ति का अद्भुत वातावरण बना दिया। विशाल तिरंगे के साथ आगे बढ़ते कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था और स्थानीय लोगों ने भी इस दृश्य को गर्व एवं उत्सुकता के साथ देखा। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि भारत की आन, बान, शान, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है। देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया और आज भी हमारे वीर जवान देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों और वीर जवानों के बलिदान को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई है। ऐसे आयोजन समाज में राष्ट्रप्रेम, एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं तथा प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रेरणा देते हैं।

यात्रा के दौरान युवा मोर्चा, महिला मोर्चा सहित भाजपा के विभिन्न मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हाथों में लहराता 60 मीटर लंबा तिरंगा और राष्ट्रभक्ति के नारों ने बिझड़ी के वातावरण को पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

तिरंगा यात्रा में बड़सर विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंद्रदत्त लखनपाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं भाजपा मंडल बड़सर अध्यक्ष संजीव शर्मा, मंडल अध्यक्ष डटवाल यशवीर पटियाल, मंडल महामंत्री अश्वनी बन्याल, दिनेश व्यास, सोमी शर्मा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अग्निहोत्री, नंद लाल शर्मा सहित भाजपा के विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। यात्रा के समापन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय ध्वज को नमन करते हुए भारत की एकता, अखंडता, संप्रभुता और गौरव की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। बिझड़ी में आयोजित यह भव्य तिरंगा यात्रा क्षेत्र में राष्ट्रभक्ति, एकता और देशप्रेम का मजबूत संदेश देने में सफल रही।

वन निगम कर्मचारी महासंघ ने अधिकारियों से उठाए लंबित मुद्दे

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम कर्मचारी महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने चेयरमैन प्रीतम पाल ठाकुर और प्रधान बाबूराम के नेतृत्व में शिमला में वाइस चेयरमैन केहर सिंह खाची तथा प्रधान अरण्यपाल डॉ. संजय सूद से मुलाकात की। इस दौरान कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

महासंघ ने दैनिक भोगी कर्मचारियों को नियमित करने की मांग प्रमुखता से उठाई, जिस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए मांग को स्वीकार किया गया। वन निगम में स्टाफ की कमी का मुद्दा भी उठाया गया। अधिकारियों ने बताया कि करीब 100 असिस्टेंट फॉरेस्ट गार्ड और 100 वनवीरों की नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। महासंघ ने वन निगम कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग भी रखी। वाइस चेयरमैन केहर सिंह खाची ने इस मांग को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाने में सहयोग का आश्वासन दिया। इसके अलावा करुणामूलक आधार पर नौकरी का लंबे समय से इंतजार कर रहे पात्र कर्मचारियों के बच्चों को शीघ्र नियुक्ति देने की मांग की गई। कर्मचारियों को समय पर वर्दी और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने का मुद्दा भी अधिकारियों के समक्ष रखा गया, जिस पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। प्रतिनिधिमंडल में महासचिव विक्रांत कडसोली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कान चंद ठाकुर, उपाध्यक्ष पंकिल ठाकुर समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। महासंघ ने अधिकारियों के सकारात्मक रुख का स्वागत किया।

न्यूज शॉर्ट्स

हरिद्वार में ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, गंगा से मिला शव

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। हरिद्वार के लक्सर में पुलिस ने शिवपुरी रायसी निवासी अंकित चौहान की गुमशुदगी के मामले का खुलासा करते हुए ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस के मुताबिक कारोबार और पुरानी रंजिश के चलते चार लोगों ने अंकित की हत्या कर शव को मोटरसाइकिल से बांधकर गंगा में डुबो दिया था। एसडीआरएफ के गोताखोरों की मदद से पुलिस ने शव और मोटरसाइकिल बरामद कर ली। मामले में चार आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं।

खेल चयन में पैसे मांगने का आरोप, छात्रा ने सीएम से पूछा सवाल

उदित नैनवाल। देहरादून में मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्तर की ताइक्वांडो खिलाड़ी छात्रा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने खेल चयन में कथित भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया। छात्रा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन होने के बावजूद उससे कथित तौर पर डेढ़ लाख रुपये की मांग की गई, जिसके कारण वह प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकी। छात्रा ने इस मामले में मुख्यमंत्री से सवाल उठाया।

धार्मिक और पर्यटन स्थलों का विकास सरकार की प्राथमिकता : धन सिंह रावत

कहा- कंडारस्यूं पेयजल योजना जल्द होगी पूरी, 10 हजार लोगों को होगा लाभ

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का विकास सरकार की प्राथमिकता है। इन स्थलों के बेहतर विकास से स्थानीय लोगों को सुविधाएं मिलने के साथ क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

मंत्री ने पैठाणी क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने पैठाणी स्थित राहु मंदिर परिसर में चल रहे सौंदर्यीकरण एवं निर्माण कार्य, कंडारस्यूं पेयजल योजना और बूंखाल कालिंका मंदिर के नवनिर्माण कार्यों का जायजा लिया।

राहु मंदिर परिसर के निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। मंदिर परिसर के व्यवस्थित विकास से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मंत्री ने बूंखाल कालिंका मंदिर निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश।

कंडारस्यूं पेयजल योजना के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से योजना की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और निर्धारित समय के अनुसार कार्य को पूरा किया जाए।

उन्होंने बताया कि कंडारस्यूं पेयजल योजना के पूरा होने पर क्षेत्र के 45 गांव-तोकों के दो हजार से अधिक परिवारों और 10 हजार से अधिक आबादी को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी। इससे क्षेत्रवासियों को पेयजल की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। योजना के पूरा होने से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सुविधा बेहतर होगी और लोगों को दूर-दराज से पानी लाने की समस्या से राहत मिलेगी।

कहा- पर्यटन से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

डॉ. रावत ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के साथ धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का सुनियोजित विकास किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य धार्मिक स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देकर लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास से क्षेत्र की पहचान को नई मजबूती मिलेगी। बेहतर आधारभूत सुविधाएं विकसित होने से अधिक संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक इन क्षेत्रों की ओर आकर्षित होंगे।

उत्तराखंड में 73 सड़कें बंद

प्रदेश में 13 और 14 अगस्त को भारी बारिश का अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश के दौर की संभावना जताई गई है। हालांकि देहरादून सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बुधवार सुबह धूप बादलों की ओट से निकली। आसमान में बादल छाए रहने से मौसम सुहावना बना रहा। मौसम विभाग के बुलेटिन के अनुसार आज उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अन्य पर्वतीय जिलों में कुछ स्थानों पर बारिश और हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में कहीं-कहीं बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। पर्वतीय क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग ने 13 अगस्त को देहरादून, टिहरी, पिथौरागढ़, बागेश्वर और चंपावत में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई है। पर्वतीय क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज से अति तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है। 14 अगस्त को देहरादून, पिथौरागढ़, बागेश्वर और नैनीताल में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने बारिश के दौरान संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन और चट्टान गिरने, सड़क एवं राजमार्ग बाधित होने, निचले इलाकों में जलभराव तथा नदी-नालों के उफान पर आने की आशंका जताई है।

13 और 14 अगस्त को बढ़ेगा खतरा

मौसम विभाग ने 13 अगस्त को देहरादून, टिहरी, पिथौरागढ़, बागेश्वर और चंपावत में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई है। पर्वतीय क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज से अति तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है। 14 अगस्त को भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

भारी बारिश के कारण उत्तराखंड की कई नदियां उफान पर

भारी बारिश के कारण चमोली में 18, पिथौरागढ़ में 15, उत्तरकाशी में 12, रुद्रप्रयाग में सात, बागेश्वर में छह, देहरादून में छह, नैनीताल में चार, टिहरी में तीन और पौड़ी में दो सड़कें बंद हैं। हालांकि चारधाम और सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात सुचारु है। ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग, तवाघाट-गुंजी और धारचूला-तवाघाट मार्ग, मुनस्यारी-मिलम सीमा मार्ग और जोशीमठ-मलारी-नीती राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात संचालित हो रहा है। केंद्रीय जल आयोग की बुधवार सुबह 10 बजे की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश की कई नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। अलकनंदा नदी का जलस्तर 625.30 मीटर दर्ज किया गया, जबकि इसका चेतावनी स्तर 626 मीटर और खतरे का स्तर 627 मीटर है। मंदाकिनी का जलस्तर 621.00 मीटर रहा।

हल्द्वानी रैली में कार्यकर्ताओं को रोकने पर कांग्रेस का जोरदार विरोध प्रदर्शन

अनिल थपलियाल। जिला महानगर कांग्रेस कमेटी हरिद्वार के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को चंद्राचार्य चौक पर भाजपा सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया। कांग्रेस नेताओं ने हल्द्वानी में आयोजित पार्टी की रैली में कार्यकर्ताओं को रोकने का आरोप लगाते हुए इसे लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ बताया।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग ने कहा कि हल्द्वानी में कांग्रेस द्वारा आयोजित रैली में भाजपा सरकार के इशारे पर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने का असफल प्रयास किया गया। उन्होंने इसे पूरी तरह अलोकतांत्रिक करार दिया।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुरली मनोहर और प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संजय पालीवाल ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा कांग्रेस के कार्यक्रमों और रैलियों में सरकारी मशीनरी का कथित दुरुपयोग करना लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध है। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संतोष चौहान और युवा नेता वरुण बालियान ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विपक्ष की रैलियों से डरी हुई है और इसी कारण उन्हें रोकने का प्रयास किया जा रहा है। पूर्व विधायक रामयश सिंह और प्रदेश कांग्रेस सचिव प्रदीप चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक की घटनाओं से छात्र नाराज हैं।

तूना-बौंठा मार्ग के सुधारीकरण कार्य शुरू

उदित नैनवाल। रुद्रप्रयाग में धनपुर क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों को जोड़ने वाले तूना-बौंठा मोटर मार्ग के सुधारीकरण एवं डामरीकरण कार्य का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने किया। करीब 10 किलोमीटर लंबे मार्ग के सुधारीकरण पर 1.85 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ग्रामीण लंबे समय से सड़क सुधार की मांग कर रहे थे। तकनीकी अड़चनों और धनराशि स्वीकृति के कारण काम शुरू नहीं हो पाया था। मार्ग का करीब 1.5 किलोमीटर हिस्सा नगर पालिका क्षेत्र में है, जहां यातायात दबाव को देखते हुए इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी। मंत्री ने बताया कि पुनाड़ सड़क को पीएमजीएसवाई फेज-4 में स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि जयमंडी सड़क के डामरीकरण के लिए 25 लाख रुपये मंजूर हुए हैं। रुद्रप्रयाग नगर क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था के लिए 107 करोड़ रुपये की डीपीआर शासन को भेजी गई है।

अस्पतालों में डॉक्टरों-कर्मचारियों के लिए नया ड्रेस कोड लागू

- दून अस्पताल में अब निर्धारित पहनावे में आएंगे डॉक्टर और कर्मचारी

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

राजकीय दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के ड्यूटी के दौरान पहनावे को लेकर सख्ती की गई है। अस्पताल प्रशासन की ओर से ड्रेस कोड का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। चिकित्सकों और कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान जींस-टीशर्ट पहनने से बचने और निर्धारित परिधान में आने को कहा गया है। साथ ही डॉक्टरों के लिए कम से कम एप्रन पहनना जरूरी किया गया है।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार ड्यूटी के दौरान चिकित्सकों और कर्मचारियों का निर्धारित ड्रेस कोड में रहना आवश्यक है। अस्पताल में मरीज और तीमारदार बड़ी संख्या में आते हैं। ऐसे में डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों की स्पष्ट पहचान होना जरूरी है। ड्रेस कोड के पालन से मरीजों और तीमारदारों को चिकित्सकों की पहचान करने में आसानी होगी। साथ ही अस्पताल के वातावरण और गरिमा को भी बनाए रखने में मदद मिलेगी।

कैंसर रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दौलत सिंह ने इस संबंध में कहा कि कई बार कुछ चिकित्सक ड्रेस कोड के अनुरूप आते हैं, जबकि कुछ जींस-टीशर्ट पहनकर ड्यूटी करते हैं। इससे अस्पताल का माहौल प्रभावित होता है और वरिष्ठ चिकित्सकों को भी असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की पहचान उनके पहनावे से भी होनी चाहिए। यदि कोई चिकित्सक सामान्य शर्ट पहनकर बैठा रहेगा तो मरीज और तीमारदार कैसे पहचानेंगे कि वह डॉक्टर है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में चिकित्सकों के लिए कम से कम एप्रन पहनना जरूरी होना चाहिए। इससे मरीजों को डॉक्टर की पहचान करने में आसानी होगी और अस्पताल की गरिमा भी बनी रहेगी। एप्रन चिकित्सकों की पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम है और ड्यूटी के दौरान इसे पहनने से मरीजों को सही व्यक्ति तक पहुंचने में सुविधा होती है।

न्यूज ब्रीफ

पंती गधेरे में अवैध खनन पर प्रशासन ने कसा शिकंजा, जेसीबी ट्रैक्टर सीज

गिरीश चंदोला। नारायणबगड़ के पंती गधेरे में कथित अवैध खनन की शिकायत पर प्रशासन ने कार्रवाई की। तहसीलदार राजेंद्र सिंह बिष्ट ने मौके पर पहुंचकर खनन कार्य में लगी एक जेसीबी और ट्रैक्टर को सीज कर दिया। वहीं विनायक स्टोन क्रेशर से खनन सामग्री लेकर जा रहे डंपर में रवन्ने से अधिक सामग्री मिलने पर ओवरलोडिंग का चालान किया गया। ब्लॉक प्रमुख गणेश चंदोला ने अवैध खनन और भारी वाहनों से पंती-हंसकोटी सड़क को हो रहे नुकसान की जांच व कार्रवाई की मांग की है।

जोशीयाड़ा जलभराव पर यूकेडी का प्रदर्शन प्रशासन को दी आंदोलन की चेतावनी

अनिल थपलियाल। जोशीयाड़ा में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर यूकेडी ने केंद्रीय महामंत्री किरन रावत के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिछले दस वर्षों से स्थानीय लोग बरसात में जलभराव की समस्या झेल रहे हैं। जिलाधिकारी की व्यस्तता के चलते अपर जिलाधिकारी ने ज्ञापन लिया और समाधान का आश्वासन दिया। किरन रावत ने कहा कि अब झूठे आश्वासन नहीं चलेंगे। तत्काल कार्य शुरू नहीं हुआ तो एक सप्ताह बाद महिलाओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग जाम किया जाएगा।

महिला मंगल दल ने विधायक प्रेमचंद अग्रवाल से की शिष्टाचार भेंट

अनिल थपलियाल। भट्टोंवाला ग्राम प्रधान श्रीमती संगीता राणा के नेतृत्व में महिला मंगल दल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने ऋषिकेश स्थित कैंप कार्यालय में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल से शिष्टाचार भेंट की। डॉ. अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि महिला मंगल दल सामाजिक एकजुटता, स्वच्छता, जनजागरूकता और सांस्कृतिक संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

तमक नाले में राहत-बचाव कार्यों का जिलाधिकारी ने लिया जायजा

उदित नैनवाल। चमोली जिले के तमक नाले में फ्लैश फ्लड के बाद राहत और बचाव कार्य लगातार जारी हैं। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बुधवार को तमक नाले का स्थलीय निरीक्षण कर बेली ब्रिज सहित क्षेत्र में चल रहे राहत कार्यों का जायजा लिया। इससे पहले उन्होंने ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण कर प्रभावित इलाकों की स्थिति देखी। उन्होंने बताया कि फ्लैश फ्लड के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञ संस्थान से वैज्ञानिक अध्ययन कराया जाएगा। ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग पर तमक नाले में तेज जलप्रवाह से बेली ब्रिज बह गया। एक व्यक्ति और वाहन के बहने की सूचना है। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तलाश अभियान में जुटी हैं।

देवाल में विधायक भूपाल टम्टा के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

ढोल-नगाड़ों के बीच निकली तिरंगा यात्रा, बच्चों ने लगाए देशभक्ति नारे

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

गिरीश चंदोला। विकासखंड देवाल मुख्यालय में गुरुवार को देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। स्कूली बच्चों, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने थराली विधायक भूपाल राम टम्टा के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। हाथों में तिरंगा लेकर निकले छात्र-छात्राओं और कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से पूरे बाजार को गुंजायमान कर दिया। यात्रा में राजकीय इंटर कॉलेज देवाल, कन्या हाईस्कूल देवाल, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, सरस्वती शिशु मंदिर, विद्या मंदिर, गुरुवार रामराय और हिमालयन पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

सभी लोग देवाल टैक्सी स्टैंड पर एकत्र हुए, जहां से विधायक भूपाल राम टम्टा, ब्लॉक प्रमुख तेजपाल रावत और भाजपा मंडल अध्यक्ष उमेश मिश्रा के नेतृत्व में यात्रा शुरू हुई। ढोल-नगाड़ों और देशभक्ति के

- देवाल बाजार में गूंजे वंदे मातरम के नारे
- यात्रा में कई भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, शिक्षक और छात्र-छात्राएं रहे मौजूद

नारों के बीच यात्रा अर्पण मार्केट, मुख्य बाजार और एसबीआई बाजार से होते हुए बाजार के अंतिम छोर तक पहुंची।

विधायक और ब्लॉक प्रमुख ने प्रतिभागियों का आभार जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं और बच्चों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना मजबूत करते हैं। विधायक ने केंद्र और राज्य सरकार की विकासपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। यात्रा में कई भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मसूरी में 67 जलधाराएं खतरे में, मिट्टी कटाव ने बढ़ाई चिंता

भारतेंदु संवाददाता, मसूरी। मसूरी के कैंपटी क्षेत्र के जलग्रहण क्षेत्रों में भू-कटाव का बड़ा खतरा सामने आया है। इससे यहां से निकलने वाले सैकड़ों जलस्रोतों के भविष्य पर असर पड़ सकता है। वन अनुसंधान संस्थान देहरादून का अध्ययन 16 जुलाई 2026 को अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका डिस्कवर जियोसाइंस में प्रकाशित हुआ। करीब 904 हेक्टेयर क्षेत्र में किए गए अध्ययन में 67 जलधाराओं की पहचान हुई, जिनकी कुल लंबाई 25.9 किलोमीटर है। विज्ञानियों ने क्षेत्र को चार छोटे जलग्रहण क्षेत्रों में बांटकर मिट्टी, ढलान, वनस्पति, वर्षा और जलधाराओं का अध्ययन किया। अध्ययन में एसडब्ल्यूएस-4 और एसडब्ल्यूएस-1 को अधिक संवेदनशील क्षेत्र माना गया है। वर्षा का पानी जमीन की ऊपरी परत को बहाकर ले जाता है और अधिक ढलान, तेज वर्षा तथा कम वनस्पति होने पर यह प्रक्रिया तेज हो जाती है। कमजोर मिट्टी और सतही बहाव से जलधाराओं में गाद बढ़ सकती है। अध्ययन में संवेदनशील हिस्सों में छोटी नालियों का कटाव, गहरी गूलियां, ढलानों की अस्थिरता और जलधाराओं के पास मिट्टी व मलबा जमा होने के संकेत मिले हैं।

देवाल कौथिग समेत लोहाजंग और बेरासकुंड मेला हुआ राजकीय घोषित

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

गिरीश चंदोला। थराली विधानसभा क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि सामने आई है। क्षेत्र के तीन प्रमुख मेलों को राजकीय मेला घोषित कर दिया गया है। इनमें प्राचीन देवाल कौथिग, देवाल विकासखंड का पूर्व विधायक स्व. शेर सिंह दानू स्मृति मेला लोहाजंग और नंदानगर विकासखंड का बेरासकुंड मेला शामिल हैं। मेलों को राजकीय दर्जा मिलने पर क्षेत्रवासियों में खुशी है।

- मेलों को राजकीय दर्जा मिलने से स्थानीय संस्कृति और व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने तीनों मेलों को राजकीय मेला घोषित किए जाने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने से स्थानीय संस्कृति, परंपराओं और मेलों को नई पहचान मिलेगी। देवाल कौथिग और लोहाजंग मेले को राजकीय मेला घोषित किए जाने पर देवाल विकासखंड कार्यालय में आभार कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक भूपाल राम टम्टा का माल्यार्पण कर स्वागत किया। लोगों ने कहा कि विधायक के प्रयासों से देवाल ब्लॉक के दो प्रमुख मेलों को राजकीय दर्जा मिलना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वक्ताओं ने कहा कि देवाल कौथिग प्राचीन लोक संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा आयोजन है। राजकीय दर्जा मिलने से स्थानीय कलाकारों, संस्कृति और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

सिद्धार्थ रमोला की तलाश तेज करने की यूकेडी ने की मांग

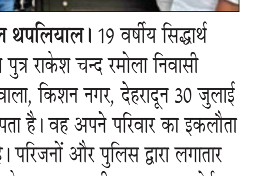

अनिल थपलियाल। 19 वर्षीय सिद्धार्थ रमोला पुत्र राकेश चन्द रमोला निवासी लोहरवाला, किशन नगर, देहरादून 30 जुलाई से लापता है। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा है। परिजनों और पुलिस द्वारा लगातार तलाश के बावजूद अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। सीसीटीवी फुटेज में सिद्धार्थ देहरादून के विभिन्न स्थानों पर पैदल जाता दिखाई दिया है। अंतिम फुटेज मोब्बेवाला-चंद्रबनी चौक के आसपास की है, जिसमें वह एक अन्य व्यक्ति के साथ स्कूटी पर जाता दिखाई दे रहा है। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, तकनीकी सर्विलांस और स्कूटी की आवाजाही की गहन जांच कराने की मांग की है।

पहल | धन सिंह रावत के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा, युवाओं ने बढ़ाया उत्साह

हम सभी को एक सूत्र में बांधता है तिरंगा: डॉ.रावत

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

विकास बलोनी। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तीसरे दिन कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अपने विधानसभा क्षेत्र श्रीनगर के पैठाणी, चाकीसैंण, तरपालीसैंण एवं माजरा महादेव में आयोजित तिरंगा यात्राओं में प्रतिभाग किया। इन यात्राओं में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों, महिलाओं, युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र देशभक्ति के नारों और राष्ट्रप्रेम की भावना से सराबोर दिखाई दिया। जगह-जगह लोगों ने तिरंगा हाथों में लेकर देश के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

पैठाणी में डॉ. धन सिंह रावत ने युवाओं एवं स्थानीय लोगों के साथ पैदल तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग किया। इस दौरान युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। यह स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के त्याग एवं बलिदान की याद दिलाते हुए प्रत्येक नागरिक को देश की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की सामूहिक अभिव्यक्ति है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया।

- पैठाणी से माजरा महादेव तक तिरंगे की शान, देशभक्ति के नारों से गूंजा क्षेत्र

चाकीसैंण, तरपालीसैंण और माजरा महादेव में आयोजित तिरंगा यात्राओं में भी बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। महिलाओं, युवाओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान देशभक्ति के नारे लगाए गए और वातावरण राष्ट्रप्रेम से भर गया। डॉ. रावत ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और आपसी सद्भाव की भावना को और मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की विविधता में एकता का प्रतीक है और प्रत्येक नागरिक को देश के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध कराता है।

सैकड़ों लोगों ने थामा भाजपा का दामन

'हर घर तिरंगा' अभियान के दौरान श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के कई लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कनाकोट, काण्डा, पैलार एवं सरणा गांव से भाजपा में शामिल हुए लोगों का स्वागत करते हुए उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि तिरंगा हम सभी को एक सूत्र में बांधता है। इसके सम्मान के साथ देश की एकता, अखंडता और स्वाभिमान की भावना भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से देशवासियों को स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को याद करने का अवसर मिलता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपने घरों पर तिरंगा फहराकर अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्राओं में युवाओं की बड़ी भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि नई पीढ़ी राष्ट्र निर्माण और देश की प्रगति के प्रति पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है।

सिंचाई घोटाले में तीन पूर्व आईएएस अफसरों को क्लीन चिट

588 पन्नों की जांच में नहीं मिला ठोस सबूत, सिंचाई घोटाले के तीन पूर्व आईएएस अधिकारी आरोपों से बरी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के बहुचर्चित सिंचाई घोटाले में पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने पूर्व मुख्य सचिव सर्वेश कौशल समेत तीन सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों को क्लीन चिट दे दी है। विस्तृत जांच के बाद विजिलेंस ने निष्कर्ष निकाला कि अधिकारियों के खिलाफ रिश्वतखोरी या कथित अनियमितताओं में संलिप्तता साबित करने वाला कोई ठोस और प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं मिला। क्लीन चिट पाने वालों में पूर्व विशेष मुख्य सचिव केबीएस सिद्धू और पूर्व सिंचाई सचिव काहन सिंह पन्नू भी शामिल हैं। विजिलेंस ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में दाखिल स्टेटस रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

हाई कोर्ट ने 15 मई 2026 को विजिलेंस ब्यूरो को उन अधिकारियों के खिलाफ जांच 15 दिन में पूरी करने का निर्देश दिया था, जिनके विरुद्ध राज्यपाल से अभियोजन की मंजूरी ली गई थी। अदालत के निर्देश के बाद ब्यूरो ने संबंधित रिकॉर्ड, गवाहों के बयान और विभागीय दस्तावेजों की जांच पूरी कर रिपोर्ट दाखिल की। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीनों अधिकारियों के खिलाफ रिश्वत या कथित वित्तीय अनियमितताओं का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण सामने नहीं आया।

विजिलेंस के अनुसार तीनों अधिकारियों के खिलाफ जांच मुख्य रूप से मामले में आरोपी ठेकेदार गुरिंदर सिंह के 21 दिसंबर 2017 के डिस्क्लोजर स्टेटमेंट के आधार पर शुरू हुई थी। यह बयान 17 अगस्त 2017 को दर्ज एफआईआर की जांच के दौरान सामने आया था। एफआईआर में धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं लगाई गई थीं।

जांच के दौरान विजिलेंस को पता चला कि डिस्क्लोजर स्टेटमेंट में जिन रकम का उल्लेख किया गया था, उनकी कोई बरामदगी नहीं हुई। साथ ही यह बयान मूल एफआईआर के चालान का हिस्सा भी नहीं था। ब्यूरो ने माना कि किसी बरामदगी या स्वतंत्र साक्ष्य के अभाव में केवल इस बयान को तीनों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का पर्याप्त आधार नहीं बनाया जा सकता।

विजिलेंस ने जांच के दौरान मामले से संबंधित 588 पन्नों की सामग्री, पुलिस फाइल, चालान और गवाहों के बयान खंगाले। इसके अलावा सिंचाई विभाग में टेंडर जारी करने से लेकर भुगतान करने तक की पूरी प्रक्रिया की जांच की गई। परियोजनाओं की प्रशासनिक और तकनीकी मंजूरी, अनुमान तैयार करने, टेंडर दस्तावेज बनाने, ठेकेदार को काम आवंटित करने और भुगतान जारी करने से जुड़े रिकॉर्ड की भी पड़ताल की गई।

विजिलेंस के मुताबिक किसी भी गवाह ने तीनों अधिकारियों के खिलाफ रिश्वत लेने या किसी ठेकेदार को अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोपों का समर्थन नहीं किया। आरोपों को किसी निश्चित तारीख, स्थान, समय या घटना से भी नहीं जोड़ा जा सका। विभागीय रिकॉर्ड की जांच में भी तीनों अधिकारियों और कथित अनियमितताओं के बीच कोई स्पष्ट संबंध सामने नहीं आया।

सिंचाई घोटाला वर्ष 2007 से 2017 के बीच अकाली-भाजपा सरकार के कार्यकाल में सिंचाई और ड्रेनेज परियोजनाओं के टेंडर में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। आरोप था कि टेंडर की शर्तें एक विशेष ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के लिए तैयार की गईं और इससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ।

विजिलेंस इस मामले में नौ मुख्य और सात पूरक चालान दाखिल कर चुकी है। इनमें कुल 32 आरोपित शामिल हैं, जिनमें 26 सरकारी कर्मचारी और छह निजी व्यक्ति हैं।

मतदाता सूची में बड़ा बदलाव 20 .66 लाख नामों पर संशय

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में विधानसभा चुनाव से करीब पांच महीने पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का पहला चरण पूरा हो गया है। चुनाव आयोग 13 अगस्त को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी करेगा। जून 2026 की मतदाता सूची में शामिल 20.66 लाख मतदाताओं के नाम विभिन्न कारणों से ड्राफ्ट सूची में नहीं होंगे। इनमें करीब 9.5 लाख मतदाता स्थायी रूप से पंजाब से बाहर जा चुके हैं, 5.75 लाख की मृत्यु हो चुकी है, करीब 1.20 लाख नाम दोहराए गए हैं, जबकि 4.12 लाख मतदाताओं का पूरे राज्य में कोई पता नहीं चल पाया।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि ड्राफ्ट सूची में नाम नहीं होने पर पात्र मतदाताओं को घबराने की जरूरत नहीं है। 13 अगस्त से 12 सितंबर तक दावा और आपत्ति दाखिल करने का अवसर मिलेगा। नाम जोड़ने के लिए फार्म-6 भरना होगा। आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किया जा सकेगा। पात्र पाए जाने वाले मतदाताओं के नाम जांच के बाद अंतिम सूची में शामिल किए जा सकते हैं।

एसआइआर के दौरान करीब 12.80 लाख मतदाताओं का वर्तमान रिकॉर्ड वर्ष 2003 या उससे पहले की पिछली मतदाता सूची से मैप नहीं हो पाया। हालांकि केवल अनमैप्ड होने के आधार पर किसी मतदाता का नाम अंतिम सूची से स्वत: बाहर नहीं होगा। ऐसे मतदाताओं को 13 अगस्त से नोटिस जारी किए जाएंगे और उन्हें पात्रता साबित करने के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने का अवसर मिलेगा।

13 अगस्त को ड्राफ्ट सूची जारी होने के बाद प्रत्येक मतदाता को अपना नाम और विवरण जांच लेना चाहिए। नाम नहीं मिलने पर फार्म-6 के माध्यम से दावा दाखिल किया जा सकता है। नाम, पता या अन्य जानकारी गलत होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुधार के लिए आवेदन करना होगा।

न्यूज ब्रीफ

जीरकपुर में कांग्रेस नेत्री के पति पर गंभीर आरोप, मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। पुलिस ने जिला कांग्रेस महिला प्रधान रेणु नेहरू के पति पवन नेहरू, जसपाल ग्रेवाल और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट, जबरन पैसे ट्रांसफर कराने और धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता मनीष कुमार के अनुसार, वह दोस्त से मिलने जीरकपुर आया था। शिवालिक विहार के पास आरोपियों ने उसकी एक्टिवा की चाबी और मोबाइल छीन लिया तथा उसे पवन नेहरू के कार्यालय ले गए। वहां उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई। आरोप है कि आरोपियों ने मोबाइल और गूगल पे का पासवर्ड लेकर उसके खाते से 1800 रुपये ट्रांसफर किए। साथ ही दो चेक पर हस्ताक्षर करवाए गए, जिनमें एक पर 31 हजार रुपये भर दिए गए और दूसरा खाली रख लिया गया। मनीष के अनुसार उसे पुलिस शिकायत करने पर झूठे नशे के मामले में फंसाने की धमकी भी दी गई। मारपीट के बाद उसका ढकोली सिविल अस्पताल में उपचार कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पौने दो करोड़ की सड़क योजना, दस महीने से अधूरी

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। पटियाला हाईवे से हाईग्राउंड रोड को जोड़ने वाली सड़क के चौड़ीकरण और कायाकल्प की पौने दो करोड़ रुपये की योजना दस महीने से अधूरी पड़ी है। अक्तूबर 2025 में इसका उद्घाटन किया गया था, लेकिन कुछ काम होने के बाद निर्माण बंद हो गया। सड़क चौड़ी न होने से हाईग्राउंड रोड क्षेत्र की एक दर्जन से अधिक सोसाइटियों और कॉलोनियों में रहने वाले 20 हजार से ज्यादा लोगों को परेशानी हो रही है। यह मार्ग नाभा, भबात और कई आवासीय सोसाइटियों के लिए मुख्य संपर्क सड़क है। आबादी और वाहनों की संख्या लगातार बढ़ने के बावजूद सड़क की चौड़ाई पहले जैसी है। निर्माण एजेंसी के अनुसार डिजाइन और सामग्री से जुड़ी समस्याओं के कारण काम प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि परियोजना में देरी से भविष्य में जाम और हादसों का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने जल्द निर्माण शुरू करने की मांग की है।

ट्रेन में आईईडी साजिश, दो आरोपियों पर आरोपपत्र दाखिल

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने भारत में आतंकी हमले की साजिश के मामले में शुभम कुमार और फरार जसवीर चौधरी के खिलाफ मोहाली की विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोप है कि पाकिस्तान में बैठे संचालक के इशारे पर यात्री ट्रेन में आईईडी विस्फोट की योजना बनाई गई थी। शुभम कुमार को फरवरी 2026 में अमृतसर से गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से सक्रिय आईईडी, रिमोट नियंत्रित उपकरण, विदेशी पिस्तौल, कारतूस, मोबाइल फोन और हेरोइन बरामद होने का दावा किया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार, शुभम को ट्रेन में समयबद्ध आईईडी लगाने की जिम्मेदारी दी गई थी। दोनों पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम समेत कई धाराओं में आरोप लगाए गए हैं। जांच में पाकिस्तान स्थित संचालकों और भारत में उनके संपर्कों से सीमा पार आतंकी साजिश के संकेत मिलने की बात कही गई है। एजेंसी ने मामले में मौखिक, दस्तावेजी और डिजिटल साक्ष्य जुटाए हैं।

बलटाना दुष्कर्म मामले में पुलिस जांच तेज आरोपियों की तलाश जारी

भारतेन्दु संवाददाता,जीरकपुर। बलटाना में 16 वर्षीय नाबालिगा से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। नाबालिगा के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराए गए हैं और निर्देश के बाद उसका चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। पुलिस बलटाना और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। घटनास्थल और नाबालिगा के मिलने वाली जगह का मोबाइल डाटा भी जुटाया गया है। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और बयानों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। अधिकारियों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का दावा किया है।

पंजाब को ग्रामीण रोजगार योजना में केंद्र से मिले 1332 करोड़ रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में नई विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण योजना लागू होने के बाद केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य को 1,331.61 करोड़ रुपये का केंद्रीय हिस्सा आवंटित किया है। इसमें से 439.8 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की जा चुकी है। केंद्र सरकार ने यह जानकारी लोकसभा में दी। पंजाब में यह योजना एक जुलाई 2026 से लागू हुई है और मौजूदा वित्तीय वर्ष के अंत यानी 31 मार्च 2027 तक चलेगी।

नई योजना के तहत केंद्र और राज्य सरकार के बीच खर्च का अनुपात 60:40 निर्धारित किया गया है। इस आधार पर केंद्र के 1,331.61 करोड़ रुपये के मुकाबले पंजाब सरकार को करीब 887.7 करोड़ रुपये अपने हिस्से के रूप में खर्च करने होंगे। दोनों हिस्सों को मिलाकर राज्य में योजना के तहत करीब 2,219 करोड़ रुपये उपलब्ध होने की संभावना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका से जुड़े कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि पहली किस्त जारी होने के बाद आगे की राशि स्वत: जारी नहीं की जाएगी। अगली किस्तों के लिए राज्य के स्वीकृत श्रम बजट, रोजगार की मांग, उपलब्ध धनराशि, पहले जारी किए गए फंड के उपयोग, लंबित देनदारियों और योजना के प्रदर्शन सहित कई मानकों को देखा जाएगा। इसके अलावा जरूरी दस्तावेज और अन्य निर्धारित औपचारिकताएं पूरी करना भी आवश्यक होगा।

केंद्र ने राज्यों को पिछली वित्तीय वर्षों से जुड़ी लंबित देनदारियों के भुगतान के लिए प्रस्ताव भेजने को भी कहा है। इसका उद्देश्य पुरानी देनदारियों का निपटारा करने के साथ नई योजना के तहत धनराशि के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करना है।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार पंजाब में पूर्ववर्ती मनरेगा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 तक की 178.8 करोड़ रुपये की लंबित देनदारियों को मंजूरी दी जा चुकी है।

पंजाब के 13,500 गांव सोलर लाइटों से होंगे रोशन, खर्च होंगे 470 करोड़

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के गांव अब सौर ऊर्जा से रोशन होंगे। राज्य सरकार ने प्रदेश के करीब 13,500 गांवों में तीन लाख सोलर लाइटें लगाने की योजना शुरू की है। इस परियोजना पर करीब 470 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बुधवार को चंडीगढ़ स्थित पंजाब भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने परियोजना की शुरुआत की।

अमन अरोड़ा ने बताया कि सोलर लाइटों की स्थापना और उनके रखरखाव की जिम्मेदारी चयनित कंपनियों को सौंपी गई है। परियोजना की कुल लागत का 70 प्रतिशत हिस्सा पंजाब सरकार वहन करेगी, जबकि 30 प्रतिशत राशि संबंधित ग्राम पंचायतों को देनी होगी। कंपनियां लाइटें लगाने के साथ उनके नियमित रखरखाव और मरम्मत की जिम्मेदारी भी संभालेंगी।

पहले चरण में 2617 गांव होंगे रोशन : परियोजना के पहले चरण में 2,617 गांवों में 50,870 सोलर लाइटें लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के सभी करीब 13,500 गांवों में लगभग तीन लाख लाइटें लगाई जाएंगी। मंत्री ने कहा कि पहले चरण समेत परियोजना का काम करीब चार महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

मंदिर-गुरुद्वारे और बस स्टैंड भी दायरे में : सोलर लाइटें गांवों में जरूरत के अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर लगाई जाएंगी। इनमें मंदिर, गुरुद्वारे, बस स्टैंड और अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थल शामिल होंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय आवागमन आसान होने के साथ सुरक्षा व्यवस्था भी बेहतर होने की उम्मीद है। सौर ऊर्जा से संचालित होने के कारण इन लाइटों से बिजली की खपत में भी कमी आएगी।

पंचायतों को देनी होगी 30 प्रतिशत राशि : सरकार के अनुसार परियोजना में ग्राम पंचायतों की भी भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कुल खर्च का 30 प्रतिशत हिस्सा पंचायतों को देना होगा, जबकि शेष 70 प्रतिशत सरकार वहन करेगी।

किसानों और मजदूरों को सर्पदंश से बचाएगा एलपीयू का विशेष बूट, नई तकनीक तैयार

सांप के डसने से बचाएगा एलपीयू का स्मार्ट बूट, कदमों की आहट से देगा खतरे का संकेत

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

खेतों में काम करने वाले किसानों, मजदूरों, बागान कर्मियों और वन कर्मचारियों को सांप के काटने की घटनाओं से बचाने के लिए लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक विशेष बूट तैयार किया है। इस बूट की खासियत यह है कि यह केवल सांप के काटने से पैरों की सुरक्षा ही नहीं करेगा, बल्कि चलते समय सांप को इंसान की मौजूदगी का संकेत भी देगा। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी शोध एवं परियोजना विभाग के तहत तैयार किए गए इस बूट का कार्यशील नमूना विकसित कर लिया गया है। अब इसके व्यवहारिक परीक्षण की तैयारी की जा रही है।

शोधकर्ताओं के अनुसार ग्रामीण और वन क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों के पैरों तथा शरीर के निचले हिस्से में सांप के काटने का खतरा अधिक रहता है। खासकर खेतों में घास काटने, फसल की देखभाल करने, सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों के दौरान सांपों से सामना होने की आशंका रहती है। बाजार में सांप के काटने से बचाव के लिए सुरक्षा वाले जूते उपलब्ध हैं, लेकिन वे अक्सर भारी और गर्म होते हैं। लंबे समय तक पहनने में असुविधा के कारण खेतों में काम करने वाले लोग इनका नियमित इस्तेमाल नहीं कर पाते। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ताओं ने हल्के और व्यावहारिक बूट की अवधारणा पर काम किया।

इस विशेष बूट में दो प्रमुख परतें रखी गई हैं। पहली परत सांप के काटने से सुरक्षा देने के लिए विशेष काटने-रोधी कपड़े से तैयार की गई है। इसका उद्देश्य सांप के दांतों को बूट के भीतर से पैर की त्वचा तक पहुंचने से रोकना है। शोधकर्ताओं ने ऐसी सामग्री का इस्तेमाल करने का प्रयास किया है जो सुरक्षा के साथ पहनने में भी अपेक्षाकृत सुविधाजनक हो।

बूट की दूसरी परत अभी प्रयोग के स्तर पर है। इसमें एक छोटा गति संवेदक लगाया गया है, जो व्यक्ति के कदमों की गतिविधि को पहचानता है। गति संवेदक से जुड़े ध्वनि उपकरण के माध्यम से प्रत्येक कदम पर बहुत कम आवृत्ति वाली ध्वनि की छोटी तरंग छोड़ी जाती है। शोधकर्ताओं का उद्देश्य इस ध्वनि के माध्यम से सांप को इंसान की मौजूदगी का कुछ क्षण पहले ही संकेत देना है, ताकि वह वहां से दूर चला जाए और इंसान तथा सांप के बीच टकराव की स्थिति पैदा न हो।

इस तकनीक की अवधारणा के पीछे वर्ष 2023 में प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन को भी आधार बनाया गया है। क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने स्वतंत्र रूप से घूमने वाले सांपों पर कम आवृत्ति वाली ध्वनियों के प्रभाव का अध्ययन किया था। अध्ययन में यह संकेत मिला कि सांप पूरी तरह बहरे नहीं होते और कुछ प्रजातियां कम आवृत्ति वाली ध्वनियों पर प्रतिक्रिया करते हुए उनसे दूर हटने की प्रवृत्ति दिखा सकती हैं।

मोहाली के बाजारों में बेतरतीब पार्किंग बनी यातायात जाम की बड़ी वजह

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। शहर के विभिन्न फेजों की बाजारों में मुख्य सड़कों और दुकानों के सामने खड़े वाहनों के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फेज-1, 2, 3, 4, 5, 8 और 9 समेत कई बाजारों में सड़क किनारे वाहनों की बेतरतीब पार्किंग के कारण सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है। इससे दिनभर यातायात प्रभावित रहता है और व्यस्त समय में कई जगह जाम जैसी स्थिति बन जाती है।

◆ सड़क किनारे खड़े वाहनों से घट रही सड़कों की चौड़ाई, राहगीरों और दुकानदारों की बढ़ी परेशानी

फेज-1 की मार्केट में अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या सबसे अधिक बताई जा रही है। स्थानीय निवासी परमिंदर सिंह ने बताया कि बाजार में खरीदारी के लिए आने वाले कई लोग निर्धारित पार्किंग स्थलों का इस्तेमाल करने के बजाय अपने वाहन सड़क किनारे खड़े कर देते हैं। कई स्थानों पर वाहन इस तरह लगाए जाते हैं कि दूसरे वाहनों के निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती।

फेज-2 निवासी शैलजा शर्मा ने कहा कि मुख्य सड़कों पर लंबे समय से पार्किंग की समस्या बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभागों की ओर से नियमित कार्रवाई नहीं की जा रही। दुकानदार जगजीत सिंह और निखिल वोहरा ने बताया कि सड़क पर वाहन खड़े होने से बाजार में आने वाले ग्राहकों को भी परेशानी होती है और कारोबार पर भी असर पड़ता है।

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि बाजारों की मुख्य सड़कों पर अवैध और बेतरतीब पार्किंग के खिलाफ नियमित अभियान चलाया जाए। नो-पार्किंग वाले स्थानों पर स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं और नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के चालान किए जाएं। इससे बाजारों में यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ लोगों को भी राहत मिल सकेगी।

पांच चालान होने के बाद भी पीजीआई कैंटीन में ओवरचार्जिंग जारी

चालान भी बेअसर, पीजीआई कैंटीन में मरीजों की जेब पर रोजाना भारी पड़ रही मनमानी वसूली

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पीजीआई की न्यू ओपीडी कैंटीन में मरीजों और तीमारदारों से निर्धारित कीमत से अधिक वसूली किए जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। स्थिति यह है कि कैंटीन संचालक पर अब तक पांच बार चालान की कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद ओवरचार्जिंग पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। प्रत्येक चालान की राशि करीब 10 से 20 हजार रुपये तक बताई जा रही है। इसके विपरीत कैंटीन संचालक पर प्रतिदिन करीब 40 से 50 हजार रुपये तक अतिरिक्त वसूली करने के आरोप लग रहे हैं। ऐसे में जुर्माने की रकम ओवरचार्जिंग से होने वाली कमाई के मुकाबले काफी कम साबित हो रही है।

पीजीआई में रोजाना करीब 12 से 15 हजार मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। मरीजों के साथ लगभग इतनी ही संख्या में तीमारदार भी अस्पताल आते हैं। इस तरह प्रतिदिन करीब 25 से 30 हजार लोगों की आवाजाही पीजीआई में होती है। इनमें न्यू ओपीडी में आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों की संख्या काफी अधिक रहती है। न्यू ओपीडी की पांच मंजिला इमारत में केवल एक कैंटीन होने के कारण लोगों के पास खाने-पीने की वस्तुएं खरीदने के लिए सीमित विकल्प हैं।

हर दूसरे सामान पर पांच से सात रुपए अधिक वसूली : कैंटीन में निर्धारित कीमत से अधिक दाम पर खाद्य सामग्री बेचने की शिकायतें सामने आई हैं। आरोप है कि कई सामान पर पांच से सात रुपये तक अतिरिक्त लिए जा रहे हैं। वहीं कुछ खाद्य पदार्थों की कीमत में 20 से 30 रुपये तक अधिक वसूली किए जाने की शिकायत है। बड़ी संख्या में मरीजों और तीमारदारों की रोजाना आवाजाही के कारण यह अतिरिक्त वसूली बड़ी रकम में बदल जाती है। इसी आधार पर कैंटीन संचालक पर प्रतिदिन 40 से 50 हजार रुपये तक ओवरचार्जिंग करने का आरोप लगाया जा रहा है।

तीन चालान के बाद टेंडर खत्म करने का नियम : सबसे बड़ा सवाल पीजीआई प्रशासन की कार्रवाई को लेकर उठ रहा है। कैंटीन के टेंडर नियमों के अनुसार तीन चालान होने के बाद संचालक का टेंडर समाप्त किया जा सकता है। इसके बावजूद अब तक पांच चालान होने के बाद भी कैंटीन का संचालन जारी है। शिकायत मिलने पर प्रशासन चालान कर रहा है, लेकिन इसका प्रभाव ओवरचार्जिंग रोकने में नजर नहीं आ रहा है। मरीजों और तीमारदारों का कहना है कि इलाज के खर्च के बीच खाद्य सामग्री के लिए अतिरिक्त रकम देना उनकी परेशानी और बढ़ा रहा है।

प्रशासन ने कहा- जल्द होगी कार्रवाई : मामले में पीजीआई प्रशासन का कहना है कि कैंटीन संचालक का टेंडर समाप्त करने के लिए फाइल चला दी गई है। नियमानुसार जल्द कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, सवाल यह बना हुआ है कि जब तीन चालान के बाद टेंडर समाप्त करने का प्रावधान है तो पांच चालान होने के बावजूद कार्रवाई में देरी क्यों हुई। मरीजों और तीमारदारों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ठोस कदम उठाकर निर्धारित दरों से अधिक वसूली पर रोक लगाएगा।

पीजीआई की न्यू ओपीडी कैंटीन में निर्धारित दरों से अधिक कीमत वसूलने की शिकायतों ने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कैंटीन संचालक के पांच चालान होने के बावजूद ओवरचार्जिंग का सिलसिला जारी है। प्रत्येक चालान पर 10 से 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, जबकि संचालक पर रोजाना 40 से 50 हजार रुपये तक अतिरिक्त वसूली के आरोप हैं। ऐसे में जुर्माने का असर बेहद कम दिखाई दे रहा है।

राजस्थान के वीडियो पर सियासी घमासान भज्जी पर ‘आप ‘सरकार का हमला

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर

आम आदमी पार्टी के पंजाब स्टेट मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने पूर्व क्रिकेटर एवं राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह और अभिनेता सोनू सूद समेत कुछ सेलिब्रिटीज पर इंटरनेट मीडिया के माध्यम से पंजाब की छवि खराब करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के एक वीडियो को पंजाब का बताकर प्रसारित किया जा रहा है। पन्नू के अनुसार केवल पसंद और दर्शक संख्या बढ़ाने के लिए बिना तथ्यों की जांच किए वीडियो साझा किए जा रहे हैं।

पन्नू ने आरोप लगाया कि पंजाब, पंजाब पुलिस और राज्य सरकार को निशाना बनाने के लिए राजनीतिक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या केवल पंजाब तक सीमित नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती है। उन्होंने गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह से नशीले पदार्थों की बरामदगी का उल्लेख करते हुए सवाल किया कि उस समय ऐसे लोग क्यों नहीं बोले।

उन्होंने बताया कि सरकार के युद्ध नशेआं विरुद्ध अभियान के तहत गांवों और शहरों में लोगों को जोड़ा जा रहा है। सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी के लिए ड्रोन रोधी प्रणालियां लगाई गई हैं और लोगों को पुलिस तथा प्रशासन तक सूचना पहुंचाने की सुविधा दी गई है।

पन्नू के मुताबिक एक मार्च 2025 से नौ अगस्त 2026 तक पंजाब पुलिस ने नशे से जुड़े 56,267 मामले दर्ज किए और 75,552 आरोपितों को नामजद किया। इस दौरान 3,575 किलोग्राम हेरोइन, 509 किलोग्राम स्मैक, 880 किलोग्राम अफीम, 43,271 किलोग्राम पोस्ता और 95 किलोग्राम से अधिक चरस बरामद की गई। करीब 21.71 करोड़ रुपये की नशीली पदार्थों से जुड़ी रकम भी जब्त की गई।

पन्नू ने नशे की समस्या के लिए 2007 से 2017 के बीच की अकाली-भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए गांवों में खेल मैदान तैयार कर रही है। उन्होंने हरभजन सिंह से सवाल किया कि खिलाड़ी रहते हुए उन्होंने पंजाब के बच्चों को खेलों से जोड़ने के लिए क्या योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि पंजाब के कई खिलाड़ी क्रिकेट और हॉकी सहित विभिन्न खेलों में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पन्नू ने पंजाब पुलिस, ग्रामीणों और ग्राम रक्षा समितियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

निजी गाड़ियों पर सरकारी नाम लिखना अब पड़ेगा भारी

निजी वाहनों पर सरकारी पहचान के इस्तेमाल को लेकर उठे सवाल, जांच और कार्रवाई की मांग तेज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

अमृतसर (दलजीत)। पंजाब में निजी वाहनों पर 'पंजाब सरकार' या 'गवर्नमेंट ऑफ पंजाब' लिखकर सरकारी वाहन होने का प्रभाव पैदा करने का मामला अब चर्चा में आ गया है। सरकारी विभागों में कार्यरत कुछ कर्मचारियों द्वारा अपनी निजी गाड़ियों के बोनट, पिछले हिस्से और अन्य स्थानों पर सरकारी पहचान दर्शाने वाली लिखावट किए जाने को लेकर सवाल उठाए गए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता साईं किरण परिंजा ने इस मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है।

सरकारी कर्मचारी होना और सरकारी वाहन होना अलग : अधिवक्ता परिंजा का कहना है कि किसी व्यक्ति का सरकारी विभाग में कर्मचारी होना और उसके निजी वाहन का सरकारी वाहन होना दो अलग-अलग बातें हैं। यदि वाहन किसी कर्मचारी के निजी स्वामित्व में है और सरकारी विभाग के नाम पर पंजीकृत नहीं है तो उस पर सरकारी पहचान लिखने की अनुमति को लेकर स्पष्टता जरूरी है।

उन्होंने कहा कि यदि निजी वाहन पर इस तरह से 'पंजाब सरकार' लिखा गया है कि पुलिस, यातायात अधिकारी, टोल कर्मचारी या आम लोग उसे सरकारी वाहन समझें तो इसकी कानूनी जांच होनी चाहिए। सरकारी पहचान का इस्तेमाल किसी निजी वाहन को विशेष दर्जा दिलाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

कार्रवाई नहीं होने से बढ़ रहा चलन : अधिवक्ता ने कहा कि ऐसे मामलों में समय रहते कार्रवाई नहीं होने के कारण निजी वाहनों पर सरकारी नाम लिखने का चलन बढ़ सकता है। यदि किसी वाहन पर सरकारी पहचान प्रदर्शित होने के बावजूद जांच नहीं होती तो इससे दूसरे लोग भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित हो सकते हैं।

उन्होंने पंजाब भर में यातायात पुलिस और परिवहन विभाग के माध्यम से ऐसे वाहनों की जांच करवाने की मांग की है। जांच के दौरान वाहन के वास्तविक स्वामित्व और उस पर प्रदर्शित सरकारी पहचान दोनों की पड़ताल किए जाने की बात कही गई है।

आरसी से हो वाहन की पहचान : परिंजा के अनुसार ऐसे मामलों में सबसे पहले वाहन का पंजीकरण प्रमाणपत्र देखा जाना चाहिए। इससे पता चल सकता है कि वाहन किसके नाम पर पंजीकृत है और उसकी श्रेणी क्या है। इसके अलावा यह भी जांचा जाना चाहिए कि वाहन पर 'पंजाब सरकार' या 'गवर्नमेंट ऑफ पंजाब' लिखने के लिए किसी सक्षम अधिकारी से लिखित अनुमति ली गई है या नहीं।

उन्होंने कहा कि यदि ऐसी लिखावट से आम लोगों या सरकारी कर्मचारियों को वाहन की वास्तविक पहचान के बारे में भ्रम होता है तो मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

मोटर वाहन अधिनियम का दिया हवाला : अधिवक्ता साईं किरण परिंजा ने मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 111(2)(ई) का हवाला देते हुए कहा कि राज्य सरकार को वाहनों पर पंजीकरण संख्या के अतिरिक्त प्रदर्शित की जाने वाली जानकारी और उसके तरीके को लेकर नियम बनाने की शक्ति है। इसी आधार पर निजी वाहनों पर सरकारी पहचान दर्शाने वाली लिखावट की वैधता और अनुमति की जांच जरूरी है।

लालबत्ती मामले का भी उल्लेख: उन्होंने अभय सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार मामले का भी हवाला दिया। उनका कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय ने वाहनों पर बिना अधिकार विशेष सरकारी पहचान के इस्तेमाल को लेकर महत्वपूर्ण सिद्धांत निर्धारित किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निजी वाहन पर 'पंजाब सरकार' लिखना और लालबत्ती का इस्तेमाल एक समान मामला नहीं है, लेकिन सरकारी प्राधिकार या विशेष दर्जे की पहचान के अनधिकृत इस्तेमाल से जुड़े न्यायिक सिद्धांत यहां प्रासंगिक हो सकते हैं।

अधिवक्ता ने पंजाब के परिवहन आयुक्त, राज्य परिवहन प्राधिकरण और यातायात पुलिस से ऐसे वाहनों की जांच कराने की मांग की है।

जेल में बंद अमृतपाल के दो साथियों को मिला विधानसभा चुनाव का टिकट

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सांसद अमृतपाल सिंह की पार्टी अकाली दल वारिस पंजाब दे ने अपनी चुनावी गतिविधियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने बुधवार को दो और विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। खास बात यह है कि दोनों उम्मीदवार अमृतपाल सिंह के करीबी साथी हैं और फिलहाल जेल में बंद हैं।

पार्टी ने अजनाला विधानसभा सीट से दलजीत सिंह कलसी और मोगा विधानसभा सीट से गुरमीत सिंह बुक्कनवाला को उम्मीदवार बनाया है। दोनों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में रखा गया है। उम्मीदवारों की घोषणा अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह ने अमृतसर में की। पार्टी का कहना है कि जेल में बंद होने के बावजूद दोनों नेता चुनाव मैदान में उतरेंगे।

इस फैसले के बाद पंजाब की राजनीति में चर्चा तेज हो गई है। अमृतपाल सिंह भी इस समय डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। उन्होंने वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव जेल में रहते हुए लड़ा था और जीत हासिल की थी। अब उनकी पार्टी ने दो अन्य जेल में बंद नेताओं को विधानसभा चुनाव का टिकट देकर अपनी रणनीति स्पष्ट करने का प्रयास किया है।

पहले भी घोषित कर चुकी है उम्मीदवारी : अकाली दल वारिस पंजाब दे इससे पहले बस्सी पठाना विधानसभा सीट से सतवंत सिंह को उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। सतवंत सिंह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए केहर सिंह के बेटे हैं। पार्टी की ओर से लगातार उम्मीदवारों की घोषणा से 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां बढ़ने लगी हैं।

पार्टी जेल में बंद नेताओं और उनके समर्थकों को चुनावी मैदान में उतारकर अपना राजनीतिक आधार मजबूत करने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। वहीं अन्य राजनीतिक दल भी पार्टी की गतिविधियों और चुनावी तैयारियों पर नजर बनाए हुए हैं।

अब देखना होगा कि अकाली दल वारिस पंजाब दे आगामी विधानसभा चुनाव में कितनी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारती है। आने वाले दिनों में पार्टी की ओर से और उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाने की संभावना है।

पार्टी के इस फैसले से पंजाब की चुनावी राजनीति में नई हलचल देखने को मिल रही है। जेल में बंद नेताओं को टिकट देने से चुनावी रणनीति और राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा तेज हो गई है।

रोपड़ में बनेगा महाराजा रणजीत सिंह की कूटनीतिक विरासत का भव्य स्मारक, राज्यसभा में उठी मांग

ऐतिहासिक स्थल के संरक्षण से रोपड़ बनेगा विरासती पर्यटन का प्रमुख केंद्र

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। रोपड़ में सतलुज नदी के किनारे स्थित महाराजा रणजीत सिंह से जुड़े ऐतिहासिक स्थल को संरक्षित करने और वहां कूटनीतिक विरासत स्मारक स्थापित करने की मांग राज्यसभा में उठाई गई। सांसद सतनाम सिंह संधू ने शून्यकाल के दौरान केंद्र सरकार से इस दिशा में पहल करने का आग्रह किया। उनका कहना है कि स्मारक बनने से ऐतिहासिक स्थल को नई पहचान मिलने के साथ रोपड़ में विरासती पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

सांसद संधू ने सदन में बताया कि इसी स्थान पर 26 अक्टूबर 1831 को महाराजा रणजीत सिंह और तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम बैंटिंक के बीच महत्वपूर्ण कूटनीतिक मुलाकात हुई थी। उन्होंने इसे भारत के कूटनीतिक इतिहास की अहम घटना बताते हुए स्थल के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया।

संग्रहालय और डिजिटल गैलरी बनाने का सुझाव : सतनाम सिंह संधू ने प्रस्तावित स्मारक परिसर में संग्रहालय, दस्तावेजी गैलरी और डिजिटल प्रस्तुतियां स्थापित करने का सुझाव दिया। उनका कहना है कि इन माध्यमों के जरिए नई पीढ़ी को 1831 की ऐतिहासिक मुलाकात के साथ महाराजा रणजीत सिंह की कूटनीति, प्रशासनिक क्षमता और सैन्य रणनीति की जानकारी दी जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह ने करीब 38 वर्षों के शासनकाल में एक मजबूत राज्य की स्थापना की। उन्होंने पंजाब की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। संधू ने श्री हरमंदिर साहिब सहित कई ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों के संरक्षण और सेवा में उनके योगदान का उल्लेख किया।

चोरी हुए स्मृति ध्वज-स्तंभ का मुद्दा भी उठाया : सांसद ने रोपड़ के ऐतिहासिक स्थल पर लगाए गए सरकार-ए-खालसा स्मृति ध्वज-स्तंभ के चोरी होने का मामला भी राज्यसभा में उठाया। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद अब तक ध्वज-स्तंभ का पता नहीं चल पाया है।

पुलिस कमिश्नर के नाम पर फर्जी फेसबुक आईडी से ठगी की साजिश

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना । महानगर में साइबर ठगों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब साइबर अपराधियों ने लुधियाना के पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा के नाम और तस्वीर का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल करते हुए फेसबुक पर फर्जी आईडी बना ली। इस जाली प्रोफाइल के माध्यम से पुलिस अधिकारियों, कमिश्नर के परिचितों और आम लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जा रही थी। हालांकि समय रहते लोगों को इसकी जानकारी हो गई और वे ठगी का शिकार होने से बच गए।

जानकारी के अनुसार, कुछ लोगों के पास पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा के नाम और तस्वीर वाली फेसबुक प्रोफाइल से फ्रेंड रिक्वेस्ट पहुंची। प्रोफाइल को देखकर लोगों को संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने मामले की पुष्टि करने का प्रयास किया और फर्जी आईडी के स्क्रीनशॉट सामाजिक माध्यमों पर साझा कर अन्य लोगों को भी सतर्क किया। लोगों ने अपील की कि ऐसी किसी भी संदिग्ध प्रोफाइल से आने वाली रिक्वेस्ट स्वीकार न करें और किसी तरह की आर्थिक मांग होने पर तुरंत सावधान हो जाएं। यह पहला मामला नहीं है जब साइबर अपराधियों ने किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की पहचान का दुरुपयोग किया हो। इससे पहले भी स्वपन शर्मा के नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाए जाने की बात सामने आ चुकी है।

राशन कार्ड पोर्टल ठप होने से घंटों कतार में खड़े रहे लोग

पोर्टल की तकनीकी खराबी से अटके आवेदन, लोगों ने समय बढ़ाने की मांग की

भारतेंदु संवाददाता, मोरिंडा । पंजाब सरकार की ओर से लंबे समय बाद नए राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू होने से लोगों में उम्मीद जगी थी, लेकिन आवेदन और दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम तारीख पर सरकारी पोर्टल की तकनीकी खराबी ने उनकी परेशानी बढ़ा दी। मंगलवार सुबह से ही पोर्टल बंद रहा या बेहद धीमी गति से चलता रहा। इसके चलते सुविधा केंद्र मोरिंडा में राशन कार्ड बनवाने पहुंचे लोगों को कई घंटे इंतजार करना पड़ा।

तकनीकी खामी से सैकड़ों आवेदक राशन कार्ड आवेदन से वंचित, समय बढ़ाने की मांग।

सुबह से ही सुविधा केंद्र पर नए राशन कार्ड बनवाने वालों की लंबी कतारें लग गईं। इनमें महिलाओं की संख्या भी काफी रही। लोग जरूरी दस्तावेज लेकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे, लेकिन पोर्टल में तकनीकी दिक्कत के कारण अधिकांश लोगों के दस्तावेज अपलोड नहीं हो सके। कई घंटे इंतजार करने के बाद सैकड़ों लोग बिना आवेदन किए ही निराश होकर घर लौट गए।

शाम तक पोर्टल चालू होने का इंतजार : कई लोग शाम करीब चार बजे तक सुविधा केंद्र में इस उम्मीद के साथ डटे रहे कि पोर्टल शुरू हो जाएगा और वे अपने दस्तावेज जमा कर सकेंगे। हालांकि, लगातार तकनीकी समस्या के कारण उनका इंतजार खत्म नहीं हुआ। लोगों ने सरकारी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे दूर-दराज के क्षेत्रों से अपना काम छोड़कर सुविधा केंद्र पहुंचे थे, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा।

सिमरनजीत सिंह रंगियां, बख्शीश सिंह मोरिंडा, हरप्रीत सिंह मड़ोली कलां सहित अन्य लोगों ने कहा कि यदि अंतिम दिन पोर्टल पर इतनी बड़ी तकनीकी समस्या थी तो लोगों को पहले ही इसकी जानकारी दी जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि सरकारी स्तर की तकनीकी खराबी का नुकसान आम लोगों को नहीं उठाना चाहिए।

समय बढ़ाने की मांग : लोगों ने सरकार से राशन कार्ड आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि पोर्टल की खराबी के कारण जो लोग आवेदन नहीं कर सके, उन्हें अतिरिक्त समय दिया जाना चाहिए।

इस संबंध में डीएफएसओ रूपनगर सुखदेव सिंह ने बताया कि पोर्टल में तकनीकी दिक्कत आई है और जल्द इसके ठीक होने की उम्मीद है। पोर्टल चालू होने के बाद दस्तावेज अपलोड करने की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। लोगों ने सरकार से मामले को गंभीरता से लेते हुए अंतिम तारीख बढ़ाने की मांग दोहराई है।

जेल में बंद हवालाती की अस्पताल में मौत, अचानक बिगड़ी थी तबीयत

भारतेंदु संवाददाता, फरीदकोट। फरीदकोट की केंद्रीय आधुनिक जेल में न्यायिक हिरासत में बंद एक हवालाती की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रेम नगर, कोटकपूरा निवासी भूपिंदर सिंह पुत्र गुरदीप सिंह के रूप में हुई है। वह मादक पदार्थ अधिनियम से जुड़े मामले में करीब तीन महीने से जेल में बंद था।

जानकारी के अनुसार थाना सिटी कोटकपूरा पुलिस ने भूपिंदर सिंह को 14 मई 2026 को मादक पदार्थ अधिनियम के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार किया था। अदालत में पेश किए जाने के बाद 15 मई से वह केंद्रीय आधुनिक जेल में न्यायिक हिरासत में था।

जेल प्रशासन के अनुसार 11 अगस्त को भूपिंदर सिंह की अचानक तबीयत खराब हो गई। हालत बिगड़ने पर उसे तत्काल उपचार के लिए गुरु गोबिंद सिंह चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार शुरू किया गया, लेकिन मंगलवार रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मौत की सूचना मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों ने नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी। घटना की जानकारी मृतक के परिवार को भी दी गई।

भूपिंदर सिंह के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। जेल प्रशासन ने बताया कि मामले में निर्धारित नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल मौत के कारणों को लेकर कोई अंतिम जानकारी सामने नहीं आई है।

गुरुद्वारा परिसर में धूम्रपान का मामला सामने आने से श्रद्धालुओं में रोष

गुरुद्वारा परिसर में बीड़ी पीते पकड़ा गया ग्रंथी, सामान की तलाशी में मिला तंबाकू

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। शहर के अशोक नगर स्थित गुरुद्वारा साहिब में सेवा कर रहे एक ग्रंथी द्वारा गुरुद्वारा परिसर में बीड़ी पीने का मामला सामने आया है। घटना से जुड़ा एक वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है। इसमें गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य ग्रंथी से पूछताछ करते दिखाई दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार ग्रंथी की पहचान पटियाला के राजपुरा निवासी किरपाल सिंह के रूप में हुई है। वीडियो में वह गुरुद्वारा परिसर में बीड़ी पीने की बात स्वीकार करता दिखाई देता है। इसके बाद कमेटी के सदस्यों ने उसके बैग की तलाशी ली। वीडियो के अनुसार बैग से बीड़ी, सिगरेट और तंबाकू बरामद होने की बात कही गई है। इसके अलावा कुछ कैप्सूल मिलने का भी दावा किया गया है।

पूछताछ के दौरान किरपाल सिंह ने बताया कि वह छह अगस्त को सेवा के लिए जालंधर आया था। वीडियो में कमेटी के सदस्य उससे उसके सामान और मोबाइल फोन के संबंध में भी सवाल करते नजर आते हैं।

मामले के बाद ग्रंथी से कथित तौर पर अपनी गलती स्वीकार करते हुए लिखित बयान लिया गया। साथ ही उसने भविष्य में किसी भी गुरुद्वारा साहिब में सेवा या ड्यूटी नहीं करने का लिखित आश्वासन दिया। वीडियो में वह यह भी कहता दिखाई देता है कि उससे बयान किसी दबाव में नहीं लिया गया।

फिलहाल वीडियो प्रसारित होने के बाद मामला चर्चा में है। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से आगे क्या कार्रवाई की गई, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

तरुण चुघ ने तिरंगा बाइक रैली में लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़ । भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने बुधवार को नई दिल्ली में संस्कृति मंत्रालय की ओर से आयोजित 'हर घर तिरंगा 2026' तिरंगा बाइक रैली में हिस्सा लिया। रैली का आयोजन भारत मंडपम से किया गया, जिसमें उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

इस अवसर पर तरुण चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए देश एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है।

गुरजीत तूत के निधन से कबड्डी जगत में शोक की लहर

भारतेंदु संवाददाता, फरीदकोट। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी जगत को बड़ा झटका लगा है। प्रसिद्ध कबड्डी खिलाड़ी गुरजीत सिंह तूत का फरीदकोट के अस्पताल में निधन हो गया। वह लंबे समय से गुर्दे की बीमारी से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर से पंजाब समेत देश-विदेश के कबड्डी प्रेमियों और खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

गुरजीत सिंह तूत कबड्डी के मैदान पर अपनी ताकत, फुर्ती और शानदार खेल कौशल के लिए जाने जाते थे। उन्होंने अपने खेल करियर में कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। रेड और रक्षा दोनों में उनकी मजबूत पकड़ थी। मैदान पर उनकी आक्रामक शैली और शानदार प्रदर्शन ने उन्हें प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय बनाया।

कबड्डी जगत से जुड़े लोगों के अनुसार गुरजीत तूत खेल के प्रति बेहद समर्पित थे। उन्होंने मेहनत और लगन के दम पर इस खेल में खास मुकाम हासिल किया। उनके खेल और खेल भावना ने साथी खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों पर गहरी छाप छोड़ी।

गुरजीत तूत के निधन की खबर सामने आने के बाद खेल जगत की कई हस्तियों ने शोक व्यक्त किया। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भी उनके निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि गुरजीत तूत ने अपनी उपलब्धियों से पंजाब का गौरव बढ़ाया और उनके असमय निधन से खेल जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले फिरोजपुर कोर्ट को बम से उडाने की धमकी, परिसर में सुरक्षा जांच हुई तेज

भारतेंदु संवाददाता, फिरोजपुर। स्वतंत्रता दिवस से पहले फिरोजपुर जिला अदालत परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद बुधवार को सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने एहतियात के तौर पर न्यायालय परिसर को खाली करवा दिया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते और श्वान दल ने पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया।

सुरक्षा के मद्देनजर न्यायालय भवन के अंदर मौजूद लोगों के साथ आसपास के क्षेत्र को भी खाली कराया गया। पुलिस ने अदालत परिसर के विभिन्न कमरों, हिस्सों और प्रवेश मार्गों की जांच की। संदिग्ध वस्तुओं की तलाश के साथ श्वान दल की मदद से भी सुरक्षा जांच की गई। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पहले से ही पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है, इसलिए धमकी को गंभीरता से लिया जा रहा है।

धमकी के बाद जिला अदालत में दोपहर एक बजे तक न्यायिक कामकाज बंद रखा गया। सुरक्षा जांच पूरी होने और परिस्थितियों का जायजा लेने के बाद ही अदालत का कामकाज दोबारा शुरू करने पर निर्णय लिया जाना था। पुलिसकर्मी परिसर के आसपास आने-जाने वाले रास्तों पर भी निगरानी करते रहे।

सुरक्षा एजेंसियां धमकी के स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि धमकी किस माध्यम से भेजी गई और इसके पीछे कौन है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और धमकी को लेकर तकनीकी स्तर पर भी जानकारी जुटाई जा रही है।

बताया जा रहा है कि इस वर्ष फिरोजपुर जिला अदालत को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का यह तीसरा मामला है। बार-बार मिल रही ऐसी धमकियों से सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। हालांकि तलाशी अभियान के दौरान किसी संदिग्ध वस्तु के संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए जिले में महत्वपूर्ण स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अदालत परिसर में भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

आंदोलन एमएसपी गारंटी और लंबित मांगों को लेकर किसान एक सितंबर से चंडीगढ़ में लगाएंगे मोर्चा

किसानों की मांगों पर नहीं बनी बात, एक सितंबर को चंडीगढ़ में होगा बड़ा जमावड़ा

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। लंबे समय से लंबित मांगों के समाधान को लेकर पंजाब के किसान संगठन एक बार फिर आंदोलन की राह पर हैं। किसान संगठनों ने एक सितंबर को चंडीगढ़ में अनिश्चितकालीन पक्का मोर्चा लगाने का एलान किया है। इसके तहत पंजाब के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ चंडीगढ़ पहुंचेंगे। किसान नेताओं ने कहा कि जब तक सरकार उनकी प्रमुख मांगों का ठोस समाधान नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा।

किसानों ने यह फैसला ऐतिहासिक गुरुद्वारा चपड़ चिड़ी साहिब में आयोजित बैठक के दौरान लिया। भारतीय किसान यूनियन लखोवाल के जिला अध्यक्ष दविंदर सिंह देकला और जिला महासचिव जसपाल सिंह नियामियां ने बताया कि एक सितंबर को किसान चंडीगढ़ के सेक्टर-25 में पक्का मोर्चा लगाएंगे। उन्होंने पंजाबभर के किसानों से बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल होने की अपील की है।

एमएसपी की कानूनी गारंटी प्रमुख मांग : किसान संगठनों की प्रमुख मांगों में सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी शामिल है। इसके अलावा किसान कर्ज से मुक्ति समेत अन्य लंबित मांगों को भी सरकार के सामने रखा जाएगा। किसान नेताओं का कहना है कि इन मुद्दों को लंबे समय से सरकार के समक्ष उठाया जा रहा है, लेकिन अभी तक अपेक्षित समाधान नहीं हुआ है। किसान नेताओं ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य सरकार पर दबाव बनाना और किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान करवाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी मांगों पर ठोस निर्णय होने तक मोर्चा जारी रहेगा।

हजारों किसानों के पहुंचने की तैयारी : किसान संगठनों के अनुसार पंजाब के विभिन्न जिलों से हजारों किसान ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ चंडीगढ़ पहुंचेंगे। इसके लिए गांव और जिला स्तर पर किसानों से संपर्क किया जा रहा है। नेताओं ने किसानों से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन में शामिल होने की अपील की है।

किसान नेताओं ने कहा कि ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ चंडीगढ़ पहुंचकर वे सरकार के समक्ष अपनी मांगों को मजबूती से रखेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति, फसलों के उचित दाम और कर्ज से जुड़ी समस्याओं का समाधान जरूरी है।

बैठक में कई किसान नेता रहे मौजूद : गुरुद्वारा चपड़ चिड़ी साहिब में हुई बैठक में गुरनाम सिंह सरपंच दाऊ, कुलवंत सिंह चिल्ला, मनप्रीत सिंह अमराला, जगतार सिंह झरमड़ी, हरी सिंह बीहोड़ा, रणजीत सिंह डेराबस्सी, धर्म सिंह दप्पर, गुरपाल सिंह दप्पर, केहर सिंह चिड़ियाला, हरभजन सिंह, लवरिंदर सिंह सिल्ल, गुरमीत सिंह खुन्नीमाजरा, सरबजीत सिंह लैहरा, कुलदीप सिंह कुड़ी, जसपाल सिंह पुनिया, जसपाल सिंह लांडरा, दर्शन सिंह दराली और मनिंदर सिंह समेत कई किसान नेता मौजूद रहे।

स्वाद के आगे सेहत न हो जाए नजरअंदाज, खुले खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई जरूरी

मानसून का जिक्र आते ही बारिश के आनंद की अनुभूति होती है। घर के अंदर बैठे हुए बाहर खिड़कियों से रिमझिम बरसती पानी की बूंदों को निहारना और पानी में भीगने से लेकर अपनी दोनों बाहें फैलाए हुए नृत्य करना किसे नहीं भाता भला ऐसे मौसम में। हां, उस पर यदि गरमागरम पकौड़े हो जाएं चटपटी चटनी के साथ तो बात ही क्या, आ गया न मुंह में भी पानी बरसात वाला, लेकिन मानसून के इस मौसम में हमें अपनी सेहत के लिए भी बड़ा सजग रहने की जरूरत होती है।

हमारे घर से बाहर होने पर मौज-मस्ती करने कहीं जाते हुए राह चलते हुए सड़क किनारे रास्ते में छोले-भटूरे, चाट-पकौड़ी और आइसक्रीम के ठेलों पर हम बड़े चाव से ऐसी चीजें खाते हैं। और यह चाट-पकौड़ी, छोले-भटूरे, टिक्की, समोसे के ठेले हमें प्राय: कहीं न कहीं दिख ही जाते हैं। अपना वाहन हो तब तो बात ही कुछ और होती है। वैसे भी जब हम बस, टैक्सी में भी सफर कर रहे हों या फिर अपने ही गांव नगर शहर में घूमने फिरने गए हों ऐसे ठेले वाले कहीं न कहीं मिल ही जाते हैं।

अपने वाहन में तो कहीं भी यह चाट पकौड़ी वाले दिखते ही मुंह में लार आना स्वाभाविक होता है । और झट से हम बिना कुछ पूछताछ किए अपनी अपनी पसंद की ऐसी चीजें बेचते हुए दुकानदार को बताकर खूब चटखारे लेकर खाते हैं। अब बात आती है पैसे देने की तो हमारी चीख निकलते निकलते गले में अटक जाती है। पता है क्यों, क्योंकि हम बिना मोल भाव किए हुए अपनी मनपसंद वस्तु का स्वाद तो चख लिए होते हैं। भला अब मोल देने में चूं चपड़ कैसी।

यह ठेले वाले हमें अपने शहर, गली-मोहल्ले और बस ठहराव के साथ ही अक्सर चौराहों पर मिल जाते हैं। इनकी बनाई गई चीजों पर सेहत से संबंधित स्थानीय विभाग का कोई कड़ा शिकंजा हो प्रतीत नहीं होता। हिमाचल प्रदेश में ऐसे ठेले वाले आमतौर पर हर जिला, तहसील, गांव, शहर में मिल ही जाएंगे। अधिकतर यह दूसरे राज्यों से आए लोग ही हैं जो अपने रोजगार की तलाश में हिमाचल जैसे 'समृद्ध' प्रदेश में अपनी रोजी रोटी का इंतजाम करने के लिए ऐसी ही खाद्य वस्तुएं बेचते हुए करते हैं। वह बड़े आराम से अपना जीवन काट रहे हैं, क्योंकि इन पर न तो स्थानीय स्वास्थ्य विभाग और न ही स्थानीय प्रशासन का कोई दबाव रहता होगा, कह नहीं सकता। गोलगप्पे, छोले-भटूरे, टिक्की-छोले वाले हों या फिर आइसक्रीम वाले यह खूब चूना लगाते हैं अपने खाद्य पदार्थों की बिक्री करते हुए हम ग्राहकों को, क्योंकि दो टिक्की और सफेद काबुली छोले डालकर ये लोग पूरे साठ-सत्तर रुपए ऐंठ लेते हैं। ऐसे में दुकानदार और ग्राहकों में लेन देन करते हुए कहासुनी होकर बात लड़ाई झगड़े और खून खराबे तक पहुंच जाती है।

सिकंदर बंसल
रामपुर बुशहर

स्थानीय प्रशासन की ओर से इन फेरी विक्रेताओं की कीमतों और गुणवत्ता की प्रभावी निगरानी कम ही नजर आती है। कार्रवाई होने पर भी ठेले कुछ समय बाद दूसरी जगह फिर लग जाते हैं। हिमाचल प्रदेश के बाकी स्थानों की तो बात छोड़िए अपने पालमपुर की ही बात करूं तो यहां अनगिनत ठेले जहां कहीं लगे रहते हैं जो अपने खाद्य पदार्थों को अपने मन मुताबिक भाव लेकर ग्राहकों को धड़ल्ले से बेचते हैं।

ऐसे ठेले नगर निगम पालमपुर क्षेत्र के साथ लगती सीमा पर भी देखने को मिल जाएंगे। इसी तर्ज पर प्रदेश के अन्य जिलों की स्थिति भी ऐसी ही है, जिस पर तुरंत नियंत्रित करना बेहद आवश्यक होगा। बात जगह जगह पर अपना रोजगार फैलाने की नहीं है, बात है स्वास्थ्य और सीमित भाव की जिसे ये लोग दरकिनार किए बैठे हैं। स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि अन्य स्थानीय बाजार भावों की ही भांति इनके खाद्य पदार्थों के बिक्री भाव भी सुनिश्चित करे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

वैश्विक मंच पर बढ़ते भारत के प्रभाव के साथ सामाजिक मूल्यों का संरक्षण भी जरूरी

आधुनिकता की दौड़ में बदलते भारत की तस्वीर क्या नए उद्देश्यों एवं सीमाओं में बंधे सामाजिक सरोकार के बदलाव को भी नया रूप देने में सक्षम हो रही है या फिर नए उद्देश्यों व बदलाव की दौड़ में सामाजिक सामंजस्य पर ऐसा क्या असर डाल रही है जिसके कारण नैतिक मूल्यों पर तीव्रता से परिवर्तन की तस्वीर देखी जा रही हो।

असल में परिवर्तन जो कि स्थिरता के नए आयाम स्थापित करने में इतना सक्षम प्रतीत नहीं हो रहा है जितना कि परिवर्तन की बात के उछाल या उसके उबाल का आभास करवाया जा रहा है । आज के दौर में परिवर्तन शब्द तब ही अच्छा लगेगा जब युवा पीढ़ी को ज्यादा से ज्यादा रोजगार के सृजन का अपनी शिक्षा अनुसार अवसर दिया जाएगा ताकि उन्हें अपनी शिक्षा अनुसार लगे कि जो वो रोजी-रोटी कमा रहे हैं वह उनकी शिक्षा का ही प्रतिफल है । साथ ही उन्हें लगे कि वह इसके लिए ज्यादा परेशान नहीं हो रहे हैं। इसका उत्तर निश्चित रूप से हर किसी को कई बार सोचने पर यह मजबूर कर देता है कि क्या असल में परिवर्तन हो भी रहा है या फिर यह ड्रामा ही दिखाया जा रहा है जोकि स्टेज पर तो देखने को अच्छा लगता है , परंतु जब उसको वास्तविक जीवन शैली में ढाला जाता है तो ढकोसला ही प्रतीत होने लगता है ।

ऐसे जीवन मूल्यों के ऊपर तीव्र गति से होने वाला बदलाव जिसके कारण हमारा देश अपने वजूद को पूरे विश्व में स्थापित करने की पहल व अच्छी कोशिश कर रहा है ताकि हमारा देश दुनियाभर में एक अच्छी पहचान बना सके । इसके लिए युवा पीढ़ी के वास्ते रोजगार का सृजन सर्वोपरि है । इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विदेश नीति भी जनसंख्या के हिसाब से ज्यादा से ज्यादा नौकरी एवं रोजगार के अवसर पैदा करने के अनुरूप ही बने ताकि कुछ अतिरिक्त बदलाव किया जा सके, जिसका असर हमारे सामाजिक जीवन पर भी देखा जा सके।

ऐसे आधुनिक भारत की तस्वीर जीवन के हर क्षेत्र में देखने को मिलनी चाहिए। चाहे वह खेल जगत का क्षेत्र हो या फिर नैतिक तालमेल हो या फिर सामाजिक सभ्यता एवं संस्कृति का अनूठा तालमेल हो, जिसके कारण हर कार्य क्षेत्र में जिसका अलग किस्म का प्रभाव दिखाई दे जो कि आने वाली पीढ़ियों को एक आईना दिखाने का काम करे।

कई बार देखने से ऐसा प्रतीत होने लगता है कि भारत में आधुनिकता का परिवेश अब विश्व पटल पर जो देखने को मिलता है, जिस तरह हमारा देश हमेशा अपनी संस्कृति और सभ्यता की उदारता के लिए हमेशा अग्रणी रहा है। इस तरह परिवर्तन के चलते कुछ अपने मौलिक सरोकारों एवं सामाजिक मूल्यों का नवीनीकरण करना पड़ेगा और इसके अतिरिक्त कुछ नए आयाम स्थापित करने पड़ेंगे जिससे कि यह साबित हो सके कि आधुनिकता की दौड़ में प्रतिभागी बने भारत का वर्चस्व कायम रखा जा सके।

डॉ. अशोक कुमार चौबे
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कृषि प्रसार शिक्षा

हमेशा हमारी विदेश नीति की वजह से ही जो कि वैश्विक बदलाव का कारण होती है उसके मूल्यों का हनन न होने दिया जाए ताकि पूरी दुनिया में यह संदेश मिल सके कि अब भारत विकास की भूमिका में अपने आप को सर्वोपरि स्थान बनाने में कामयाब हो रहा है, क्योंकि सरकार द्वारा आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति का दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। इसके तहत किसी भी नियम के उल्लंघन या गलत व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाता, परंतु रोजगार गारंटी के बिना विकास की इबारत को लिख पाना भी इतना संभव नहीं है। रोजगार ही विकास का दूसरा नाम है जिसके कारण ही भारत को विश्व पटल पर अपनी गाथा लिखनी होगी ताकि आधुनिक भारत के सपने को साकार किया जा सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

दवाओं के बहाने नशे पर प्रहार

नशे की समस्या आज देश के सामने खड़ी सबसे गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों में से एक बन चुकी है। इसका प्रभाव केवल नशा करने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका परिवार, रोजगार, आर्थिक स्थिति और पूरा सामाजिक वातावरण प्रभावित होता है। चिंता की बात यह है कि नशे की प्रवृत्ति अब केवल पारंपरिक मादक पदार्थों तक सीमित नहीं रह गई है। कई लोग ऐसी दवाओं का भी गलत इस्तेमाल कर रहे हैं, जिनका मूल उद्देश्य बीमारी का उपचार करना है। खांसी की दवाओं और अल्कोहल युक्त मिश्रणों का नशे के रूप में इस्तेमाल लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा 10 प्रतिशत से अधिक एथिल अल्कोहल वाली कुछ दवाओं की खुली बिक्री पर नियंत्रण लगाने का फैसला महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

सरकार ने औषधि नियमों में संशोधन करते हुए 10 प्रतिशत से अधिक एथिल अल्कोहल वाली और 30 मिलीलीटर से बड़ी बोतलों में बिकने वाली कुछ पीने योग्य दवाओं को अनुसूची एच-1 के दायरे में शामिल किया है। इसका मतलब यह है कि ऐसी दवाओं की बिक्री चिकित्सक के पर्चे के बिना नहीं की जा सकेगी। दवा विक्रेताओं को इनकी बिक्री का अलग रिकॉर्ड भी रखना होगा। इससे दवाओं की खरीद और बिक्री पर निगरानी बढ़ाई जा सकेगी तथा यह पता लगाना आसान होगा कि दवाओं का इस्तेमाल वास्तविक उपचार के लिए हो रहा है या नशे के लिए।

यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लंबे समय से ऐसी शिकायतें सामने आती रही हैं कि कुछ लोग मामूली बीमारी का बहाना बनाकर बड़ी मात्रा में ऐसी दवाएं खरीदते हैं और उनका इस्तेमाल उपचार के बजाय नशे के लिए करते हैं। खासकर युवाओं में यह प्रवृत्ति चिंता बढ़ाने वाली है। दवाओं की आसान उपलब्धता उन्हें नशे का अपेक्षाकृत सस्ता और सुविधाजनक माध्यम बना देती है। जब कोई व्यक्ति नशे की शुरुआत ऐसी दवाओं से करता है तो धीरे-धीरे उसकी निर्भरता बढ़ सकती है और वह आगे चलकर दूसरे खतरनाक पदार्थों की ओर भी बढ़ सकता है। इसलिए दवाओं की बिक्री व्यवस्था में नियंत्रण नशे की रोकथाम की दिशा में एक जरूरी कदम है।

हालांकि केवल नियम बना देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नए नियमों का जमीनी स्तर पर सख्ती से पालन हो। दवा दुकानों का नियमित निरीक्षण किया जाना चाहिए। बिना चिकित्सकीय पर्चे के प्रतिबंधित दवाएं बेचने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए। केवल कागजों में नियम लागू करने से कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा। यदि निरीक्षण व्यवस्था कमजोर रही और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई नहीं हुई तो नशे के लिए दवाओं का दुरुपयोग जारी रह सकता है।

इसके साथ ऑनलाइन माध्यमों पर भी निगरानी जरूरी है। आज दवाओं की खरीद केवल पारंपरिक मेडिकल स्टोर तक सीमित नहीं है। इंटरनेट और विभिन्न डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने दवाओं की उपलब्धता को आसान बनाया है। इसलिए सरकार और संबंधित विभागों को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री ऑनलाइन माध्यमों से भी नियमों के विरुद्ध न हो। डिजिटल मंचों पर दवाओं की बिक्री की निगरानी के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी होगी। ऐसा नहीं हुआ तो एक माध्यम पर नियंत्रण के बाद नशे के लिए दवाओं की उपलब्धता दूसरे माध्यम से जारी रह सकती है।

नशे के खिलाफ लड़ाई में परिवार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। माता-पिता को बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों पर ध्यान देना चाहिए। अचानक दोस्तों का बदलना, पढ़ाई या काम में रुचि कम होना, घर से अधिक पैसे मांगना, व्यवहार में आक्रामकता आना या सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाना ऐसे संकेत हो सकते हैं जिन पर परिवार को संवेदनशीलता से ध्यान देना चाहिए। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि बच्चों पर लगातार शक किया जाए। जरूरत है कि परिवार में ऐसा वातावरण बने जहां युवा अपनी परेशानियां बिना डर के साझा कर सकें।

विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान नियमित रूप से चलाए जाने चाहिए। केवल भाषण या पोस्टर लगाने से काम नहीं चलेगा। विद्यार्थियों को नशे के वास्तविक दुष्प्रभावों के बारे में वैज्ञानिक और व्यावहारिक जानकारी दी जानी चाहिए। उन्हें यह समझाना जरूरी है कि नशा केवल स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि शिक्षा, रोजगार, रिश्तों और भविष्य की संभावनाओं को भी प्रभावित करता है। युवाओं को खेल, रचनात्मक गतिविधियों, कौशल विकास और अन्य सकारात्मक क्षेत्रों से जोड़ना भी नशे की रोकथाम का प्रभावी माध्यम हो सकता है।

स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को केवल अपराधी के रूप में देखना उचित नहीं होगा। बहुत से लोग नशे की आदत में फंसने के बाद उससे बाहर निकलना चाहते हैं, लेकिन उन्हें उचित उपचार और परामर्श उपलब्ध नहीं हो पाता। इसलिए नशा मुक्ति केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने की आवश्यकता है। प्रशिक्षित चिकित्सक, मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता उपलब्ध होने चाहिए।

-शिवांश धाकड़

कविता: हम करें नयनाभिराम

भीम बसेडू राजपूत, महादेव (मंडी)

आंखें देखती, बोलती, परखती हैं,
उन आंखों की हरकत, उनके सारे हाव भाव,
शब्दों की नुमाइश लगाए बगैर
और शब्दों का कचूमर निकाले बिना,
चश्मा रहित वह अपना बेगाना,
बोलती आंखों से कह जाता है बहुत कुछ,
वह दिलवाला समझता है,
इस दिल की सच्ची सीधी बात,
आंखों में झांककर क्योंकि होती है मुलाकात,
आंखें ही तो देखती हैं रंग-बिरंगी कायनात,
फिर आंखों में ही तो झलकते हैं काबू-बेकाबू जज्बात,
अच्छे- बुरे में है रहता विचलित मनोभाव का हाथ,
हम करें नयनाभिराम, आंखों आंखों में बात,
हम करें नयनाभिराम, आंखों-आंखों में बात।।

पारंपरिक रोजगार खत्म होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बढ़ता दबाव

जनसंख्या बढ़ जाने के साथ ही हमारे देश एवं प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल रूप धारण कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, पशु-पालन एवं बागवानी आदि का कार्य कम होने तथा पारंपरिक व्यवसाय बंद होने से ग्रामीण स्तर पर रोजगार कम हुए हैं। ग्रामीणों ने भी अब पहले की तरह कड़ी मशक्कत करनी भी छोड़ दी है। इससे उनमें गर्मी व सर्दी सहन करने की भी क्षमता कम हुई है। नतीजन उन्हें कई बीमारियां भी घेरने लगी हैं।

कृषि से संबंधित कार्य के लिए ट्रैक्टर व अन्य आधुनिक मशीनों के उपयोग में आने से भी पारंपरिक व्यावसाय न के बराबर रह गए हैं। यदि कहीं ऐसे छिटपुट व्यवसाय चल भी रहे हैं तो वह घाटे का सौदा साबित हो रहे हैं। जिस काम को पहले चार लोग चार दिनों में पूरा करते थे, अब मशीनों से उस काम को कुछ ही समय में पूरा किया जा सकता है। इसके साथ ही मशीनों से होने वाला काम या उत्पाद सस्ता भी पड़ जाता है, जबकि हाथ से बनाए उत्पाद को बड़ी मुश्किल से औने-पौने दाम पर बेचना पड़ता है। कई बार तो ऐसे कारीगरों को काफी घाटा भी उठाना पड़ता है। ग्रामीण स्तर पर लघु एवं कुटीर उद्योगों में भी भारी कमी आई है। इससे लोगों के पास काम धंधा न होने से भी बेरोजगारी बढ़ी है। हालांकि, सरकार ऐसे उद्योगों के पुनरोत्थान के लिए संबंधित लोगों को वितीय मदद भी दे रही है लेकिन लोगों को ऐसा रोजगार चाहिए जिसमें प्रति माह निर्धारित धनराशि मिले ताकि आसानी से वे अपना और अपने परिवार का गुजारा कर सकें।

ग्रामीण क्षेत्र में बड़े उद्योग स्थापित न होने से युवा वर्ग रोजगार की तलाश में गांव से शहरों की ओर पलायन कर रहा है। सारा सामाजिक ढांचा नगरों-महानगरों के आसपास बिखर गया है। किसानों द्वारा खेतीबाड़ी का काम कम करने या छोड़ देने से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर उपजाऊ भूमि बंजर होने के कगार पर पहुंच गई है। उस भूमि में बड़ी मात्रा में जहरीली घास फैल गई है। इससे पर्यावरण प्रदूषण फैल रहा है तथा पशुचारे की भी कमी हो गई है। इसके चलते पशुपालकों ने अपने पशु भी नगर-कस्बों की ओर धकेल दिए हैं।

हितेंद्र शर्मा
गांव किंगल, कुमारसैन

पहले गांव में जब व्यापक स्तर पर कृषि का काम होता था तो उसके साथ और भी कई पारंपरिक व्यवसाय थे। किसान अपनी उपज से ही उनका मेहनताना चुकाते थे। नकद पैसे का लेनदेन बहुत ही कम था। ऐसा भी कहा जाता है कि सरकार की कुछ कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर कम ही दिखाई दे रही है। यह भी सच्चाई है कि कुछ लोगों के ढुलमुल रवैये के चलते कृषि एवं पशुपालन के व्यवसाय में बेहद कमी आई है।

एक समय था जब किसान अपनी उपज से अपने परिवार के साथ ही अन्य पारंपरिक व्यवसाय करने वालों के परिवार का भी पेट पालता था। लोहार लोहे या लकड़ी के औजार व अन्य उपकरण बनाते थे। कारीगर बांस की टोकरियां, अनाज रखने वाली बड़ी बड़ी पेड़ियां व अन्य छोटी मोटी वस्तुएं बनाते थे। खड्डों नालों के किनारे घराट चलाने वाले, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले, जूते बनाने या उनकी मरम्मत करने वाले, बाल काटने वाले तथा ऊनी कपड़े बुनने वाले आदि व्यवसाय से जुड़े लोग अब गांव में कहीं ढूंढे नहीं मिल रहे हैं।

लोगों को रोजी रोटी की तलाश में कहीं दूर जाना पड़ता है। अपने घर का खर्च चलाने के लिए उन्हें नकद पैसे की भी जरूरत होती है। पहले ऐसे व्यवसाय करने वालों की काफी कदर होती थी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

वनों की घटती संख्या से प्रभावित हो रहा मौसम चक्र, मानव जीवन और वन्यजीवों पर बढ़ रहा संकट

वर्तमान समय में पर्यवरण प्रदूषण पूरे विश्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना है। जमीन, जल एवं वायुमंडल में प्रदूषण फैल जाने से सृष्टि के सभी प्राणधारी अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरत हैं। धरती का तापमान बढ़ जाने से हजारों साल पुराने हिमखंड पिघल रहे हैं।

बिगड़ते पर्यवरण संतुलन के कारण असंख्य प्राकृतिक जलस्रोत लुप्त हो रहे हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यवरण गड़बड़ाने का सबसे बड़ा कारण प्रकृति से अनावश्यक छेड़छाड़ है। दिनोंदिन बढ़ते प्रदूषण व सिकुड़ते जंगलों के कारण पृथ्वी पर अनहोनी घटनाएं हो रही हैं। जगह-जगह बादल फट रहे हैं तथा बड़ी मात्रा में भूस्खलन हो रहा है। पहाड़ खिसकने से तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है। सैंकड़ों जिंदगियां सदा के लिए धरती में समा गई हैं। हजारों लोगों की जिंदगीभर की कमाई मिट्टी में मिल गई है। मौसम का ज्यादातर प्रभाव जंगलों पर ही निर्भर करता है। जंगलों से वातावरण में नमी बनी रहती है तथा तापमान सामान्य रहता है। इससे शुष्क मौसम में होने वाली बीमारियों से भी राहत मिलती है। बारिश के लिए जंगलों की अहम भूमिका रहती है।

जंगली जानवरों व पक्षियों का जीवन पूरी तरह जंगलों पर ही निर्भर है। यही नहीं, जंगलों में औषधीय जड़ी-बूटियां भी पैदा होती हैं। प्राय: गर्मियों के मौसम में जंगलों का आग से भारी नुकसान होता है। इसके साथ ही वनकटुए जंगलों के अस्तित्व को ही मिटाने पर तुले हैं। हर वर्ष गर्मियों के मौसम शुरू होते ही जंगलों में आग लगने की घटनाएं भी बढ़ने लगती है। आग से इतना अधिक नुकसान होता है कि उसकी भरपाई नहीं हो पाती है। हालांकि सरकार का वन विभाग हर वर्ष जंगलों को आगजनी घटनाओं की रोकथाम के लिए अनेक प्रभावशाली योजनाएं बनाता है तथा इसके लिए सरकार की ओर से पर्याप्त बजट भी उपलब्ध होता है। फिर भी ऐसी घटनाएं बेरोक-टोक घटती रही हैं। आग के धुएं से पर्यवरण के साथ ही वायुमंडल भी प्रदूषित हो रहा है। पर्यवरण संरक्षण की दुहाई देने वाले जितनी सुर्खियां बटोर रहे हैं।

जमीनी स्तर पर वैसी स्थिति नहीं है। आज के युग में सबसे बड़ी चिंता पर्यवरण को संतुलित करने की है। इसके लिए जन सहयोग की भागीदारी नितांत आवश्यक है। पेड़ लगाने की दुहाई तो सब देते फिर रहे हैं। हर वर्ष बरसात के दिनों में बड़े पैमाने पर पेड़ लगाए जाते हैं। सरकार लाखों रुपए खर्च करके हर साल वन मोहत्सव मनाती है। इसके अलावा अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं भी बड़ी धूमधाम से वन महोत्सव मनाती हैं। यह भी दुहाई दी जाती है कि हर व्यक्ति कम से कम एक पेड़ लगाए, लेकिन अगले वर्ष कितने पेड़ जिंदा रहते हैं। इसका किसी के पास कोई हिसाब नहीं होता और न ही किसी को इसकी चिंता है।

डॉ अंकिता चौधरी, (सह-प्राध्यापक)
अभिलाषी विश्वविद्यालय, मंडी (हि .प्र)

सिकुड़ते जंगल पर्यावरण और मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा हैं। गर्मियों में सूखी पत्तियां, घास-फूस और झाड़ियां छोटी-सी चिंगारी से आग पकड़ लेती हैं, जिससे जंगलों के साथ-साथ आसपास के घर और करोड़ों की वन संपदा भी नष्ट हो जाती है। आग की अधिकांश घटनाएं मानवीय लापरवाही, जैसे जलती बीड़ी-सिगरेट फेंकने, घास जलाने और खेतों की सफाई के दौरान लगाई गई आग के कारण होती हैं।जंगलों के घटने से जंगली जानवर भोजन और आश्रय की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आने लगे हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ रहा है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

जिज्ञासु बच्चों के सवालों में छिपी होती है सीखने की चाह, शिक्षक प्यार से दें हर प्रश्न का जवाब

विद्यार्थियों में कब क्यों और कैसे जिज्ञासा भरे प्रसन्न पूछना उनके अंदर विज्ञान के प्रति भावना को दर्शाता है। अध्यापक और अभिभावकों को बच्चों के 'क्यों' और 'कैसे' वाले सवालों का जवाब हमेशा प्यार, धैर्य, सच्चाई और उम्र के अनुसार सरलता से देना चाहिए ताकि बच्चों में सीखने की ललक बनी रहे। जब बच्चे क्यों, कब, और कैसे, जैसे सवाल पूछते हैं तो वे अपनी दुनिया को समझने की कोशिश कर रहे होते हैं।

बच्चों की इस जिज्ञासा को कभी भी डांटकर दबाना नहीं चाहिए। डांटने से बच्चे का आत्मविश्वास टूट सकता है और वह भविष्य में सवाल पूछने से डरने लगता है। प्रश्न पूछने की आदत शिक्षा की नींव है इसलिए इसे हमेशा सकारात्मक रूप से लें। यह बातें रटने की प्रवृत्ति को खत्म करके मौलिक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वास्तविक ज्ञान का विकास करती है। इससे छात्र किसी भी विषय की गहराई तक पहुंच सकते हैं और उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता मजबूत होती है। जब छात्र 'क्यों' पूछते हैं तो वे केवल सतही जानकारी नहीं बल्कि विषय के मूल कारण और सिद्धांत को समझते हैं। समस्या समाधान 'कैसे' का सवाल छात्रों को किसी भी परिस्थिति में समाधान खोजने और तार्किक तरीके से सोचने के लिए प्रेरित करता है। सृजनात्मकता से विद्यार्थियों में नई खोज और विचारों को जन्म देने की क्षमता बढ़ती है।

यह भावना विकसित करने के लिए खुला वातावरण बनाएं, कक्षाओं और घरों में छात्रों को बिना किसी डर के सवाल पूछने की पूरी स्वतंत्रता मिलनी चाहिए तथा प्रैक्टिकल लर्निंग को बढ़ावा दें। केवल किताबों तक सीमित रहने के बजाय केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद जैसे संस्थान की प्रयोगात्मक शिक्षा पर भी जोर देना चाहिए। बच्चों में तर्क वितर्क करने की आदत डालें। छात्रों को किसी भी जानकारी को सीधे स्वीकार करने के बजाय उसके पीछे के तथ्यों की जांच करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। किसी भी शिक्षक या मार्गदर्शक को छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए सबसे पहले एक आधुनिक मानसिकता की आवश्यकता होती है।

यह गुण उन्हें बच्चों में खुले विचारों को बढ़ावा देने में सक्षम बनाता है। शिक्षकों को कक्षा में जिज्ञासा को प्रोत्साहित करना चाहिए। जब शिक्षक किसी विद्यार्थी से किसी विशेष अवधारणा के बारे में क्यों या कैसे से संबंधित प्रश्न पूछते हैं तो विद्यार्थी कक्षा के सामने उत्तर देने में आत्मविश्वास प्राप्त करते हैं। शिक्षकों को विद्यार्थियों को ऐसे कार्य सौंपने चाहिए जिनमें उन्हें डेटा का विश्लेषण करना, समस्याओं को हल करना और अपनी आलोचनात्मक सोच का उपयोग करना पड़े।

ऐसा अभ्यास विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करता है और उन्हें अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने का आत्मविश्वास प्रदान करता है। जो छात्र बचपन से ही वैज्ञानिक सोच विकसित कर लेते हैं, वे अक्सर आगे चलकर वैज्ञानिक खोजों में योगदान देते हैं ।

डॉ. बलदेव सिंह नेगी
संकाय सदस्य, अंतर्विषयक अध्ययन विभाग, एचपीयू, शिमला

ऐसा करने से राष्ट्र की समग्र प्रगति और नवाचार में योगदान मिलता है। छात्रों को वैज्ञानिक सोच के साथ भविष्य के लिए तैयार करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हर एक व्यक्ति वैज्ञानिक नहीं बन सकता, परंतु वैज्ञानिक सोच तो बना सकता है। वैज्ञानिक सोच से हर व्यक्ति के जीवन में बदलाव आता है। विज्ञान की पढ़ाई को रुचिकर बनाना जरूरी है तथा इस हेतु कक्षा में प्रोजेक्ट्स कार्य करवाना, वैज्ञानिक प्रदर्शनी आदि को बढ़ावा देना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

47 की हुईं काम्या पंजाबी

भारतीय टेलीविजन की चर्चित अभिनेत्री **काम्या पंजाबी** का जन्म **13 अगस्त 1979** को हुआ था। वर्ष 2026 में वह अपना 47वां जन्मदिन मना रही हैं। काम्या पंजाबी ने छोटे पर्दे पर अपने दमदार अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई। उन्होंने कई लोकप्रिय धारावाहिकों में अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाकर अपनी अभिनय प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी पहचान खास तौर पर मजबूत और प्रभावशाली महिला किरदारों के लिए बनी।

काम्या पंजाबी
जन्म : 13 अगस्त 1979

काम्या पंजाबी ने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की और धीरे-धीरे मनोरंजन जगत में अपनी जगह मजबूत की। उन्होंने पारिवारिक धारावाहिकों के साथ-साथ कई चर्चित टेलीविजन कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया। उनके अभिनय में भावनात्मक दृश्यों के साथ नकारात्मक और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को निभाने की क्षमता भी नजर आई। यही वजह है कि दर्शकों ने उन्हें अलग-अलग किरदारों में पसंद किया।

टेलीविजन पर काम्या पंजाबी को बड़ी लोकप्रियता कई चर्चित धारावाहिकों से मिली। उन्होंने ऐसे किरदार निभाए जिनमें आत्मविश्वास, दृढ़ता और भावनात्मक गहराई दिखाई देती थी। उनकी संवाद अदायगी और अभिनय शैली ने दर्शकों का ध्यान खींचा। लंबे समय तक टेलीविजन उद्योग में सक्रिय रहने के कारण उन्होंने मनोरंजन जगत की बदलती शैली और दर्शकों की पसंद को भी करीब से देखा।

अभिनय के अलावा काम्या पंजाबी सामाजिक और सार्वजनिक मुद्दों पर भी अपनी राय रखने के लिए जानी जाती हैं। समय के साथ उन्होंने राजनीति में भी कदम रखा और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ीं। अभिनय से राजनीति तक का उनका सफर उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को दर्शाता है। वह सामाजिक विषयों पर अपनी स्पष्ट राय रखने के लिए भी चर्चा में रहती हैं। काम्या पंजाबी की निजी जिंदगी भी कई बार सुर्खियों में रही है, लेकिन उन्होंने अपने पेशेवर जीवन में लगातार काम जारी रखा। टेलीविजन के साथ उनका जुड़ाव लंबे समय से बना हुआ है। उन्होंने मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान को केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रखा बल्कि अलग-अलग तरह के काम और भूमिकाओं के जरिए खुद को साबित किया।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

रायबरेली में 28 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस पर गंभीर आरोप

एजेंसी, रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले के ऊंचाहार थाना क्षेत्र के बिकरगढ़ गांव में बुधवार सुबह 28 वर्षीय राजू यादव का शव कमरे में पंखे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस को परिजनों के विरोध का सामना करना पड़ा। परिजनों ने शव पुलिस को सौंपने से इनकार करते हुए युवक की मौत के लिए पुलिस प्रताड़ना को जिम्मेदार बताया। परिजनों का आरोप है कि रिश्तेदार की गिरफ्तारी के लिए पुलिस राजू पर लगातार दबाव बना रही थी। उनका दावा है कि मंगलवार को पुलिस राजू को अपने साथ ले गई थी और उसके साथ मारपीट की गई। इसी से आहत होकर उसने आत्मघाती कदम उठाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कई थानों की पुलिस गांव में तैनात की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

देवरिया में बिजली संकट को लेकर सपा नेताओं ने सौंपा ज्ञापन, समाधान की मांग

एजेंसी, देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के बरहज क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुधारने और समस्याओं का जल्द समाधान कराने की मांग की। सपा नेता विजय रावत ने कहा कि बरहज विधानसभा क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था लंबे समय से खराब है। पोखरभींडा के चौहान टोले में बिजली की समस्या गंभीर बनी हुई है। ग्रामीणों को पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही, जिससे उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर से समस्या के समाधान को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। ज्ञापन सौंपने के दौरान अमित प्रधान, विजय चौहान, सुदर्शन चौहान, राकेश चौहान, संदीप चौहान समेत कई लोग मौजूद रहे।

देवरिया में आईजीआरएस प्रकरण का गुणवत्ताहीन निस्तारण, बीडीओ को नोटिस

एजेंसी, देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के गुणवत्ताहीन निस्तारण पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने खंड विकास अधिकारी लार को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने तीन दिन के भीतर प्रकरण का वास्तविक और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मामला बरडीहा परशुराम गांव में चकरोड काटकर संकरा किए जाने और उसे दोबारा बनवाने से जुड़ा है। शिकायत की जांच में बीडीओ ने मामले को सीमांकन के लिए उप जिलाधिकारी के पास भेज दिया था। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने इसे तथ्यों के अनुरूप नहीं पाया। उन्होंने लेखपाल से मौके पर पैमाइश कराकर चकरोड की स्थिति स्पष्ट करने और नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट किया कि आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में खानापूर्ति या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उधर, नवजात बच्चे को बेचे जाने की अफवाह को भी उन्होंने भ्रामक बताया।

इग्नू के करियर महाकुंभ में उमड़े छात्र, कौशल आधारित पाठ्यक्रम बने आकर्षण

एजेंसी, मीरजापुर। जीडी बिनानी पीजी कॉलेज में बुधवार को इग्नू का करियर महाकुंभ आयोजित हुआ। इसमें शहर के विभिन्न महाविद्यालयों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने रोजगारपरक पाठ्यक्रमों, कौशल विकास और उच्च शिक्षा के विकल्पों की जानकारी ली। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी के सहायक निदेशक डॉ. श्रवण कुमार पाण्डेय ने कहा कि बदलते समय में युवाओं के लिए डिग्री के साथ कौशल विकास भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि इग्नू से एक साथ दो डिग्री हासिल करने का अवसर है। कम शुल्क, निःशुल्क अध्ययन सामग्री और ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

नेपाल में आर्यन का जलवा, गोल्ड मेडल जीतकर थाईलैंड चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

अब थाईलैंड में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व, 27 से 31 अगस्त तक बैंकॉक में होगी चैंपियनशिप

एजेंसी, औरैया

उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के अजीतमल क्षेत्र के ग्राम मुड़ैना रूपशाह निवासी 15 वर्षीय युवा फुटबॉल खिलाड़ी आर्यन सिंह राजावत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। नेपाल में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप-2082 की अंडर-18 फुटबॉल प्रतियोगिता में आर्यन ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

आर्यन की इस उपलब्धि के बाद उनका चयन थाईलैंड चैंपियनशिप-2026 के लिए हुआ है। अब वह भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में मैदान पर उतरेंगे। थाईलैंड चैंपियनशिप का आयोजन 27 से 31 अगस्त 2026 तक बैंकॉक में किया जाएगा। आर्यन भारतीय टीम की जर्सी पहनकर देश के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ तैयारी में जुटे हैं। आर्यन अजीत सिंह राजावत और अंजू सिंह के पुत्र हैं। कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली इस सफलता ने उनके परिवार और गांव में खुशी का माहौल पैदा कर दिया है।

नेपाल में गोल्ड मेडल जीतने के बाद थाईलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना उनके खेल करियर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। आर्यन की सफलता में उनके प्रशिक्षक राकेश सरसैया का महत्वपूर्ण योगदान बताया गया है। उनके मार्गदर्शन में आर्यन ने फुटबॉल की बारीकियां सीखीं और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए खुद को तैयार किया।

मां कंकेश्वरी स्पोर्ट्स, इंदौर से भी उन्हें प्रशिक्षण और खेल संबंधी सहयोग मिला। परिवार की ओर से उनकी बहन वांशिका लगातार उनका उत्साह बढ़ाती रही हैं। आर्यन के नेपाल में स्वर्ण पदक जीतने और अब थाईलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व करने की खबर से ग्रामीणों, परिजनों और खेल प्रेमियों में उत्साह है। लोगों ने उनकी उपलब्धि पर खुशी जताते हुए बैंकॉक प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। आर्यन की सफलता क्षेत्र के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा बनी है। ग्रामीणों का कहना है कि छोटे शहर और गांवों से निकलकर प्रतिभाशाली खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंच सकते हैं। नेपाल में गोल्ड मेडल के बाद अब आर्यन की नजर बैंकॉक में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करने पर है।

वह देश का नाम रोशन करने और तिरंगा ऊंचा करने के लक्ष्य के साथ प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं।थाईलैंड में होने वाली प्रतियोगिता को लेकर आर्यन के परिवार और प्रशिक्षकों को उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। आर्यन का लक्ष्य भारत के लिए पदक जीतना और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाना है। उनकी मेहनत और उपलब्धि ने क्षेत्र के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाया है। अब सभी की नजरें बैंकॉक में उनके प्रदर्शन पर टिकी हैं।

जब अपराधियों को चोट पहुंचती है तो सपा को क्यों दर्द : राकेश त्रिपाठी

एजेंसी, लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने बुधवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि जब किसी माफिया या अपराधी के खिलाफ पुलिस और प्रशासन कार्रवाई करता है तो सपा नेताओं को परेशानी होने लगती है। त्रिपाठी ने कहा कि किसी अपराधी की इमारत पर बुलडोजर चलने या पुलिस मुठभेड़ में उसके मारे जाने के बाद सपा की ओर से सवाल उठाए जाते हैं।

अपराधियों के खिलाफ जारी रहेगी सख्त कार्रवाई

राकेश त्रिपाठी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने अपने शासनकाल में कथित तौर पर अपराधियों और माफिया तत्वों को संरक्षण देकर बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई होते देख सपा नेताओं को दर्द महसूस होता है। भाजपा प्रवक्ता ने अतीक अहमद के बेटे की सड़क दुर्घटना में हुई मौत का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस मामले में सपा नेता राम गोपाल यादव ने भी सवाल उठाए हैं। त्रिपाठी ने सवाल किया कि यदि अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो रही है तो क्या उनके प्रति उदारता बरती जानी चाहिए। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में अपराधियों के साथ नरमी बरती जाती थी। त्रिपाठी ने तंज कसते हुए कहा कि क्या अपराधियों को सरकारी विमान में बैठाकर उनके साथ नाश्ता कराया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार है और यहां कानून का शासन सर्वोपरि है। सरकार अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था से समझौता नहीं किया जाएगा और अपराधियों पर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सरकार की सख्ती जारी रहेगी और किसी भी दबाव में कार्रवाई नहीं रुकेगी।

हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान को लेकर छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

एजेंसी, वाराणसी

स्वतंत्रता दिवस से पहले धार्मिक नगरी वाराणसी में देशभक्ति का माहौल दिखाई देने लगा है। अमर शहीदों को नमन करने और लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने के लिए विभिन्न संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और राजनीतिक दलों की ओर से तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं।

स्वतंत्रता दिवस से पहले वाराणसी में तिरंगे के साथ निकली भव्य यात्रा, दिखी देशभक्ति।

सामाजिक संस्था सुबह-ए-बनारस क्लब के बैनर तले मैदागिन स्थित श्री हरिश्चंद्र बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज में छात्राओं को हर घर तिरंगा फहराने की शपथ दिलाई गई। संस्था के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल, डॉ. अशोक राय और प्रधानाचार्य डॉ. प्रियंका तिवारी के नेतृत्व में आयोजित अभियान में छात्राओं को तिरंगा वितरित किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि अभियान का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम और स्वतंत्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना बढ़ाना है।

जलभराव से आवागमन ठप, गोद में बच्चों को लेकर सड़क पर उतरीं महिलाएं

एजेंसी, मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले के सीखड़ विकासखंड अंतर्गत मेड़िया गांव में जलभराव से परेशान महिलाओं ने बुधवार को गोद में बच्चों को लेकर सड़क पर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने प्रशासन से गांव में जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था कराने और जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण गांव को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर तीन से चार फीट तक पानी भर गया है। इससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। सबसे अधिक परेशानी मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को हो रही है। आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाना भी मुश्किल हो गया है। जलभराव और कीचड़ के कारण बच्चों का स्कूल जाना भी प्रभावित है। ग्रामीणों का दैनिक कामकाज ठप होने के साथ गंदे पानी से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी रुद्राणी अब यूपी पुलिस में, खेल के साथ निभा रहीं जिम्मेदारी

एजेंसी, वाराणसी

सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिभा के साथ मेहनत, अनुशासन और चुनौतियों से लड़ने का जज्बा भी जरूरी होता है। वाराणसी की अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी रुद्राणी जायसवाल ने इसी जज्बे के साथ खेल की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। परिवार और सामाजिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने बैडमिंटन को अपना जुनून बनाया और लगातार आगे बढ़ती रहीं।

रुद्राणी की कहानी उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों या परिस्थितियों के कारण अपने सपनों को छोड़ने का विचार करते हैं। उन्होंने अपने रैकेट को मजबूती से थामे रखा और राष्ट्रीय स्तर से आगे बढ़ते हुए अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व किया। महिला युगल वर्ग में रुद्राणी

विश्व रैंकिंग में 91वें स्थान तक पहुंच चुकी हैं।

खेल के मैदान में उनकी उपलब्धियों ने वाराणसी का नाम भी रोशन किया है। हालांकि उनका सफर केवल बैडमिंटन तक सीमित नहीं रहा। वर्ष 2024 में उन्हें 'कुशल खिलाड़ी योजना' यानी खेल कोटे के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती मिली। वर्तमान में रुद्राणी की तैनाती प्रयागराज में है। पुलिस की वर्दी पहनने के बाद भी उन्होंने बैडमिंटन से अपना नाता नहीं तोड़ा।

तेज बारिश से नोएडा एयरपोर्ट का रास्ता जलमग्न, यात्रियों को हुई परेशानी

एजेंसी, नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर में मंगलवार को हुई तेज बारिश के बाद जलभराव की स्थिति बन गई। टर्मिनल से पार्किंग और टैक्सी स्टैंड की ओर जाने वाले रास्ते पर पानी भरने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जलभराव का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद लोग एयरपोर्ट की जल निकासी व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

वायरल वीडियो में एयरपोर्ट के कर्मचारी पानी निकालने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं। बताया गया कि टर्मिनल से निकलकर पार्किंग और टैक्सी स्टैंड तक जाने वाले भूमिगत मार्ग में बारिश का पानी भर गया था। कुछ ही देर में पानी आसपास के परिसर में भी फैल गया। इसके चलते यात्रियों को दूसरे रास्ते से एयरपोर्ट के प्रवेश द्वार तक पहुंचना पड़ा। खराब मौसम का असर उड़ानों पर भी पड़ा। मंगलवार को धर्मशाला जाने वाली उड़ान रद्द कर दी गई। हालांकि, एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि जलभराव की समस्या को जल्द ही दूर कर दिया गया।

एयरपोर्ट के जनसंपर्क विभाग ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बारिश के बाद टर्मिनल और पार्किंग क्षेत्र को जोड़ने वाले मार्ग पर पानी भर गया था। एयरपोर्ट की टीम ने करीब 30 मिनट के भीतर पानी निकालकर व्यवस्था सामान्य कर दी। विभाग के अनुसार, जलभराव से उड़ानों के संचालन या एयरपोर्ट के कामकाज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से वाणिज्यिक उड़ान सेवा 15 जून को शुरू हुई थी। करीब दो महीने के भीतर जलभराव की घटना सामने आने से इसकी व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

वंदे भारत में पानी टपकने से यात्री परेशान, रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी में वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस की एक बोगी में पानी के रिसाव का मामला सामने आया है। मंगलवार शाम ट्रेन की यात्रा के दौरान बोगी की छत से पानी टपकता दिखाई दिया। इस घटना का वीडियो यात्री मंगलेश त्रिपाठी ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर इंटरनेट मीडिया पर साझा किया। वीडियो सामने आने के बाद यह मामला तेजी से प्रसारित होने लगा और रेलवे की व्यवस्थाओं पर सवाल उठने लगे।

प्रीमियम ट्रेन में पानी लीकेज से यात्री परेशान, वीडियो सामने आने के बाद मचा हड़कंप।

यात्री ने इंटरनेट मीडिया मंच के माध्यम से रेल मंत्री और संबंधित अधिकृत पोर्टल को भी घटना की जानकारी दी। इसी दौरान उन्होंने रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए तंज कसा, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आ गया। हालांकि, रेलवे के ऑन बोर्ड स्टाफ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की। जांच में पानी के निकास से जुड़े पाइप में रुकावट की बात सामने आई, जिसे कर्मचारियों ने समय रहते ठीक कर दिया। इसके बाद बोगी में पानी का रिसाव बंद हो गया। घटना ने आधुनिक सुविधाओं से लैस मानी जाने वाली वंदे भारत ट्रेन में रखरखाव और निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रेलवे की त्वरित कार्रवाई के बाद बोगी में स्थिति सामान्य हो गई। हालांकि, घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने से यात्रियों में चर्चा बनी रही। लोगों ने कहा कि देश की प्रीमियम ट्रेनों में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के साथ नियमित रखरखाव और तकनीकी जांच पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

औरैया में आज भी जीवंत है 1942 की क्रांति की याद, शहीदों को किया गया नमन

एजेंसी, औरैया। स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में 12 अगस्त का दिन औरैया के लिए गौरव और बलिदान का प्रतीक है। 12 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान क्रांतिकारियों ने औरैया सदर तहसील पर फहरा रहे अंग्रेजी हुकूमत के प्रतीक यूनियन जैक को उतारकर उसकी जगह तिरंगा फहराया था। इस दौरान अंग्रेजी हुकूमत की कार्रवाई में छह क्रांतिकारी शहीद हुए थे, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। बुधवार को इस ऐतिहासिक घटना की स्मृति में सदर तहसील और शहीद पार्क में कार्यक्रम आयोजित कर वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी गई। इस आंदोलन की कमान संभालने वाले प्रमुख क्रांतिकारियों में छक्कीलाल दुबे, बल्देव प्रसाद उर्फ बल्दू पहलवान और हाफिज करीम शामिल थे। बल्दू पहलवान की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है। परिवार के अनुसार उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई।

वर्ष 1886 में सनावली गढ़िया गांव में जन्मे बल्देव प्रसाद बचपन से ही अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते थे। वह रात में टोली बनाकर गश्त करते और लोगों की सुरक्षा करते थे। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय होने के बाद उन्होंने जालौन, पुखरायां, डेरापुर, फर्रुखाबाद और कन्नौज समेत कई क्षेत्रों में जनसभाएं कर लोगों को आजादी के लिए प्रेरित किया। 1930 के लगानबंदी आंदोलन में भाग लेने पर अंग्रेजी शासन ने बदनपुर स्थित उनकी 14 बीघा जमीन जब्त कर ली थी। उन्हें छह माह के कठोर कारावास और आर्थिक दंड की सजा भी भुगतनी पड़ी। उनके संघर्ष और बलिदान की स्मृति आज भी क्षेत्रवासियों को प्रेरित करती है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और उनके योगदान को याद रखना सभी की जिम्मेदारी है।

जनाजे के सम्मान में कांवड़ियों का बड़ा कदम डीजे बंद कर पेश की एकता की मिसाल

एजेंसी, बिजनौर

मेरठ के बाद अब बिजनौर में भी आपसी सौहार्द और इंसानियत की ऐसी मिसाल सामने आई है, जिसने लोगों का ध्यान खींचा है। स्योहारा में पूर्व सभासद मास्टर नसीम जफर के जनाजे के दौरान हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे कांवड़ियों ने अपनी यात्रा कुछ देर के लिए रोक दी। जनाजे के सम्मान में उन्होंने डीजे भी बंद कर दिया। जानकारी के अनुसार, कांवड़िए हरिद्वार से कांवड़ लेकर अपने गंतव्य की ओर लौट रहे थे।

इसी दौरान उन्हें नसीम जफर के जनाजे के गुजरने की जानकारी हुई। कांवड़ियों ने धार्मिक यात्रा को कुछ समय के लिए रोकते हुए जनाजे को सम्मानपूर्वक आगे निकलने का रास्ता दिया। इस दौरान डीजे भी बंद रखा गया। जनाजा आगे निकल जाने के बाद कांवड़ियों ने कुछ दूरी तक यात्रा करने के बाद दोबारा अपनी यात्रा शुरू कर दी और डीजे बजाया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसके बाद लोग कांवड़ियों के इस कदम की सराहना कर रहे हैं। लोगों ने इसे आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल बताया। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने हिंदू-मुस्लिम एकता और इंसानियत से जुड़े संदेशों के साथ इस घटना की प्रशंसा की।

लोगों का कहना है कि धार्मिक आस्था के साथ दूसरे धर्म और समुदाय की भावनाओं का सम्मान करना ही सामाजिक सौहार्द की पहचान है। बताया गया कि नसीम जफर भी आपसी सौहार्द और भाईचारे के हिमायती रहे थे। उनके जनाजे के दौरान कांवड़ियों द्वारा दिखाया गया सम्मान लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। घटना ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि इंसानियत और सम्मान की भावना समाज को जोड़ने का काम करती है।

जिम्मेदारी सरकार ने जिलों में होने वाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों को समय से पूरा करने के दिए निर्देश

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर योगी सरकार के मंत्रियों के लिए जिले आवंटित

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में इस बार स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य रूप से आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत प्रदेश सरकार के सभी मंत्री अलग-अलग जिलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होंगे। शासन की ओर से सभी जिलों को स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों को भव्यता के साथ आयोजित करने और तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार और राज्यमंत्रियों के लिए जिलों का आवंटन कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजधानी लखनऊ में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में सहभागिता करेंगे। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को प्रयागराज और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने की जिम्मेदारी दी गई है। कैबिनेट मंत्रियों में सुरेश कुमार खन्ना को शाहजहांपुर, भूपेंद्र चौधरी को मुरादाबाद, सूर्य प्रताप शाही को देवरिया, स्वतंत्र देव सिंह को गोरखपुर, बेबी रानी मौर्य को आगरा और लक्ष्मी नारायण चौधरी को मथुरा भेजा गया है। जयवीर सिंह मैनपुरी, धर्मपाल सिंह बरेली, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' प्रतापगढ़, अनिल राजभर वाराणसी और राकेश सचान कानपुर देहात में आयोजित समारोह में शामिल होंगे।

इसी तरह अरविंद कुमार शर्मा को मऊ, योगेंद्र उपाध्याय को फिरोजाबाद, आशीष पटेल को मीरजापुर, संजय निषाद को अंबेडकरनगर, ओम प्रकाश राजभर को गाजीपुर, दारा सिंह चौहान को आजमगढ़, सुनील कुमार शर्मा को गाजियाबाद, अनिल कुमार को बिजनौर और मनोज पांडेय को रायबरेली की जिम्मेदारी दी गई है। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभारों को भी अलग-अलग जिलों में कार्यक्रमों में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं।

नितिन अग्रवाल हरदोई, कपिल देव अग्रवाल मुजफ्फरनगर, रवींद्र जायसवाल भदोही, संदीप सिंह अलीगढ़ और गुलाब देवी संभल में रहेंगी। गिरीश चंद्र यादव को जौनपुर, धर्मवीर प्रजापति को एटा, असीम अरुण को कन्नौज और जे.पी.एस. राठौर को झांसी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दयाशंकर सिंह बलिया, नरेंद्र कुमार कश्यप गौतमबुद्धनगर, दिनेश प्रताप सिंह सुलतानपुर, अरुण कुमार सक्सेना लखीमपुर खीरी, डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' कौशाम्बी, अजीत सिंह पाल औरैया और सोमेंद्र तोमर मेरठ में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। राज्यमंत्रियों को भी प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्वतंत्रता दिवस समारोह में सहभागिता की जिम्मेदारी दी गई है।

मयंकेश्वर शरण सिंह अमेठी, दिनेश खटीक बुलंदशहर, संजीव गोंड सोनभद्र, बलदेव सिंह औलख रामपुर और जसवंत सिंह सैनी शामली में कार्यक्रम में शामिल होंगे। रामकेश निषाद बांदा, मनोहर लाल मन्नू कोरी ललितपुर और संजय सिंह गंगवार पीलीभीत में रहेंगे। बृजेश सिंह को सहारनपुर, के.पी. मलिक को बागपत, सुरेश राही को बहराइच, प्रतिभा शुक्ला को कानपुर नगर और राकेश राठौर गुरु को सीतापुर की जिम्मेदारी दी गई है। रजनी तिवारी अयोध्या, सतीश चंद्र शर्मा बाराबंकी, दानिश आजाद अंसारी बस्ती, कृष्णा पासवान फतेहपुर और विजय लक्ष्मी गौतम संतकबीरनगर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगी।

लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय सेक्स रैकेट का पर्दाफाश एक साल से फरार लोला कायूमोवा गिरफ्तार

एजेंसी, लखनऊ

राजधानी लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देह व्यापार का सिंडिकेट चलाने के आरोप में करीब एक वर्ष से फरार चल रही उज्बेकिस्तान की लोला कायूमोवा को पुलिस और इंटेलिजेंस ब्यूरो की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महिला को गोमती नगर इलाके में मैक्स अस्पताल के पास से मंगलवार देर शाम पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद उसे सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

गोमती नगर में संयुक्त कार्रवाई, पुलिस और खुफिया एजेंसी ने लोला को दबोचा।

नेपाल और उज्बेकिस्तान के गिरोहों से संपर्क के आरोप में लोला पर शिकंजा।

पुलिस के अनुसार, लोला कायूमोवा पर विदेशी युवतियों को लखनऊ में अवैध रूप से ठहराने और देह व्यापार के नेटवर्क से जोड़ने का आरोप है। जून 2025 में सामने आए इस मामले के बाद से ही पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। लंबे समय तक गिरफ्तारी से बचने के लिए वह अलग-अलग स्थानों पर छिपती रही। जांच एजेंसियों के मुताबिक, पुलिस से बचने के लिए लोला ने कथित तौर पर प्लास्टिक सर्जरी करवाकर अपना चेहरा बदल लिया था।

इसके बावजूद पुलिस और खुफिया एजेंसी उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थीं। मंगलवार को मिली सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में लोला के नेपाल और उज्बेकिस्तान में सक्रिय देह व्यापार से जुड़े गिरोहों के संपर्क में होने की बात सामने आई है। एजेंसियां अब उसके संपर्कों, लखनऊ में विदेशी युवतियों को ठहराने की व्यवस्था और कथित नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही हैं। मामले की जांच के दौरान लखनऊ के एक डॉक्टर का नाम भी चर्चा में आया था। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि लोला की पहचान बदलने और फरारी के दौरान उसे किसी स्तर पर मदद तो नहीं मिली।

अधिकारियों के अनुसार, लोला से पूछताछ में अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस उसके खिलाफ दर्ज पुराने मामले, विदेशों में संपर्क और लखनऊ में उसकी गतिविधियों की भी जानकारी जुटा रही है। जांच आगे बढ़ने के साथ इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की संभावना है।

मेवात में इनेलो की वापसी की कोशिश 27 सितंबर को नूंह में सम्मान दिवस रैली

जुमे की नमाज को देखते हुए बदली रैली की तारीख, 27 सितंबर को नूंह में इनेलो दिखाएगी राजनीतिक ताकत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा की राजनीति में मेवात यानी नूंह क्षेत्र का अपना अलग महत्व है। जिले की नूंह, फिरोजपुर झिरका और पुन्हाना विधानसभा सीटों का राजनीतिक असर केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि प्रदेश की सियासत में भी इसकी अहम भूमिका मानी जाती है। इसी क्षेत्र में कभी इंडियन नेशनल लोकदल का मजबूत जनाधार हुआ करता था। अब पार्टी एक बार फिर मेवात में अपनी खोई राजनीतिक जमीन तलाशने की कवायद में जुट गई है।

इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला ने देवीलाल की 113वीं जयंती के अवसर पर 27 सितंबर को नूंह में सम्मान दिवस रैली आयोजित करने का फैसला किया है। पार्टी की ओर से इस रैली को संगठन को सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रैली के जरिए इनेलो मेवात में अपनी पुरानी राजनीतिक पकड़ को मजबूत करने का प्रयास करेगी। नूंह जिले में तीन विधानसभा क्षेत्र हैं। नूंह, फिरोजपुर झिरका और पुन्हाना लंबे समय से प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण माने जाते रहे हैं। इन क्षेत्रों में इनेलो का अतीत में मजबूत प्रभाव रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के नेतृत्व में पार्टी ने यहां मजबूत संगठन खड़ा किया था। समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियां बदलीं और इनेलो का प्रभाव कमजोर होता गया। अब पार्टी नेतृत्व इन क्षेत्रों में दोबारा संगठन को सक्रिय करने की तैयारी कर रहा है। सम्मान दिवस रैली को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इसके माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं को एकजुट करने के साथ ही क्षेत्र में अपनी मौजूदगी का संदेश देना चाहती है।

इनेलो ने पहले सम्मान दिवस रैली के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की थी। हालांकि मेवात की सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इसमें बदलाव किया गया। 25 सितंबर को जुमे की नमाज होने के कारण अब रैली 27 सितंबर को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। पार्टी नेतृत्व का प्रयास है कि रैली में अधिक से अधिक लोग आसानी से शामिल हो सकें और कार्यक्रम के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो। देवीलाल की जयंती से जुड़ा यह कार्यक्रम इनेलो के लिए राजनीतिक और संगठनात्मक दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अवैध हथियारों के साथ पकड़े गए छह आरोपी, विदेश में छिपे गैंगस्टर से जुड़े तार

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेश में छिपे एक शातिर अपराधी के नेटवर्क से जुड़े छह गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में होने वाली एक बड़ी वारदात की साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी अलग-अलग गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं और विदेश में बैठे गैंगस्टर के इशारे पर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी में थे। क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को दबोचा। पूछताछ के दौरान पुलिस को इनके नेटवर्क और संभावित आपराधिक योजनाओं से जुड़ी अहम जानकारी मिलने की उम्मीद है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान योगेश उर्फ कछुआ निवासी कमला नगर, रोहतक, शुभम सिक्का निवासी कमला नगर, रोहतक, संदीप हुड्डा निवासी प्रीत विहार, रोहतक, रोहित उर्फ शक्ति निवासी गांव मैना, रोहतक, बलविंदर उर्फ सोनू निवासी गांव नांदल, रोहतक और सुरजीत निवासी गांव माकडोली, रोहतक के रूप में हुई है। इसके अलावा पश्चिम विहार, दिल्ली निवासी गौरव अरोड़ा को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों से बरामद हथियारों की जांच की जा रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हथियार कहां से लाए गए थे और इनका इस्तेमाल किस वारदात में किया जाना था। साथ ही पुलिस विदेश में बैठे गैंगस्टर से आरोपियों के संपर्क और उनके बीच होने वाली बातचीत की भी पड़ताल कर रही है। क्राइम ब्रांच अब आरोपियों के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा भाजपा में फिर घमासान, नारनौल महामंत्री के इस्तीफे से गरमाई सियासत

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा भाजपा में एक बार फिर अंदरूनी कलह सामने आई है। नारनौल में पार्टी पदाधिकारियों के बीच पद और प्रतिष्ठा को लेकर विवाद बढ़ गया है। किसान मोर्चा के जिला महामंत्री ने पार्टी छोड़ने की घोषणा करते हुए जिलाध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से दावा किया कि उन्हें धमकियां दिलवाई जा रही हैं। इसके बाद दोनों पक्षों की ओर से सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। वहीं, जिलाध्यक्ष ने भी इन आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि संबंधित नेता एक महिला को संगठन में पद दिलवाना चाहते थे, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। इसी वजह से विवाद खड़ा हुआ। मामले के बाद भाजपा पदाधिकारियों के बीच सोशल मीडिया पर कमेंट वार तेज हो गया है। दोनों पक्ष अपनी-अपनी बात सार्वजनिक रूप से रख रहे हैं। विवाद ने पार्टी संगठन के भीतर चल रही खींचतान को उजागर कर दिया है।

हर्ष-बीरबल एनकाउंटर पर रोड़ समाज की बैठक आज, मुठभेड़ को बताया फर्जी

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। हर्ष और बीरबल के एनकाउंटर मामले को लेकर रोड़ समाज की अहम बैठक आज कुरुक्षेत्र स्थित रोड़ धर्मशाला में होगी। समाज के लोगों का आरोप है कि दोनों का पुलिस एनकाउंटर फर्जी है। इसे लेकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग तेज हो गई है। बैठक में करनाल के बीरु वाल्मीकि हत्याकांड और उसके बाद हुई पुलिस मुठभेड़ से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। समाज के प्रतिनिधि एनकाउंटर से संबंधित सबूत और तथ्यों को बैठक में सामने रखेंगे। उनका कहना है कि मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराई जानी चाहिए। रोड़ समाज के लोगों के अनुसार, बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी और जांच की मांग को लेकर अधिकारियों के समक्ष पक्ष रखा जाएगा। एनकाउंटर को लेकर उठ रहे सवालों के बीच आज होने वाली बैठक पर सभी की नजरें रहेंगी।

गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब विवाद गरमाया, दादूवाल ने गुरसिमरन मंड की गिरफ्तारी की मांग की

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब विवाद को लेकर सिरसा के बलजीत सिंह जत्थेदार दादूवाल ने गुरसिमरन मंड के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले में तुरंत केस दर्ज कर गिरफ्तारी करने की अपील की। दादूवाल ने मीडिया को जारी बयान में आरोप लगाया कि गुरसिमरन मंड ने गुरुपर्व के महान समागम का माहौल कथित रूप से खराब किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान श्रद्धालु सिखों को भी चोटें आईं। दादूवाल ने पूरे घटनाक्रम को गंभीर बताते हुए पुलिस से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि धार्मिक समागम के दौरान किसी भी तरह की शरारत या विवाद से श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं। ऐसे मामलों में प्रशासन को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। दादूवाल ने पुलिस प्रशासन से गुरसिमरन मंड के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू करने और दोषी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

जीवन हत्याकांड में न्याय की मांग तेज हिसार लघु सचिवालय पर महापंचायत शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। जीवन कुंडू हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर बुधवार को हिसार के लघु सचिवालय में बड़ी महापंचायत शुरू हुई। इसमें कई खाप पंचायतों और किसान यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। महापंचायत को देखते हुए सचिवालय क्षेत्र में पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें कि चार अगस्त को सूर्यनगर में डेयरी संचालक जीवन कुंडू की 12 से 15 बदमाशों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। पुलिस अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। मुख्य आरोपी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित है और उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है। पुलिस की दस टीमें विभिन्न राज्यों में दबिश दे रही हैं।

पिता की मौत के बाद मां ने छोड़ा, पानीपत में 10 साल का मासूम हुआ बेसहारा

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

माता-पिता की उंगली पकड़कर चलने की उम्र में पानीपत का 10 वर्षीय मासूम अपनों के बीच ही बेसहारा हो गया। पिता की मौत के बाद मां भी बच्चे को छोड़कर चली गई। अब ताऊ ने भी उसकी देखभाल करने में असमर्थता जताई है। इसके बाद जिला बाल कल्याण समिति ने बच्चे को अपने संरक्षण में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार, बच्चे के पिता की वर्ष 2022 में मौत हो गई थी। पिता के निधन के बाद उसकी मां भी उसे छोड़कर चली गई। इसके बाद बच्चा अपने ताऊ के पास रह रहा था। ताऊ ने समिति के समक्ष बताया कि वह खुद बीमार रहता है और भतीजे की देखभाल करने में असमर्थ है। इसके बाद बच्चे की देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी जिला बाल कल्याण

मासूम की 20 एकड़ जमीन पर परिवार की नजर, संपत्ति विवाद भी गहराया

समिति ने संभाल ली।

सोमवार को समिति ने बच्चे को अपने संरक्षण में लेकर उसकी देखभाल शुरू कर दी। अब समिति की निगरानी में बच्चे की जरूरतों और भविष्य से जुड़े पहलुओं पर काम किया जाएगा। बच्चे को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के साथ उसकी शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जाएगा। मामला केवल बच्चे के बेसहारा होने तक सीमित नहीं है।

सोनीपत वृद्धाश्रम से हरिद्वार पहुंचीं बुजुर्ग की अस्थियां, बेटियां रहीं दूर

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। मुंबई के बड़े कपड़ा कारोबारी रहे 74 वर्षीय शिवचरण राम रतन गुप्ता की मौत के बाद उनकी तीनों बेटियां अंतिम संस्कार और अस्थि विसर्जन के लिए भी नहीं पहुंचीं। शिवचरण ने सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में अंतिम सांस ली थी। उनके निधन के बाद भाई और भतीजे ने अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाई। बुधवार को अहमदाबाद से शिवचरण के भाई और भतीजा हरिद्वार पहुंचे। दोनों ने वृद्धाश्रम संचालक के साथ मिलकर गंगा में उनकी अस्थियां प्रवाहित कीं। बताया गया कि अंतिम संस्कार के दौरान तीनों बेटियों ने वीडियो कॉल के जरिए पिता को अंतिम विदाई दी थी। शिवचरण लंबे समय तक मुंबई में कपड़ा कारोबार से जुड़े रहे थे। बाद में वह सोनीपत के वृद्धाश्रम में रहने लगे। उनकी मौत के बाद जब अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी हुई, तब भी बेटियां वहां मौजूद नहीं थीं।

शिक्षा में पारदर्शिता कानून लागू करे सरकार -विष्णु चौहान

हर निजी विद्यालय का सामाजिक एवं वित्तीय ऑडिट हो, पारदर्शिता सुनिश्चित करना जरूरी

भारतेन्दु संवाददाता, गरुग्राम

मिशन जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु चौहान ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों से निजी विद्यालयों के नियमित सामाजिक एवं वित्तीय ऑडिट की मांग की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को वास्तव में मौलिक अधिकार बनाने के लिए केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मजबूत निगरानी व्यवस्था भी जरूरी है।

विष्णु चौहान ने सरकार से 'शिक्षा पारदर्शिता एवं जवाबदेही कानून' लागू करने की मांग करते हुए कहा कि इसके तहत प्रत्येक निजी विद्यालय का समय-समय पर सामाजिक और वित्तीय ऑडिट कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे विद्यालयों के संचालन में

पारदर्शिता बढ़ेगी और अभिभावकों तथा विद्यार्थियों के हितों की बेहतर सुरक्षा हो सकेगी।

उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 21ए का उल्लेख करते हुए कहा कि छह से 14 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्राप्त है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत सरकार और स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो और विद्यालय निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित किए जाएं। चौहान ने कहा कि यदि अस्पतालों, पंचायतों, नगर निकायों और अन्य सरकारी विभागों की कार्यप्रणाली का ऑडिट कराया जा सकता है तो बच्चों के भविष्य से जुड़े निजी विद्यालयों की भी नियमित समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने इसे किसी संस्था के विरोध के बजाय जनहित और पारदर्शिता की आवश्यकता बताया।

उन्होंने निजी विद्यालयों में फीस निर्धारण, आय-व्यय और लेखा अभिलेख, शिक्षकों के वेतन एवं सेवा सुविधाओं, भवन सुरक्षा, अग्निशमन व्यवस्था, स्वच्छता और छात्र सुरक्षा मानकों की वार्षिक जांच अनिवार्य करने की मांग की। इसके साथ ही आरटीई के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को मिलने वाले अधिकारों तथा अभिभावकों की शिकायतों के निवारण की व्यवस्था की भी समीक्षा करने की बात कही।

हरियाणा में राशन कार्ड धारकों के लिए जरूरी खबर, छह महीने राशन न लेने पर कार्ड ब्लॉक

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी

हरियाणा में सरकारी राशन का लाभ लेने वाले परिवारों के लिए जरूरी खबर है। प्रदेश में ऐसे राशन कार्डों की जांच और छंटनी की जा रही है, जिन पर पिछले छह महीने से लेकर एक वर्ष तक सरकारी राशन का उठान नहीं किया गया है। लंबे समय से राशन नहीं लेने और बायोमीट्रिक हाजिरी दर्ज नहीं कराने वाले परिवारों के राशन कार्ड फिलहाल पोर्टल पर ब्लॉक किए जा रहे हैं।

हरियाणा में निष्क्रिय राशन कार्डों पर कार्रवाई, डेढ़ से दो लाख परिवारों की जांच संभावित।

नागरिक संसाधन सूचना विभाग और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से निष्क्रिय राशन कार्डों की पहचान की जा रही है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, प्रदेश में करीब डेढ़ लाख से दो लाख राशन कार्ड इस कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं। विभाग अब यह पता लगाएगा कि इन कार्डधारकों की पात्रता अभी भी बनी हुई है या उनकी आर्थिक और निवास संबंधी परिस्थितियों में बदलाव हो चुका है। बताया जा रहा है कि कई परिवार ऐसे भी हो सकते हैं, जो रोजगार या अन्य कारणों से दूसरे शहरों अथवा राज्यों में चले गए हैं। ऐसे परिवारों की स्थिति का भी सत्यापन किया जाएगा।

लंबे समय तक सरकारी राशन नहीं लेने की स्थिति को देखते हुए विभाग यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सरकारी योजना का लाभ केवल वास्तविक और पात्र परिवारों तक ही पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, जिन राशन कार्डों को निष्क्रिय या ब्लॉक किया गया है, उनकी पात्रता का सत्यापन किया जाएगा। जांच में पात्र पाए जाने पर संबंधित परिवारों के लिए राशन सुविधा दोबारा शुरू की जा सकती है। वहीं, अपात्र पाए जाने वाले कार्डों पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सरकार की इस प्रक्रिया का उद्देश्य राशन वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता लाना और निष्क्रिय कार्डों की पहचान करना है। विभागीय स्तर पर आंकड़ों की जांच के साथ लाभार्थियों की वास्तविक स्थिति का भी पता लगाया जा रहा है। ऐसे में राशन कार्ड धारकों को अपने कार्ड की स्थिति और राशन उठान से जुड़े विवरण पर नजर रखने की जरूरत है।

यदि किसी परिवार ने लंबे समय से राशन नहीं लिया है, तो उसे संबंधित विभाग या राशन डिपो के माध्यम से अपनी पात्रता और कार्ड की स्थिति की जानकारी लेनी चाहिए। संबंधित परिवार पात्रता की पुष्टि के बाद राशन सुविधा दोबारा शुरू कराने के लिए विभाग से संपर्क कर सकते हैं। अपात्र पाए गए कार्डों पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोहाना से दिल्ली तक हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की मांग, रेल मंत्री से मिले अरविंद शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर गोहाना क्षेत्र की रेल सुविधाओं के विस्तार और लंबित परियोजनाओं को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने जींद और गोहाना होते हुए दिल्ली तक हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की मांग प्रमुखता से उठाई। डॉ. शर्मा ने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन का विस्तार होने से गोहाना और आसपास के क्षेत्रों को आधुनिक, पर्यावरण अनुकूल तथा भविष्य की परिवहन व्यवस्था से जोड़ने में मदद मिलेगी।

उन्होंने इसे हरित परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए इस रेलमार्ग पर सेवा शुरू करने की आवश्यकता बताई। बैठक के दौरान गोहाना क्षेत्र में तीन महत्वपूर्ण रेलवे ओवरब्रिज और रेलवे अंडरब्रिज के निर्माण का मुद्दा भी केंद्रीय रेल मंत्री के समक्ष रखा गया। इनमें गोहाना शहर के गोहाना-महम रोड पर रोहतक-पानीपत रेलवे लाइन के लेवल क्रॉसिंग नंबर-29 एसपीएल पर दो लेन रेलवे ओवरब्रिज बनाने

की मांग शामिल है। डॉ. शर्मा ने कहा कि इस स्थान पर आरओबी बनने से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। उन्होंने क्षेत्र की अन्य लंबित रेल परियोजनाओं को भी जल्द पूरा कराने का आग्रह किया।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गोहाना क्षेत्र में रेल सुविधाओं का विस्तार होने से लोगों की आवाजाही आसान होगी और क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने रेल मंत्री से इन मांगों पर प्राथमिकता से विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन के साथ आरओबी-आरयूबी परियोजनाओं को मंजूरी मिलने से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही लंबित कार्यों में तेजी आने से यातायात व्यवस्था सुधरेगी और गोहाना का विकास भी गति पकड़ेगा।

झज्जर में रिटायर्ड नेवी अफसर ने खुद को गोली मारकर दी जान, बहन से कही थी आखिरी बात

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर

झज्जर जिले के चमनपुरा गांव में बुधवार को 72 वर्षीय सेवानिवृत्त नौसेना अधिकारी ब्रह्मप्रकाश ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना से पहले उन्होंने अपनी बहन विमला से फोन पर बातचीत की थी। बातचीत के दौरान उन्होंने भावुक होकर कहा कि अब उनके जनाजे पर ही आना। इसके कुछ ही देर बाद उन्होंने अपनी जान दे दी।

परिजनों के अनुसार, ब्रह्मप्रकाश घर के बाहर कुर्सी पर बैठे हुए अपनी बहन से फोन पर बात कर रहे थे। बातचीत के दौरान उन्होंने जनाजे में आने की बात कही। इसके बाद उन्होंने पहले हवा में गोली चलाई और फिर अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक के बेटे सुरेंद्र के अनुसार, उनके पिता पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव से गुजर

जनाजे पर आने की बात कहने के बाद रिटायर्ड नेवी अधिकारी ने की आत्महत्या

रहे थे। करीब एक वर्ष पहले उनकी माता का निधन हुआ था। इसके बाद महज एक महीने पहले उनके छोटे भाई विनोद की भी मृत्यु हो गई थी। लगातार दो करीबी रिश्तेदारों की मौत से वह गहरे सदमे में थे।

परिजनों ने बताया कि ब्रह्मप्रकाश को बीपी और शुगर की समस्या भी थी। इन परिस्थितियों के चलते वह काफी समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। हालांकि, आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने लाइसेंसी हथियार को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस परिजनों से बातचीत कर घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस के अनुसार घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और परिजनों के बयानों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। अधिकारी आत्महत्या से पहले हुई बातचीत और मृतक की मानसिक स्थिति से जुड़े पहलुओं को भी जांच में शामिल कर रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि होगी।

11.84 करोड़ खर्च के बाद भी जलभराव से राहत नहीं, सात साल से अधूरी पड़ी योजना

जल निकासी परियोजना का 70 मीटर काम बाकी, बारिश में सड़कों पर भर रहा पानी

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

शहर को जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से शुरू की गई 11.84 करोड़ रुपये की जल निकासी परियोजना सात साल बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। वर्ष 2019 में शुरू हुई इस योजना का काम अलग-अलग कारणों से लगातार अटकता रहा। इसका असर अब बरसात के दौरान साफ दिखाई दे रहा है। हल्की बारिश होते ही शहर की कई कालोनियों और सड़कों पर पानी जमा हो जाता है। लोगों को जलभराव के बीच आवागमन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

अमरुत योजना के तहत शुरू की गई इस परियोजना में कन्हैया साहिब चौक से डिच ड्रेन तक करीब छह फीट चौड़ी स्टॉर्म वाटर पाइप लाइन बिछाई जा रही है। इसका उद्देश्य बारिश के पानी को शहर से बाहर निकालना और जलभराव की समस्या को कम करना है। परियोजना के तहत नगर निगम अब तक करीब 210 मीटर पाइप लाइन बिछा चुका है, लेकिन लगभग 70 मीटर काम अभी भी बाकी है। जब तक यह अधूरा हिस्सा पूरा नहीं होता, पूरी जल निकासी व्यवस्था प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सकती। परियोजना को पूरा करने के लिए रेलवे को 5.27 करोड़ रुपये की राशि भी जमा करवाई जा चुकी है। इसके बावजूद काम आगे नहीं बढ़ सका। पिछले सात वर्षों में परियोजना के सामने कई तरह की अड़चनें आती रहीं।

कभी निजी जमीन रास्ते में बाधा बनी तो कभी सड़क के दूसरी तरफ से पाइप लाइन डालने की योजना पर विचार किया गया। इसके बाद लोक निर्माण विभाग की जमीन से रास्ता निकालने का प्रयास हुआ। अब रेलवे लाइन के नीचे से पाइप डालने की तैयारी की जा रही है। शहर में जलभराव की प्रमुख वजहों में जगाधरी की तरफ से आने वाला बड़ा नाला भी शामिल है। बारिश के दौरान नाले में पानी का स्तर तेजी से बढ़ जाता है और वह ओवरफ्लो होकर आसपास की कालोनियों की ओर पानी छोड़ने लगता है। इससे निचले इलाकों में स्थिति और गंभीर हो जाती है। इसी समस्या को देखते हुए स्टॉर्म वाटर पाइप लाइन परियोजना तैयार की गई थी, ताकि अतिरिक्त पानी को दूसरे रास्ते से डायवर्ट कर शहर पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हर बारिश में जलभराव की समस्या सामने आती है। कई स्थानों पर सड़कें पानी में डूब जाती हैं और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। घरों और दुकानों के आसपास पानी जमा होने से दैनिक कामकाज भी प्रभावित होता है। लोगों को उम्मीद थी कि करोड़ों रुपये की परियोजना पूरी होने के बाद शहर को इस समस्या से राहत मिलेगी, लेकिन सात साल बीतने के बाद भी योजना अधूरी है। अब प्रशासन की ओर से रेलवे लाइन के नीचे से पाइप डालने की तैयारी की जा रही है। यदि यह काम पूरा होता है तो परियोजना का बचा हुआ हिस्सा भी पूरा किया जा सकेगा। इसके बाद बारिश के पानी की निकासी बेहतर होने और शहर में जलभराव का दबाव कम होने की उम्मीद है।

हालांकि, फिलहाल बारिश के मौसम में शहरवासियों की परेशानी बनी हुई है। सात साल से लंबित परियोजना को जल्द पूरा करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। करोड़ों रुपये की राशि खर्च होने के बावजूद अपेक्षित लाभ नहीं मिलने से परियोजना की कार्यप्रणाली और देरी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अब प्रशासन की ओर से लंबित कार्य को जल्द पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे लाइन के नीचे से पाइप डालने के बाद परियोजना का शेष हिस्सा पूरा होने की उम्मीद है। इससे बारिश के दौरान अतिरिक्त पानी की निकासी बेहतर होगी और निचले इलाकों में जलभराव का दबाव कम हो सकेगा। हालांकि, काम पूरा होने तक शहरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

महेंद्रगढ़ अवैध खनन याचिका पर हाई कोर्ट सख्त, याचिकाकर्ता को ही नहीं थी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

महेंद्रगढ़ जिले में अवैध खनन से जुड़े मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के सामने दाखिल एक याचिका की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि जिस व्यक्ति को याचिका में याचिकाकर्ता बताया गया था, उसे इस याचिका के दाखिल होने की जानकारी ही नहीं थी। उसने किसी व्यक्ति को अपनी ओर से याचिका दायर करने के लिए अधिकृत भी नहीं किया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट की कार्यवाहक चीफ जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को प्राथमिकी दर्ज कर पूरे मामले की जांच करने के आदेश दिए हैं। अदालत के इस निर्देश के बाद अब यह पता लगाया जाएगा कि याचिका किसने तैयार की, इसे अदालत में किस माध्यम से दाखिल किया गया और याचिकाकर्ता के नाम का इस्तेमाल किस आधार पर किया गया।

बताया गया कि मामले में सीबीआई की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट अदालत के समक्ष सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत की गई थी। रिपोर्ट में याचिकाकर्ता के बयान समेत अन्य तथ्यों का उल्लेख किया गया। जांच के दौरान यह सामने आया कि संबंधित व्यक्ति को न तो याचिका दाखिल किए जाने की जानकारी थी और न ही उसने इसके लिए किसी को निर्देश दिया था। मामले में याचिका दाखिल करने से लेकर उसे वापस लेने की प्रक्रिया भी संदेह के घेरे में है। हाई कोर्ट ने इन परिस्थितियों को गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जांच कराने का फैसला किया है। सीबीआई अब पूरे घटनाक्रम की पड़ताल करेगी और यह निर्धारित करने का प्रयास करेगी कि इस प्रक्रिया में किसी तरह का फर्जीवाड़ा या दस्तावेजों का दुरुपयोग तो नहीं हुआ।

महेंद्रगढ़ में अवैध खनन से जुड़े मामलों को लेकर पहले भी प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई होती रही है। ऐसे में अदालत में दाखिल याचिका में ही कथित अनियमितता सामने आने से मामला और गंभीर हो गया है। हाई कोर्ट के आदेश के बाद अब सीबीआई की जांच पर सभी की नजरें रहेंगी। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि याचिका के पीछे कौन लोग थे और इसे किस उद्देश्य से अदालत में दाखिल कराया गया था। सीबीआई जांच से याचिका की वास्तविकता, इसके पीछे शामिल लोगों और कथित फर्जीवाड़े की पूरी तस्वीर सामने आने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

एअर इंडिया की उड़ान में टर्बुलेंस के दौरान फर्श पर गिरा पायलट, जांच में सामने आई चौंकाने वाली बात

एजेंसी, नई दिल्ली। फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान एआइ-2379 में टर्बुलेंस के दौरान विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे गिर गया। इस दौरान मुख्य पायलट कॉकपिट के फर्श पर पड़े मिले। घटना के बाद विमान में हड़कंप मच गया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि पायलट टर्बुलेंस के झटके से गिरे या किसी शारीरिक परेशानी के कारण उनकी ऐसी स्थिति हुई। सूत्रों के अनुसार, लैंडिंग के बाद भी पायलट ठीक से खड़े नहीं हो पा रहे थे। जांच अधिकारियों को उनका यूरिन सैंपल लेते समय शारीरिक सहारा देना पड़ा। वहीं, केबिन क्रू ने पायलट पर उड़ान से पहले गांजा पीने का आरोप लगाया है। मामले में एयर इंडिया से पक्ष मांगा गया है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। घटना की जांच जारी है।

दिल्ली में 22 साल की शादी का खौफनाक अंत, पत्नी ने प्रेमी संग पति की हत्या की

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के संगम विहार में 55 वर्षीय मुन्ना लाल की हत्या के मामले में पुलिस ने पत्नी, उसके प्रेमी और एक अन्य साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची। आरोप है कि संपत्ति हड़पने के इरादे से पहले पति को नींद की गोलियां दी गईं, इसके बाद करंट और रस्सी का इस्तेमाल कर उसकी जान ले ली गई। घटना को चोरी के दौरान हत्या का रूप देने के लिए घर का सामान भी बिखेरा गया था। पुलिस ने जांच के दौरान मामले का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। बताया गया कि मृतक का पत्नी के साथ 22 साल पुराना वैवाहिक संबंध था। पुलिस मामले में अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

मौज-मस्ती और नशे के लिए बाइक चोरी नोएडा पुलिस ने दो शातिर चोर दबोचे

एजेंसी, नई दिल्ली। नोएडा फेज वन थाना पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों विवेक और हलीम को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को सेक्टर-14 स्थित गंदे नाले के पास से पकड़ा। उनके कब्जे से चोरी की बाइक और चाकू बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी एनसीआर की सोसायटी और कंपनियों के बाहर खड़े दोपहिया वाहनों की रेकी करते थे और मौका मिलते ही उन्हें चोरी कर लेते थे। इसके बाद चोरी की बाइक को पांच से दस हजार रुपये में अनजान लोगों को बेच देते थे। पुलिस का कहना है कि चोरी से मिले पैसों का इस्तेमाल दोनों मौज-मस्ती और नशे के लिए करते थे। आरोपियों के खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी समेत पांच मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

कर्नाटक में गुटखा-पान मसाला समेत तंबाकू उत्पादों पर एक साल की रोक

एजेंसी, नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने जनहित और स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तंबाकू तथा निकोटीन उत्पादों के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने राज्य में गुटखा, पान मसाला समेत तंबाकू और निकोटीन वाले प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री और वितरण पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। विभाग की ओर से इस संबंध में 10 अगस्त 2026 को अधिसूचना जारी की गई। आदेश के अनुसार, प्रतिबंध अधिसूचना जारी होने की तारीख से एक वर्ष तक पूरे कर्नाटक में प्रभावी रहेगा। इस दौरान प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री, वितरण और संबंधित गतिविधियों पर कार्रवाई की जाएगी। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य लोगों को तंबाकू और निकोटीन से होने वाले नुकसान से बचाना तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है।

दिल्ली के मास्टर प्लान 2047 को मिली मंजूरी, टिकाऊ शहरी विकास और बेहतर जीवन सुविधाओं पर रहेगा जोर

डीडीए बैठक में मास्टर प्लान 2047 मंजूर, दिल्ली के विकास को मिलेगी नई दिशा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के दीर्घकालिक और सुनियोजित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नए मास्टर प्लान 2047 को आगे की प्रक्रिया के लिए मंजूरी दे दी गई है। दिल्ली के उपराज्यपाल तेजिंदर सिंह संधू की अध्यक्षता में हुई दिल्ली विकास प्राधिकरण की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की गई। बैठक में डीडीए के सदस्यों के अलावा दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, डीडीए के उपाध्यक्ष और विभिन्न विभागों तथा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में दिल्ली के भविष्य के विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए मास्टर प्लान 2047 को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के दीर्घकालिक लक्ष्य से जुड़ी है।

इसका उद्देश्य दिल्ली को आधुनिक, टिकाऊ और बेहतर जीवन सुविधाओं वाला शहर बनाना है। योजना में शहरी विकास को व्यवस्थित करने के साथ-साथ नागरिकों की सुविधा और जीवन स्तर में सुधार पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई है। मास्टर प्लान 2047 में दिल्ली के बढ़ते शहरीकरण और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास की दिशा तय करने का प्रयास किया गया है। राजधानी में लगातार बढ़ती आबादी, यातायात, आवास, सार्वजनिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की जरूरतों को देखते हुए दीर्घकालिक योजना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। योजना का प्रमुख उद्देश्य ऐसा शहरी ढांचा तैयार करना है, जिसमें विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित हो सके।

इसके तहत दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने और नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर रहेगा।मास्टर प्लान में नागरिकों के लिए ईज ऑफ लिविंग यानी जीवन को आसान बनाने वाली सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिए जाने की बात कही गई है। इसके लिए आवास, परिवहन, सार्वजनिक सेवाओं और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास को दीर्घकालिक योजना से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

प्रशांत भूषण की तारीफ में केजरीवाल बोले- दोबारा साथ काम करना चाहूंगा

एजेंसी, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने अपने पुराने राजनीतिक सहयोगी प्रशांत भूषण की तारीफ करते हुए उनके साथ दोबारा काम करने की इच्छा जाहिर की है। एक हालिया साक्षात्कार में केजरीवाल ने प्रशांत भूषण के योगदान और उनके साथ पुराने संबंधों को याद किया। उनके इस बयान के बाद दोनों नेताओं के बीच करीब एक दशक पुराने राजनीतिक मतभेद फिर चर्चा में आ गए हैं।

प्रशांत भूषण आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे हैं। पार्टी के शुरुआती दौर में उन्होंने संगठन और उसके विचारों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, समय के साथ दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों को लेकर मतभेद सामने आए। वर्ष 2015 में प्रशांत भूषण को पार्टी से बाहर कर दिया गया था। उनके निष्कासन के पीछे पार्टी विरोधी गतिविधियों और संगठनात्मक मतभेदों को प्रमुख कारण बताया गया था।

इसके बाद केजरीवाल और प्रशांत भूषण की राजनीतिक राहें अलग हो गई। प्रशांत भूषण ने भी समय-समय पर आम आदमी पार्टी के नेतृत्व और उसकी कार्यशैली पर सवाल उठाए। वहीं, केजरीवाल ने लंबे समय बाद अपने पुराने सहयोगी का सार्वजनिक रूप से उल्लेख करते हुए उनके साथ फिर काम करने की इच्छा जताई। केजरीवाल के इस बयान को राजनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दिल्ली में लैंड पूलिंग से बनेंगे 20 लाख नए फ्लैट, 105 गांवों की जमीन होगी विकसित

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में बढ़ती आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अगले दस वर्षों में लैंड पूलिंग नीति के तहत करीब 20 लाख नए फ्लैट विकसित करने की तैयारी है। इस योजना के तहत राजधानी के बाहरी हिस्सों में मौजूद निजी जमीन को एक साथ लेकर योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली के 105 गांवों की जमीन को शामिल किया गया है।

लैंड पूलिंग के तहत जमीन के अलग-अलग छोटे हिस्सों को एक साथ मिलाकर बड़े स्तर पर विकसित किया जाता है। दिल्ली में इस नीति का उद्देश्य बिखरी हुई निजी जमीन को व्यवस्थित रूप से विकसित कर आवास, सड़क, परिवहन और अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए बेहतर ढांचा तैयार करना है। योजना के अनुसार 105 गांवों में शामिल जमीन को छह जोन के 138 सेक्टरों में योजनाबद्ध तरीके से विकसित करने की तैयारी है। इससे बाहरी दिल्ली के कई इलाकों में आने वाले वर्षों में बड़े स्तर पर निर्माण गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है।

योजना के तहत आवासीय विकास के साथ आवश्यक बुनियादी ढांचे पर भी ध्यान दिया जाएगा। सड़क, सार्वजनिक सुविधाएं और अन्य शहरी व्यवस्थाओं को योजनाबद्ध तरीके से विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे नए आवासीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। दिल्ली में जमीन की उपलब्धता सीमित होने के कारण नए आवासीय क्षेत्रों के विकास के लिए बाहरी इलाकों की जमीन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लैंड पूलिंग के जरिए निजी भूमि को एक साथ विकसित करने से बड़े भूखंड उपलब्ध होंगे, जिन पर सुनियोजित आवासीय परियोजनाएं तैयार की जा सकेंगी। इस योजना से दिल्ली में आवास की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर कम करने की उम्मीद है।

दिल्ली के निगम स्कूल में छात्रा पर बंदरों के झुंड का हमला, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

स्कूल पहुंची छात्रा पर बंदरों का हमला, परिसर में मची अफरातफरी।

कड़कड़डूमा गांव स्थित दिल्ली नगर निगम के प्राथमिक प्रतिभा विद्यालय में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब स्कूल पहुंची एक छात्रा पर बंदरों के झुंड ने हमला कर दिया। हमले में छात्रा वर्षा कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना स्कूल परिसर में होने के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा और विद्यालय प्रशासन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, स्कूल परिसर में बड़ी संख्या में पेड़ मौजूद हैं। लंबे समय से पेड़ों की छंटाई नहीं होने के कारण उनकी शाखाएं काफी घनी हो गई हैं। आरोप है कि बंदर इन पेड़ों के बीच छिपे रहते हैं और मौका मिलते ही स्कूल आने वाले बच्चों पर हमला कर देते हैं। इससे विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों में भी डर का माहौल बना हुआ है। बताया गया कि बुधवार सुबह छात्रा स्कूल पहुंची थी, तभी बंदरों के झुंड ने उसे घेर लिया और हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से छात्रा घायल हो गई। घटना के बाद स्कूल परिसर में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

छात्रा को इलाज की आवश्यकता पड़ी, लेकिन आरोप है कि उसे तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध नहीं कराया गया। इस घटना ने स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय परिसर में यदि बंदरों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है तो संबंधित विभाग को पहले ही आवश्यक कदम उठाने चाहिए थे।

स्थानीय लोगों ने स्कूल परिसर में पेड़ों की नियमित छंटाई कराने और बंदरों को पकड़ने के लिए संबंधित विभाग से कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कूल में आवश्यक इंतजाम होने चाहिए। घटना के बाद अभिभावकों में भी चिंता बढ़ गई है।

गाजियाबाद की फैक्ट्री में भीषण आग, झाड़ू कवर समेत लाखों का माल जलकर राख

एजेंसी, गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित पांडव नगर इंडस्ट्रियल एरिया में बुधवार सुबह झाड़ू कवर बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की लपटें और धुआं उठता देखकर आसपास की औद्योगिक इकाइयों में भी अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

बताया गया कि आग पांडव नगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्राइड इंटरप्राइजेज की फैक्ट्री में लगी थी। फैक्ट्री में झाड़ू के कवर समेत अन्य सामान रखा हुआ था। आग तेजी से फैलने के कारण बड़ी मात्रा में सामान उसकी चपेट में आ गया। हादसे में लाखों रुपये का माल जलकर राख होने की बात सामने आई है। आग की सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभाला। आसपास की औद्योगिक इकाइयों तक आग पहुंचने की आशंका को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती गई।

दमकल टीम ने काफी प्रयास के बाद आग को नियंत्रित कर लिया। समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से आसपास की फैक्ट्रियों में बड़ा नुकसान होने से बच गया। हादसे के दौरान मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। आग की लपटों को देखकर आसपास मौजूद लोग भी मौके पर एकत्र हो गए। दमकल विभाग की कार्रवाई के बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई। राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है।

फैक्ट्री में आग किस कारण से लगी, इसकी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। दमकल विभाग और संबंधित अधिकारियों की ओर से घटना के कारणों की जांच की जा रही है। फैक्ट्री में आग लगने से हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग से लाखों रुपये के सामान के जलने की आशंका है।

दिल्ली से पुणे जा रही उड़ान में एसी फेल, यात्रियों को झेलनी पड़ी भीषण गर्मी

एजेंसी, नई दिल्ली

आईजीआई एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की दिल्ली-पुणे उड़ान में बुधवार को एसी खराब होने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बोर्डिंग पूरी होने के बाद विमान के केबिन का एयर कंडीशनिंग सिस्टम अचानक बंद हो गया। इससे कुछ ही देर में विमान के अंदर गर्मी और घुटन बढ़ गई। परेशान यात्रियों ने इस स्थिति का विरोध करते हुए हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार, यात्री विमान में सवार होकर अपनी सीटों पर बैठ चुके थे। उड़ान से पहले ही विमान का एसी काम करना बंद हो गया। गर्मी बढ़ने के कारण यात्रियों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों ने विमान में पर्याप्त हवा और ठंडक नहीं होने की शिकायत की। लंबे समय तक समस्या दूर नहीं होने पर यात्रियों का गुस्सा बढ़ गया। यात्रियों ने विमान के अंदर की स्थिति को लेकर नाराजगी जताई और संबंधित कर्मचारियों से समस्या का तत्काल समाधान करने की मांग की। कुछ यात्रियों का कहना था कि इतनी गर्मी में विमान के भीतर बैठे रहना मुश्किल हो रहा था। यात्रियों के विरोध के बाद एयरलाइन कर्मचारियों ने स्थिति संभालने का प्रयास किया।

घटना के कारण आईजीआई एयरपोर्ट पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। यात्रियों ने विमान में बैठने से पहले ही एसी की व्यवस्था ठीक करने की मांग की। उनका कहना था कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस घटना ने विमान की तकनीकी जांच और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर सवाल खड़े किए हैं। यात्रियों ने एयरलाइन से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की। यात्रियों ने एयरलाइन प्रबंधन से तत्काल व्यवस्था सुधारने और भविष्य में ऐसी लापरवाही रोकने की मांग की।

स्वतंत्रता दिवस से पहले आईजीआई एयरपोर्ट पर सुरक्षा कड़ी, यात्रियों के लिए डायल की एडवाइजरी

एजेंसी, नई दिल्ली

आईजीआई एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच बढ़ी, यात्रियों को यात्रा से पहले जरूरी निर्देश जारी।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हवाई अड्डे के संचालन की जिम्मेदारी संभालने वाली डायल ने यात्रियों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी करते हुए उन्हें अपनी यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर घर से निकलने की सलाह दी है। सुरक्षा जांच बढ़ाए जाने के कारण टर्मिनल पर पहुंचने और प्रवेश प्रक्रिया में सामान्य दिनों की तुलना में अधिक समय लग सकता है।

डायल की ओर से यात्रियों से अपील की गई है कि वे अपनी उड़ान के निर्धारित समय को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त समय पहले हवाई अड्डे पहुंचें। यात्रियों को सलाह दी गई है कि सुरक्षा जांच और अन्य औपचारिकताओं के दौरान धैर्य बनाए रखें तथा सुरक्षा कर्मियों के निर्देशों का पालन करें। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए हवाई अड्डे के आसपास और टर्मिनल परिसर में सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी बढ़ाई गई है।

यात्रियों और उनके सामान की जांच भी सख्ती से की जा रही है। ऐसे में यात्रियों से कहा गया है कि वे प्रतिबंधित वस्तुएं साथ लेकर हवाई अड्डे पर न पहुंचें और यात्रा से पहले अपने सामान की अच्छी तरह जांच कर लें। डायल ने यात्रियों से अपने उड़ान कार्यक्रम की जानकारी पहले से जांचने की भी सलाह दी है।

खराब मौसम या सुरक्षा व्यवस्था के कारण उड़ानों के संचालन में बदलाव की स्थिति में यात्रियों को संबंधित विमानन कंपनी से संपर्क कर ताजा जानकारी लेने को कहा गया है। हवाई अड्डे पर यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

कुलेसरा के पास हिंडन नदी का पानी सबसे ज्यादा प्रदूषित, ऑक्सीजन की मात्रा बेहद कम

ग्रेटर नोएडा में हिंडन नदी बेहाल, जहरीले पानी से त्वचा रोग का बढ़ा खतरा

एजेंसी, नई दिल्ली

हिंडन नदी में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की अधिकता, आसपास रहने वालों की बढ़ी मुश्किलें।

ग्रेटर नोएडा के कुलेसरा क्षेत्र के पास हिंडन नदी का पानी प्रदूषण के गंभीर संकट से जूझ रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश की नदियों में यहां हिंडन का पानी सबसे अधिक प्रदूषित स्थिति में पाया गया है। नदी के पानी में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा बेहद कम होने के साथ-साथ कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मौजूदगी भी काफी अधिक बताई गई है। इससे नदी के आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ गया है।

हिंडन नदी लंबे समय से प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है। औद्योगिक इकाइयों और शहरी क्षेत्रों से निकलने वाले गंदे पानी के नदी में पहुंचने के कारण इसकी स्थिति लगातार खराब होने की चिंता जताई जाती रही है। ग्रेटर नोएडा के कुलेसरा क्षेत्र में स्थिति विशेष रूप से गंभीर बताई जा रही है। नदी का पानी इतना दूषित हो गया है कि इसके सीधे संपर्क में आने से त्वचा संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ने की बात सामने आई है।

पानी में ऑक्सीजन की भारी कमी

नदी के पानी में घुलित ऑक्सीजन जलीय जीवन के लिए बेहद जरूरी होती है। जब पानी में ऑक्सीजन का स्तर बहुत कम हो जाता है तो मछलियों और अन्य जलीय जीवों के लिए परिस्थितियां प्रतिकूल हो जाती हैं। हिंडन के इस हिस्से में ऑक्सीजन की बेहद कम मात्रा नदी की खराब होती स्थिति का संकेत मानी जा रही है। पानी में ऑक्सीजन की कमी के साथ प्रदूषक तत्वों और बैक्टीरिया की अधिकता नदी के पारिस्थितिक तंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इससे नदी की प्राकृतिक क्षमता प्रभावित होने के साथ आसपास के पर्यावरण पर भी असर पड़ सकता है।

कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की अधिकता

हिंडन के पानी में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा भी काफी अधिक बताई गई है। कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मौजूदगी आमतौर पर पानी में मलजनित प्रदूषण या अन्य जैविक प्रदूषण की ओर संकेत करती है। ऐसे पानी के सीधे संपर्क में आने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

स्थानीय स्तर पर यह चिंता भी सामने आई है कि नदी के आसपास रहने वाले लोगों में त्वचा संबंधी बीमारियां देखी जा रही हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, आसपास के लगभग 30 प्रतिशत लोगों के त्वचा रोग से प्रभावित होने की बात कही गई है। हालांकि, किसी बीमारी और नदी के पानी के बीच सीधा कारण स्थापित करने के लिए चिकित्सकीय और वैज्ञानिक जांच जरूरी होगी।

लोगों की सेहत पर बढ़ी चिंता

नदी के आसपास रहने वाले लोगों के लिए हिंडन का प्रदूषण केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा भी बन गया है। स्थानीय आबादी नदी और उसके आसपास के जल स्रोतों पर किसी न किसी रूप में निर्भर रहती है। ऐसे में दूषित पानी का संपर्क लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए गंदे नालों और औद्योगिक अपशिष्ट के प्रवाह को रोकना जरूरी है। साथ ही नियमित जल गुणवत्ता जांच, प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों की पहचान और नियमों का सख्ती से पालन कराने की आवश्यकता है।हिंडन नदी की स्थिति में सुधार के लिए केवल सफाई अभियान पर्याप्त नहीं होगा। नदी में पहुंच रहे प्रदूषित पानी के स्रोतों को नियंत्रित करना और सीवेज के उचित उपचार की व्यवस्था करना जरूरी होगा।

गाजियाबाद में बच्चा चोर गैंग का खुलासा दो महिलाओं समेत सात आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, गाजियाबाद

गाजियाबाद में टीला मोड़ पुलिस ने नवजात शिशुओं की तस्करी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मामले में दो महिलाओं समेत कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पांच नवजात बच्चों की तस्करी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने सभी पांच बच्चों को सुरक्षित बरामद कर उनके वास्तविक परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह नवजात बच्चों का अपहरण कर उन्हें दूसरे लोगों को बेचने का काम करता था। बच्चों का सौदा चार से पांच लाख रुपये में किया जाता था। पुलिस को आशंका है कि गिरोह के सदस्य लंबे समय से इस अवैध कारोबार में सक्रिय थे और इसका नेटवर्क बिहार तथा हरियाणा तक फैला हुआ था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ कर पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का भी प्रयास कर रही है कि गिरोह ने अब तक कितने बच्चों को निशाना बनाया है और इनके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पांचों बच्चों की सुरक्षित बरामदगी के बाद पुलिस ने उन्हें उनके परिवारों तक पहुंचा दिया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के पूरे नेटवर्क को उजागर कर उसके अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार करने का प्रयास जारी है।पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के लिए हर महीने मिलेंगे 500-1000 रुपए

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार निर्माण श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्रवृत्ति योजना के तहत आर्थिक सहायता दे रही है। योजना के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को पढ़ाई के स्तर के अनुसार हर महीने 500 से 1000 रुपये तक की सहायता मिल सकती है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों के बच्चों को शिक्षा जारी रखने में मदद करना है। योजना का लाभ लेने के लिए पात्र आवेदकों को निर्धारित शर्तें पूरी करनी होंगी और आवश्यक दस्तावेज जमा कराने होंगे। आवेदन की अंतिम तारीख 14 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। ऐसे में पात्र श्रमिक परिवारों को समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है। आवेदन के दौरान पहचान, श्रमिक पंजीकरण, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और बैंक खाते से संबंधित दस्तावेज जरूरी हो सकते हैं। विभाग ने पात्र परिवारों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना आवेदन करें। सत्यापन के बाद पात्र विद्यार्थियों को योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए, सभी दस्तावेज सही और स्पष्ट रूप में जमा करना जरूरी होगा।

जम्मू-कश्मीर की 'वंदे मात्रम' व 'हर घर तिरंगा' मुहिम देश के लिए बनी प्रेरणा का स्रोत : उपराज्यपाल

जम्मू-कश्मीर की तिरंगा यात्रा ने जगाया राष्ट्रप्रेम, एकता और कर्तव्य का भाव

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

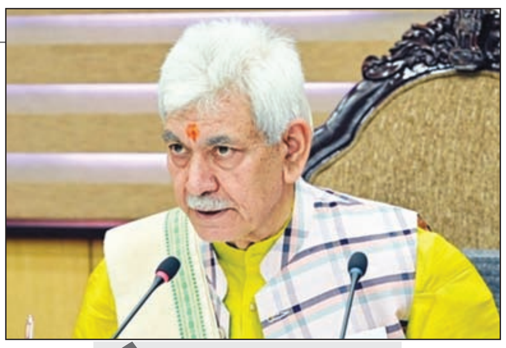

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान लोगों की जागरूकता का उत्सव और देशप्रेम की मजबूत परंपरा बन चुका है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि तिरंगे की भावना केवल घरों की छतों तक सीमित न रहे, बल्कि उनके विचारों, चरित्र और कार्यों में भी दिखाई दे।

श्रीनगर के एसकेआईसीसी से तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद बॉटनिकल गार्डन में आयोजित तिरंगा महोत्सव को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि 2022 में शुरू हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान का उद्देश्य प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि जब लाखों घरों पर तिरंगा लहराता है तो देशवासियों के दिल एक भावना, विश्वास और संकल्प से जुड़ते हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष 'हर घर तिरंगा' के साथ बंकिम चंद्र चटर्जी के 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष भी मनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आत्मा है तो 'वंदे मातरम' उस आत्मा की अमर आवाज है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इस गीत ने देशवासियों में आत्मविश्वास, साहस और राष्ट्रीय चेतना जगाने का काम किया।

> **सिन्हा** ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में तिरंगा और वंदे मातरम अभियान नए आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों से ऐसा जम्मू-कश्मीर और भारत बनाया जा सकता है, जहां समान अवसर, शांति, सुरक्षा और विकास सुनिश्चित हों।

सिन्हा ने अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बांदीपोरा, बारामूला, पुलवामा, पुंछ, राजौरी, किश्तवाड़, जम्मू और श्रीनगर समेत विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की भागीदारी पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने युवाओं और नागरिकों से अभियान के अगले चरण में भी प्रदेश को अग्रणी बनाए रखने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि इन अभियानों का उद्देश्य केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराना नहीं, बल्कि नागरिकों को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों पर आत्ममंथन के लिए प्रेरित करना भी है। उन्होंने लोगों से समृद्ध, सुरक्षित और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण में योगदान देने तथा ईमानदारी, सेवा, एकता और समर्पण की भावना को मजबूत करने का संकल्प लेने की अपील की।

देशभक्ति का संकल्प

तिरंगे के प्रति सम्मान केवल एक दिन या किसी विशेष आयोजन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के दैनिक जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। उपराज्यपाल ने युवाओं से देश के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम और महान स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए नई पीढ़ी का जागरूक, जिम्मेदार और संवेदनशील होना जरूरी है। सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने बीते वर्षों में देशभक्ति, एकता और विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। तिरंगा यात्राओं और विभिन्न कार्यक्रमों में लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी इसका प्रमाण है।

जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर बारिश की संभावना

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज अस्थिर रहने की संभावना है। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने 13 अगस्त से प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान जताया है। कुछ स्थानों पर थोड़े समय के लिए तेज और भारी बारिश भी हो सकती है।

आज से 15 अगस्त तक जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इस दौरान सुबह तथा देर दोपहर और शाम के समय कुछ स्थानों पर अचानक तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने लोगों को स्थानीय मौसम परिस्थितियों को देखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी है। 16 से 19 अगस्त तक मौसम के और अस्थिर रहने का अनुमान है। इस अवधि में कई स्थानों पर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। कुछ जिलों में भारी बारिश या थोड़े समय के लिए तेज बौछारें होने की संभावना है। इसका असर विशेष रूप से सुबह और दोपहर के समय देखने को मिल सकता है।

धमकियों के बावजूद कश्मीरी हिंदुओं ने घाटी लौटने का दोहराया संकल्प

आतंकी धमकी से नहीं डरे कश्मीरी हिंदू बोले – पुश्तैनी जमीन पर लौटकर बसेंगे

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल की ओर से कश्मीरी हिंदुओं को ऑनलाइन धमकी दिए जाने के बाद घाटी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। धमकी के जवाब में कश्मीरी हिंदुओं ने स्पष्ट कहा है कि वे आतंकियों के डराने-धमकाने से पीछे नहीं हटेंगे। उनका कहना है कि घाटी में मंदिरों का पुनर्निर्माण हो रहा है और कश्मीरी पंडित अपनी पुश्तैनी जमीन पर लौटने की कोशिश कर रहे हैं।

कश्मीरी हिंदू समुदाय से जुड़े लोगों ने कहा कि बीते कुछ समय में घाटी में पुनर्वास की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। कई परिवार अपनी पैतृक संपत्तियों, कृषि और बागवानी भूमि से जुड़े अधिकारों को वापस पाने के प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन इस बदलाव से परेशान हैं और धमकियों के जरिए कश्मीरी पंडितों की वापसी की प्रक्रिया को प्रभावित करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि यदि सरकार रहने की पर्याप्त व्यवस्था और मजबूत सुरक्षा उपलब्ध कराए तो कश्मीरी पंडित घाटी में वापस लौटने से नहीं डरेंगे। समुदाय के लोगों ने सुरक्षा बलों पर भरोसा जताते हुए कहा कि वापसी के लिए स्पष्ट योजना, सुरक्षित वातावरण और प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने कहा कि आतंकियों की धमकियों का उद्देश्य लोगों में भय पैदा करना है, लेकिन इस बार वे डरने वाले नहीं हैं।

कर्मचारियों को घर से काम करने के निर्देश : ऑनलाइन धमकी सामने आने के बाद घाटी में तैनात विस्थापित कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सतर्कता बढ़ाई है। कुछ कर्मचारियों को फिलहाल घर से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियां उन इलाकों पर भी नजर रख रही हैं, जहां कश्मीरी हिंदू कर्मचारी और उनके परिवार रह रहे हैं।

कर्मचारियों को निशाना बनाने की धमकी : जानकारी के अनुसार, आतंकी संगठन की ओर से जारी धमकी भरे दस्तावेज में प्रधानमंत्री पैकेज के तहत कार्यरत कुछ कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों के नाम और संपर्क संबंधी जानकारी सार्वजनिक की गई है। इसे सुरक्षा एजेंसियां गंभीर खतरे के रूप में देख रही हैं।

उदयवाला में नताशा की संदिग्ध मौत ने खड़े किए गंभीर सवाल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। शहर के उदयवाला इलाके में 29 वर्षीय युवती नताशा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से कई सवाल खड़े हो गए हैं। नताशा का शव घर की छत पर मिला। परिजनों और परिचितों को बताया गया कि उसकी मौत सीढ़ियों से गिरने के कारण हुई है, लेकिन शव छत पर मिलने से रिश्तेदारों ने घटना की परिस्थितियों पर संदेह जताया है। नताशा की भाभी ने भी हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। रिश्तेदारों के अनुसार नताशा अपनी मां के साथ रहती थी। उसके पिता की करीब एक वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी थी, जबकि उसकी मां के मानसिक रूप से बीमार होने की बात सामने आई है।

चौधरी लाल सिंह ने भूख हड़ताली खिलाड़ियों की मांगों का किया समर्थन

◆ **खिलाड़ियों ने सूची में पारदर्शिता की उठाई मांग, लाल सिंह ने निष्पक्ष जांच का किया समर्थन।**

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता चौधरी लाल सिंह ने बुधवार को अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे उत्कृष्ट खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने खिलाड़ियों की समस्याएं सुनीं और उनकी मांगों के प्रति अपना समर्थन जताया। इस दौरान खिलाड़ियों ने जम्मू-कश्मीर में उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची तैयार करने की प्रक्रिया को लेकर कई सवाल उठाए। खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि सूची तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की, ताकि योग्य और पात्र खिलाड़ियों के साथ किसी प्रकार का अन्याय न हो।

खनन प्रतिबंधों से बारामूला की विकास परियोजनाओं पर लगा ब्रेक

भारतेंदु संवाददाता, बारामूला। बारामूला के विधायक जावेद हसन बेग ने बुधवार को कहा कि खनन कार्यों और खनन सामग्री की ढुलाई पर लगे प्रतिबंधों के कारण जिले में स्वीकृत कई विकास परियोजनाएं अब तक शुरू नहीं हो सकी हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण सामग्री की उपलब्धता प्रभावित होने से विकास कार्यों में लगातार बाधाएं आ रही हैं।

बेग के अनुसार खनन सामग्री के निष्कर्षण और परिवहन पर प्रतिबंधों के कारण ठेकेदारों को निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक सामग्री की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। उपलब्धता कम होने के कारण निर्माण सामग्री की कीमतों में भी काफी वृद्धि हुई है। इससे परियोजनाओं की लागत बढ़ने के साथ उनके क्रियान्वयन पर भी असर पड़ रहा है।

तनवीर सादिक बोले – कश्मीरी युवाओं पर संदेह बंद करे सरकार, विश्वास बहाली जरूरी

महबूबा मुफ्ती के युवाओं को परेशान न करने वाले बयान का किया समर्थन

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

नेशनल कान्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता और जाडीबल से विधायक तनवीर सादिक ने केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन से स्थानीय युवाओं को बेवजह संदेह के घेरे में नहीं लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई से कश्मीर और दिल्ली के बीच विश्वास की दूरी बढ़ सकती है। अनंतनाग में पुलिस हेड कांस्टेबल की हत्या का उल्लेख करते हुए सादिक ने कहा कि किसी आतंकी घटना के बाद पूरे स्थानीय युवा वर्ग को शक की नजर से देखना उचित नहीं है।

सादिक ने कहा कि यदि कश्मीर और दिल्ली के बीच दिलों की दूरी कम करनी है तो स्थानीय लोगों पर भरोसा करना होगा। उन्होंने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के उस बयान का भी समर्थन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ तत्व आतंकी घटनाओं का फायदा उठाकर युवाओं के प्रति संदेह का माहौल बनाते हैं। सादिक ने कहा कि नेशनल कान्फ्रेंस इस मुद्दे को केंद्र सरकार के सामने उठाएगी।

उन्होंने बिजली दरों में बढ़ोतरी की अटकलों को भी खारिज करते हुए कहा कि प्रशासन की ओर से अभी कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

वहीं अपनी पार्टी के अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने भी अधिकारियों से कश्मीर के युवाओं को परेशान नहीं करने और उन्हें स्वतंत्रता दिवस समारोहों में खुलकर भाग लेने देने की अपील की।

चार दिन बाद एक लापता युवक का मिला शव दूसरे की तलाश जारी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। खौड़ क्षेत्र से पिछले चार दिनों से लापता दो युवकों की तलाश में जुटी एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस को बुधवार को बड़ी सफलता मिली। संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान गजे सिंह चिब का शव बरामद कर लिया गया। वहीं, दूसरे लापता युवक राकेश सिंह की तलाश अभी भी जारी है।

जानकारी के अनुसार गजे सिंह चिब और राकेश सिंह पिछले चार दिनों से लापता थे। दोनों के लापता होने के बाद परिजनों ने उनकी तलाश के लिए प्रशासन से मदद की गुहार लगाई थी। इसके बाद सुरक्षा बलों और बचाव दलों ने संभावित क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया।

विस्थापितों ने समिति से घर वापसी और पुनर्वास की उठाई मांग

79 साल बाद भी घर वापसी की आस, विस्थापितों ने समिति को सौंपा ज्ञापन

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

1947 के विस्थापन, पुनर्वास और 2014 के वादे पूरे करने की अपील की।

जम्मू-कश्मीर की जनसांख्यिकीय स्थिति में हुए बदलाव का अध्ययन करने के लिए जम्मू पहुंची केंद्र सरकार की उच्चस्तरीय समिति के समक्ष गुलाम जम्मू-कश्मीर के विस्थापितों ने अपनी समस्याएं और मांगें रखीं। विस्थापितों की संस्था एसओएस इंटरनेशनल के चेयरमैन राजीव चुनी ने समिति को बताया कि इन लोगों का जनसांख्यिकीय विस्थापन वर्ष 1947 में ही हो गया था, जब पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर हमला कर वहां कब्जा कर लिया था।

चुनी के अनुसार, पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों को अपने घर और जमीन छोड़कर जम्मू-कश्मीर के भारतीय हिस्से में आकर बसना पड़ा। उन्होंने बताया कि करीब 26,300 विस्थापित परिवार जम्मू-कश्मीर में आकर बसे, जबकि 5,300 पंजीकृत और करीब 9,500 गैर-पंजीकृत विस्थापित परिवारों को देश के दूसरे राज्यों में जाकर रहना पड़ा।

चुनी ने समिति के सामने कहा कि विस्थापित परिवारों की समस्या आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

मुआवजे और पुनर्वास की मांग पर जोर

एसओएस इंटरनेशनल के चेयरमैन ने केंद्र सरकार की वर्ष 2014 की कैबिनेट बैठक में विस्थापित परिवारों के लिए 25 लाख रुपये के मुआवजे से जुड़े निर्णय का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में घोषणा के बावजूद सभी पात्र परिवारों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया। चुनी ने बताया कि विस्थापितों के पुनर्वास के साथ-साथ 8,500 सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराने की बात भी सामने आई थी, लेकिन यह मांग भी अब तक पूरी तरह लागू नहीं हो सकी है। उन्होंने समिति से विस्थापित परिवारों के लिए घोषित योजनाओं और राहत पैकेज को प्रभावी तरीके से लागू कराने की मांग की।

तवी किनारे सजेगी महाराजा हरि सिंह की भव्य स्मृति, 50 लाख से होगा सौंदर्यीकरण

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

तवी पुल के पास स्थापित महाराजा हरि सिंह की प्रतिमा स्थल का जल्द ही व्यापक सौंदर्यीकरण किया जाएगा। जम्मू नगर निगम ने युवा राजपूत सभा के प्रस्ताव पर इस परियोजना को मंजूरी देते हुए करीब 50 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया है। महाराजा हरि सिंह की आगामी जयंती के अवसर पर शहरवासियों को इस विकसित स्थल की सौगात देने की तैयारी है।

परियोजना के तहत प्रतिमा स्थल पर अमर ज्योति स्थापित की जाएगी। प्रतिमा को सुरक्षा और आकर्षण के लिए विशेष शीशे से ढका जाएगा। इसमें आधुनिक प्रकाश व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे रात के समय प्रतिमा स्थल भव्य नजर आएगा। परिसर में सुंदर फव्वारा लगाने के साथ फूलों से सजी रंग-बिरंगी क्यारियां विकसित की जाएंगी।

जम्मू नगर निगम आयुक्त देवांश यादव ने बताया कि परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके लिए युवा राजपूत सभा और संबंधित पक्षों से सुझाव लिए जा रहे हैं। निगम का प्रयास है कि महाराजा हरि सिंह की जयंती से पहले परियोजना के अधिकतर प्रमुख कार्य पूरे कर लिए जाएं।

श्रीनगर में तिरंगा यात्रा से गूंजा देशभक्ति का संदेश, उमड़ा जनसैलाब

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

खराब मौसम के बीच तिरंगा यात्रा में उमड़ा देशभक्ति का सैलाब

जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर बुधवार को तिरंगों से सराबोर नजर आई। 'हर घर तिरंगा' अभियान और राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यात्रा में शामिल होकर राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का संदेश दिया।

श्रीनगर के एसकेआईसीसी से शुरू हुई तिरंगा यात्रा डल झील के किनारे से होते हुए बॉटनिकल गार्डन तक पहुंची। खराब मौसम के बावजूद विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी, कर्मचारी, अधिकारी और समाज के अलग-अलग वर्गों के लोग हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए।

बॉटनिकल गार्डन में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि तिरंगा भारत की चेतना, गौरव और सामूहिक शक्ति का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कश्मीर की धरती पर तिरंगा देश की एकता और अखंडता का संदेश दे रहा है। 'वंदे मातरम्' इसकी अमर आवाज है।

सिन्हा ने कहा कि 2022 में शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान अब जनचेतना और राष्ट्रभक्ति की परंपरा बन चुका है। करोड़ों घरों पर तिरंगा फहराने से देशवासियों में एकता और भावनात्मक जुड़ाव मजबूत हुआ है।

बैटरी कार सेवा बहाल, 20 हजार श्रद्धालुओं ने किए माता के दर्शन

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा। मौसम में सुधार होते ही श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड प्रशासन ने बुधवार सुबह श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण बैटरी कार मार्ग खोल दिया। मार्ग खुलने के बाद भवन की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली। बैटरी कार सेवा भी सुचारू हो गई, जिससे यात्रियों को यात्रा में काफी सुविधा मिली।

बुधवार को दोपहर तक कटड़ा और आसपास के क्षेत्रों में मौसम साफ रहा तथा धूप खिली रही। हालांकि, त्रिकूट पर्वत पर बादलों का जमघट बना रहा। इसके कारण कटड़ा से भवन के बीच संचालित हेलीकॉप्टर सेवा बीच-बीच में प्रभावित हुई। इसके बावजूद यात्रा मार्ग पर घोड़ा, पिट्ठू, पालकी और बैटरी कार जैसी सुविधाएं श्रद्धालुओं को मिलती रहीं।

◆ **मौसम सुधरा, बैटरी कार मार्ग खुला, यात्रा सुचारू**

मंगलवार को 20 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन : वर्तमान में मां वैष्णो देवी यात्रा के सभी प्रमुख मार्ग सुचारू हैं। श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भवन की ओर बढ़ रहे हैं। बुधवार दोपहर एक बजे तक करीब 12 हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर यात्रा के लिए रवाना हो चुके थे। वहीं मंगलवार को करीब 20 हजार श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दर्शन किए। आने वाले दिनों में त्योहार और अवकाश के चलते श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना है। वर्तमान में प्रतिदिन करीब 18 हजार से 22 हजार श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए कटड़ा पहुंच रहे हैं।

मौसम पर लगातार निगरानी : बरसात के मौसम के कारण त्रिकूट पर्वत और यात्रा मार्ग पर मौसम में तेजी से बदलाव हो रहा है। इसे देखते हुए श्राइन बोर्ड का आपदा प्रबंधन दल, प्रशासन, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान यात्रा मार्गों पर तैनात हैं। संबंधित टीमें मार्गों की स्थिति पर लगातार निगरानी रख रही हैं।

36 साल बाद प्रेमी हत्याकांड में एसआईए की बड़ी कार्रवाई, नौ ठिकानों पर छापेमारी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। कश्मीरी पंडित लेखक, कवि और सामाजिक कार्यकर्ता सर्वानंद कौल प्रेमी तथा उनके बेटे वीरेंद्र कौल की वर्ष 1990 में हुई हत्या के मामले में 36 साल बाद राज्य जांच एजेंसी ने कार्रवाई तेज कर दी है। बुधवार को एसआईए ने जम्मू-कश्मीर में नौ स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर मामले से जुड़े संदिग्धों और संभावित साक्ष्यों की तलाश की।

अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई अनंतनाग के दूरू थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 45/1990 के आधार पर चल रही जांच का हिस्सा है। जम्मू के बागे-बाहू क्षेत्र स्थित शहबाज कॉलोनी में मोहम्मद असलम के घर पर भी एसआईए की टीम ने तलाशी ली। टीम ने दस्तावेजों और अन्य संभावित साक्ष्यों की जांच की। हालांकि छापेमारी में क्या बरामद हुआ, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सर्वानंद कौल प्रेमी कश्मीर के प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, लेखक और अनुवादक थे। उन्होंने दो दर्जन से अधिक पुस्तकें लिखीं और भगवद्गीता, रामायण तथा रवींद्रनाथ टैगोर की गीतांजलि का कश्मीरी में अनुवाद किया था।

महंगाई | नई दरों से उपभोक्ताओं पर बढ़ेगा बोझ, आयोग जल्द लेगा अंतिम फैसला

जम्मू-कश्मीर में बिजली दरों में पांच प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर के बिजली उपभोक्ताओं को आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में महंगाई का एक और झटका लग सकता है। जम्मू-कश्मीर की दोनों बिजली वितरण कंपनियों कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कार्पोरेशन लिमिटेड और जम्मू पावर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड ने सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं की बिजली दरों में पांच प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है। दोनों कंपनियों ने इस संबंध में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संयुक्त विद्युत नियामक आयोग के समक्ष अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की हैं।

आयोग प्रस्ताव पर जनता और संबंधित पक्षों की आपत्तियां एवं सुझाव सुनने की प्रक्रिया पूरी कर चुका है।

पांच प्रतिशत बढ़ोतरी से बढ़ेगा बिल

अब अंतिम निर्णय आयोग की मंजूरी के बाद लिया जाएगा। वितरण कंपनियों ने सरकार से मिलने वाली सब्सिडी को ध्यान में रखते हुए समान रूप से पांच प्रतिशत वृद्धि की सिफारिश की है।

बिजली दरों का नया ढांचा प्रस्तावित

बिजली दरों की मौजूदा व्यवस्था को सरल बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया है। उपभोक्ताओं की 13 श्रेणियों को घटाकर आठ तथा 47 उप-श्रेणियों को घटाकर 22 करने की योजना है। वर्तमान में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट तक 2.30 रुपये, 201 से 400 यूनिट तक चार रुपये और 400 यूनिट से अधिक खपत पर 4.35 रुपये प्रति यूनिट दर है। व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए दरें 3.55 से 5.85 रुपये प्रति यूनिट तक हैं।

आयोग के फैसले पर टिकी नजरें

प्रस्ताव पर सुनवाई पूरी होने के बाद अब उपभोक्ताओं की नजर आयोग के अंतिम आदेश पर है। यदि पांच प्रतिशत बढ़ोतरी को मंजूरी मिलती है तो नए वित्तीय वर्ष से बिजली बिल में वृद्धि दिखाई दे सकती है। उपभोक्ता संगठनों की ओर से दरों में बढ़ोतरी के प्रभाव को लेकर चिंता जताई जा रही है। आयोग के फैसले के बाद ही स्पष्ट होगा कि प्रस्तावित पांच प्रतिशत वृद्धि सभी श्रेणियों पर समान रूप से लागू होगी या कुछ उपभोक्ता वर्गों के लिए अलग व्यवस्था रखी जाएगी।

उपभोक्ताओं पर संभावित असर

प्रस्तावित बदलाव का असर घरेलू, व्यावसायिक और अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। बिजली वितरण कंपनियों का तर्क है कि बढ़ती लागत और बिजली आपूर्ति से जुड़े खर्च को देखते हुए संशोधित दरों की जरूरत है। हालांकि, अंतिम फैसला नियामक आयोग द्वारा सभी पक्षों की दलीलों और आपत्तियों पर विचार करने के बाद किया जाएगा। नए ढांचे में श्रेणियों की संख्या कम होने से उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों को समझना आसान होने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री सहारा योजना की प्रक्रिया हुई आसान

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। मुख्यमंत्री सहारा योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के लिए आवेदन से लेकर वित्तीय सहायता के भुगतान तक की प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन कर दी गई है। जिला कल्याण अधिकारी रमेश चंद बंसल ने बताया कि पात्र व्यक्ति हिम परिवार के ई-कल्याण मंच या नजदीकी लोकमित्र केंद्र के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत पार्किंसन, घातक कैंसर, स्थायी दिव्यांगता के साथ लकवा, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, गुर्दा विफलता तथा अन्य गंभीर बीमारियों से स्थायी रूप से कार्य करने में असमर्थ पात्र लोगों को प्रतिमाह 3,000 रुपए की सहायता दी जाती है। आवेदन के लिए आधार कार्ड, मेडिकल रिकॉर्ड, हिमाचली प्रमाण-पत्र, बीपीएल अथवा आय प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड, आयु प्रमाण-पत्र, परिवार नकल और सक्रिय बैंक/डाकघर खाता आवश्यक है। आवेदन की जांच के बाद चिकित्सा समिति की अनुशंसा पर उपायुक्त अंतिम स्वीकृति देते हैं। बिलासपुर में अब तक 300 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि अप्रैल-जून 2026 के लिए 282 सक्रिय लाभार्थियों को सहायता जारी की गई है।

नगरोटा में 15 ग्राम चिट्टा बरामद, तीन गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांगड़ा जिला के पुलिस थाना नगरोटा बगवां की पुलिस द्वारा बीती देर रात को गश्त व नाकाबंदी के दौरान पिकअप गाड़ी से 15 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में गाड़ी में सवार तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की है। एसपी कांगड़ा कुलभूषण वर्मा ने बताया कि बीती देर रात नगरोटा बगवां की पुलिस टीम को मिली गुप्त सूचना के आधार पर ट्रैफिक कार्यालय नगरोटा बगवां के समीप एक सफेद रंग की पिकअप गाड़ी (एचपी-37जे-4836) को जांच के लिए रोका गया। नियमानुसार स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में गाड़ी की गहन तलाशी ली गई, तलाशी के दौरान पिकअप गाड़ी से 15 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद हुआ। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया व बरामद मादक पदार्थ और वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रवीण कुमार, निवासी व्याड़ा, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, अंकुश, निवासी रक्कड़, तहसील बैजनाथ, जिला कांगड़ा तथा अनिल, निवासी अन्द्रेटा, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर आगामी जांच अमल में लाई जा रही है।

पठानकोट में पेड़ से टकराई बाइक, युवक की मौत

एजेंसी, पठानकोट। पठानकोट में बारिश के दौरान दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बारिश में मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ने से बाइक सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान विक्रम आदित्य शर्मा (23), पुत्र दिनेश कुमार निवासी वार्ड नंबर 6 मामून गुरयाल के रूप में हुई है। मूल रूप से कांगड़ा के गांव महमू का रहने वाला आदित्य पठानकोट के एक बड़े ज्वेलरी शोरूम में काम करता था। मंगलवार रात करीब 8:30 बजे विक्रम मोटरसाइकिल से किसी काम के सिलसिले में पंगोली चौक की ओर गया था। लौटते समय मूसलाधार बारिश के बीच अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए। आदित्य गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके चलते उसकी जान चली गई। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज करने के बाद सिविल अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया और उसे अंतिम संस्कार के लिए वारिसों को सौंप दिया।

गौतम आर. देसिराजु को 14वां एवॉल्ड पुरस्कार

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के प्रोफेसर एमेरिटस गौतम आर. देसिराजु को क्रिस्टल इंजीनियरिंग में अग्रणी योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिस्टलोग्राफी संघ के 14वें एवॉल्ड पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान 11 अगस्त 2026 को कनाडा के कैलगरी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय क्रिस्टलोग्राफी संघ की कांग्रेस में प्रदान किया गया। प्रोफेसर देसिराजू को सुप्रामॉलिक्यूलर सिंथॉन की अवधारणा तथा आणविक क्रिस्टलों एवं जैविक प्रणालियों में कमजोर हाइड्रोजन एवं हैलोजन बंधनों के संरचनात्मक महत्व को स्थापित करने के लिए यह प्रतिष्ठित सम्मान मिला है। उनके शोध से औषधीय सह-क्रिस्टलों के माध्यम से दवाओं की घुलनशीलता और जैवउपलब्धता सुधारने की संभावनाएं विकसित हुई हैं। आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने इस उपलब्धि को संस्थान और भारतीय विज्ञान के लिए गर्व का विषय बताया। प्रो. देसिराजू के 475 से अधिक शोध प्रकाशन और 80,000 से अधिक उद्धरण हैं।

कांगड़ा में कार सवार दो युवकों से चिट्टा बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांगड़ा पुलिस की सीआईए टीम द्वारा पुलिस थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान कार सवार दो युवकों से 6.66 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक हनुमान चौक, कांगड़ा बाईपास पर जब पुलिस टीम गश्त और चेकिंग पर तैनात थी, तब संदेह के आधार पर एक ऑल्टो कार को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर कार सवार दोनों युवकों के कब्जे से 6.66 ग्राम अवैध मादक पदार्थ चिट्टा/हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन राणा (उम्र 31 वर्ष), निवासी गांव व डाकघर टंग नरवाणा, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा तथा पार्थ शर्मा (उम्र 20 वर्ष), निवासी गांव व डाकघर टंग नरवाणा, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। पुलिस ने प्रतिबंधित पदार्थ और अपराध में इस्तेमाल की जा रही ऑल्टो गाड़ी को भी कब्जे में ले लिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना कांगड़ा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय, घुमारवीं में महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की ओर से छात्राओं के लिए यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कला, विज्ञान, वाणिज्य तथा स्ववित्तपोषित संकाय की छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों की जानकारी देना था। समिति सदस्यों ने छात्राओं को शारीरिक, मानसिक या यौन उत्पीड़न की स्थिति में आंतरिक शिकायत समिति के समक्ष शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया समझाई। साथ ही शिकायत की जांच और निवारण की प्रक्रिया पर भी जानकारी दी गई। छात्राओं ने अधिनियम से जुड़े सवाल पूछे और अपने अनुभव साझा किए। संयोजिका डॉ. अंजना कुमारी ने छात्राओं से उत्पीड़न के खिलाफ निडर होकर आवाज उठाने का आह्वान किया।

17 से शुरू होगा एलईपी 2.0 का जीरो पीरियड

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। विद्यार्थियों की अधिगम संबंधी कमियों को दूर करने और आधारभूत शैक्षणिक कौशल मजबूत करने के लिए समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश के तहत एलईपी 2.0 का जीरो पीरियड 17 अगस्त 2026 से जिले के सभी राजकीय माध्यमिक, उच्च और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शुरू होगा। कार्यक्रम प्रतिदिन 45 मिनट सुबह 9 से 9:45 बजे तक चलेगा और करीब 12 सप्ताह तक संचालित किया जाएगा। जिला परियोजना अधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि कक्षा 6 से 10 तक गणित, अंग्रेजी और हिंदी की आधारभूत अध्ययनों को मजबूत किया जाएगा। सप्ताह में सामान्यतः गणित के तीन, अंग्रेजी के दो और हिंदी का एक जीरो पीरियड होगा। शिक्षक उपलब्धता के अनुसार स्कूल समयसारिणी में विषयवार रोटेशन किया जा सकेगा। कक्षा 11वीं और 12वीं के लिए सप्ताह में दो जीरो पीरियड केवल अंग्रेजी विषय के होंगे। स्कूल प्रमुखों को नियमित संचालन और उपस्थिति रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए गए हैं।

नूरपुर में 16.02 ग्राम चिट्टे सहित एक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए विंग नूरपुर की टीम ने पंजाब के एक युवक को छतरोली क्षेत्र में 16.02 ग्राम चिट्टे सहित गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने यह कार्रवाई गश्त के दौरान की। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने नूरपुर थाना में मामला दर्ज कर के आगामी कार्रवाई की है। आरोपी की पहचान अजय कुमार पुत्र राज कुमार, निवासी हरियाल, तहसील एवं जिला पठानकोट, पंजाब के रूप में हुई है। आरोपी के मोटरसाइकिल को भी कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी छतरोली खड्ड में चिट्टा/हेरोइन लेकर मौजूद था तथा इसे जसूर क्षेत्र में बेचने की फिराक में था। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम स्वतंत्र गवाहों के साथ मौके पर पहुंची और युवक को मोटरसाइकिल सहित काबू किया। मोटरसाइकिल की तलाशी लेने पर उसके डैशबोर्ड के अंदर छिपाकर रखा 16.02 ग्राम चिट्टा पाया गया। इस संबंध में पुलिस थाना नूरपुर में अभियोग एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

सीएम सुक्खू ने 1,500 मछुआरों को जारी की 52.50 लाख की सम्मान निधि

मछुआरा सहकारी समितियों का पांच गुना जुर्माना माफ करने का ऐलान

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में 1,500 मछुआरों के बैंक खातों में बुधवार को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने 3,500-3,500 रुपए की राशि भेजी।

मुख्यमंत्री ने झंडूता विधानसभा क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री मछुआरा सम्मान निधि योजना के तहत कुल 52.50 लाख रुपए की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण यानी डीबीटी के माध्यम से जारी की। मुख्यमंत्री ने मछुआरों से जुड़ी सहकारी समितियों पर लगाए गए पांच गुना जुर्माने को माफ करने की घोषणा भी की। इसके साथ ही मछली रखने के लिए कोल्ड स्टोरेज बनाने पर मिलने वाली सब्सिडी को 70 प्रतिशत से बढ़ाकर 80 प्रतिशत करने का ऐलान किया। उन्होंने प्रदेश के मछुआरों को लाइफ जैकेट उपलब्ध करवाने के लिए 50 लाख रुपए और मछुआरों के लिए लैंडिंग सुविधाएं तैयार करने के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। सुक्खू ने झंडूता विधानसभा क्षेत्र में 10 संपर्क सड़कों का निर्माण पूरा करने के लिए 10-10 लाख रुपए देने की घोषणा की।

उन्होंने सरकारी डिग्री कॉलेज झंडूता में बीसीए और बीबीए की कक्षाएं शुरू करने का भी ऐलान किया। धारसाणी में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों की बात सुनना और उनकी जरूरतों के अनुसार नीतियां बनाना ही 'व्यवस्था परिवर्तन' का वास्तविक अर्थ है। उन्होंने कहा कि वह एक सामान्य परिवार से उठकर मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे हैं और आम लोगों की परेशानियों को समझते हैं। उन्होंने कहा कि मछुआरे कड़ी मेहनत करते हैं और उनके योगदान को देखते हुए राज्य सरकार ने उनके हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में जलाशयों से पकड़ी जाने वाली मछली पर रॉयल्टी को 15 प्रतिशत से घटाकर 7.50 प्रतिशत किया गया था। अब इसे और घटाकर केवल एक प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मछली को दिल्ली और चंडीगढ़ जैसे बड़े बाजारों तक पहुंचाने के लिए रेफ्रिजरेटेड वाहनों की खरीद पर सरकार 70 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है।

सरकार का उद्देश्य मछुआरों को बेहतर और सुरक्षित जीवन देना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है, जिससे लोगों को अपने गांवों में ही रोजगार और आय के साधन मिल सकें। सुक्खू ने शिक्षा के मुद्दे पर पिछली भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उस समय हिमाचल प्रदेश गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में देश में 21वें स्थान पर पहुंच गया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से राज्य अब विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के मामले में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की पहल से 150 सीबीएसई स्कूल खोले गए हैं और इनमें करीब 24 हजार विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ा है।

पेट्रोल-डीजल पर सेस बढ़ाकर सुक्खू सरकार ने जनता की जेब पर डाला डाका : अनुराग ठाकुर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर सेस बढ़ाए जाने पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का हिमाचल में खटाखट मॉडल अब खटारा मॉडल बन चुका है। सरकार लगातार टैक्स, वैट और सेस बढ़ाकर आम जनता की जेब पर बोझ डाल रही है।

अनुराग ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के महज दो महीनों में ही वैट में बढ़ोतरी की गई और डीजल पर वैट बढ़ाकर 10.40 रुपए कर दिया गया। इसके बाद 5 रुपए का अतिरिक्त सेस लगाया गया। उन्होंने कहा कि तेल के माध्यम से आम आदमी की जेब पर यह चौथा हमला है। पेट्रोल-डीजल के बाद बस किराया और सीमेंट के दाम बढ़ाकर पहले ही जनता की मुश्किलें बढ़ाई जा चुकी हैं और अब फिर ईंधन महंगा कर प्रदेशवासियों का मासिक बजट बिगाड़ने का काम किया गया है।

उन्होंने कहा कि आज हिमाचल का ट्रक चालक, किसान, व्यापारी और आम उपभोक्ता महंगे पेट्रोल-डीजल की मार झेल रहा है, लेकिन कांग्रेस सरकार आंखें मूंदकर बैठी है। एक तरफ प्रदेश की जनता टैक्स की मार झेल रही है तो दूसरी तरफ प्रदेश पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। कांग्रेस सरकार अब कर्ज और टैक्स के सहारे चलने वाली सरकार बन गई है। अनुराग ने कहा कि सरकार अपनी नीतियों से हिमाचल का खजाना खाली करने और प्रदेश को 1.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज के दलदल में धकेलने के बाद अब टैक्स, वैट और सेस के जरिए जनता से वसूली कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि बार-बार की जा रही इस अतिरिक्त वसूली का पैसा आखिर प्रदेश के खजाने में जा रहा है या फिर कांग्रेस के हाईकमान और उसके मित्रों की सुविधा के लिए इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का टैक्स अंततः आम उपभोक्ता की जेब पर ही पड़ता है।

'सुख' नहीं शुल्क की सरकार चला रही कांग्रेस : जयराम ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल और डीजल पर 60 पैसे सेस लगाए जाने को लेकर नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा नेता जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता हासिल करने से पहले कांग्रेस ने जनता से बड़े-बड़े दावे किए, लेकिन सरकार बनने के बाद लोगों पर तरह-तरह के शुल्क और करों का बोझ डाला जा रहा है। जयराम ने बुधवार को कहा कि सरकार पहले ही दो बार वैट बढ़ा चुकी है और अब पेट्रोल तथा डीजल पर 60 पैसे का सेस लगाया गया है। उन्होंने इसे अनाथ एवं विधवा सेस के नाम पर जनता से पैसे वसूलकर सरकार चलाने का प्रयास बताया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्होंने विधानसभा में भी सरकार को चेताया था कि पेट्रोलियम उत्पादों पर टैक्स बढ़ाने का व्यापक असर पड़ता है और इससे परिवहन महंगा होने के साथ-साथ रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ती हैं। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री ने सदन में कहा था कि यह केवल एक प्रावधान है और सरकार इसे लागू नहीं करने जा रही है। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का यह दावा भी गलत साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है और यहां यातायात तथा आपूर्ति व्यवस्था मुख्य रूप से सड़क मार्ग पर निर्भर है। ऐसे में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा और महंगाई बढ़ेगी। जयराम ने सरकार की शुल्क लगाने की प्रवृत्ति पर उच्च न्यायालय की टिप्पणी का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने सरकार के एक आदेश को रद्द करते हुए कर लगाने के मामले में बुद्धिमत्ता और संवेदनशीलता बरतने की नसीहत दी है।

सिरमौर में शव लेकर जा रहा वाहन खाई में गिरा, चार की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले के श्री रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत संगड़ाह में मंगलवार मध्यरात्रि अस्पताल से एक व्यक्ति का शव लेकर गांव लौट रहे लोगों से भरी बोलेरो कैंपर गतलोग के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि वाहन चालक समेत नौ लोग घायल हुए हैं। सभी मृतक नौहराधार तहसील के अरलू गांव के रहने वाले थे।

मृतकों की पहचान राजेंद्र (37) पुत्र नूपा राम, देस राज (23) पुत्र प्रेम सिंह, रिखी राम (58) पुत्र जागर सिंह और राम गोपाल (62) पुत्र गंगा राम के रूप में हुई है। हादसा आधी रात को गतलोग के पास हुआ। जानकारी अनुसार 11 अगस्त को सुनिल शर्मा अपने ताऊ जगदीश शर्मा को लेकर संगड़ाह अस्पताल पहुंचे थे। जगदीश शर्मा को दिल का दौरा पड़ा था। अस्पताल में चिकित्सा अधिकारी ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद सुनिल शर्मा और उनके साथ आए लोगों ने जगदीश शर्मा के शव को गांव अरलू ले जाने के लिए बोलेरो कैंपर किराये पर ली। वाहन का नंबर एचपी 79-4595 है और इसे कपिल देव चला रहा था। पुलिस को दिए बयान में सुनिल शर्मा ने बताया कि जब वाहन गांव चिनाड के पास पहुंचा तो अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए परिवार और गांव के कुछ अन्य लोग भी इसमें सवार हो गए। इसके बाद सभी लोग जगदीश शर्मा का शव लेकर गांव अरलू की ओर रवाना हुए। वाहन गतलोग के पास पहुंचा तो चालक कपिल देव वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। इसके बाद बोलेरो कैंपर सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी। हादसा इतना गंभीर था कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में राजेंद्र, देस राज, रिखी राम और राम गोपाल ने दम तोड़ दिया। हादसे में बृज मोहन (62) पुत्र कंठी राम निवासी चिनाड, कृपा राम (61) पुत्र गंगा राम निवासी चिनाड, देवेंद्र सिंह (44) पुत्र हेम चंद निवासी चिनाड, सुनिल शर्मा (21) पुत्र राम स्वरूप निवासी चिनाड, राम स्वरूप (44) पुत्र दलीप सिंह निवासी अरलू, जय प्रकाश (45) पुत्र दया राम निवासी चिनाड, संदीप (21) पुत्र कमल निवासी अरलू, कमलेंद्र (48) पुत्र रामानंद निवासी चिनाड और वाहन चालक कपिल देव (39) पुत्र वीरेंद्र निवासी डूंगी, डाकघर लाना पालर, तहसील संगड़ाह घायल हुए हैं।

संगड़ाह अस्पताल में घायलों का उपचार किया गया। पुलिस के अनुसार कमलेंद्र, संदीप, राम स्वरूप और वाहन चालक कपिल देव को गंभीर चोटें आई हैं। चिकित्सा अधिकारी ने प्राथमिक उपचार के बाद चारों को बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज नाहन रेफर किया है। अन्य घायलों का उपचार संगड़ाह अस्पताल में चल रहा है। सिरमौर पुलिस के एक अधिकारी ने हादसे की पुष्टि की है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हादसे की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी में वाहन के अनियंत्रित होकर खाई में गिरने की बात सामने आई है।

हादसा किस वजह से हुआ, इसकी पूरी जानकारी जांच के बाद ही सामने आएगी। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शवों का पोस्टमार्टम सीएचसी संगड़ाह में करवाया जा रहा है। यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान सड़क हादसों और अन्य दुर्घटनाओं में लगातार लोगों की जान जा रही है। 30 जून से शुरू हुए मौजूदा मानसून सीजन में अब तक सड़क हादसों में इस दुर्घटना को मिलाकर 97 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें सबसे ज्यादा 16-16 मौतें चंबा और सिरमौर जिलों में हुई हैं। बारिश के दौरान पहाड़ी सड़कों पर फिसलन, खराब मौसम और कई जगहों पर सड़क की स्थिति वाहन चालकों के लिए लगातार चुनौती बनी हुई है।

बोलेरो से 7.86 ग्राम चिट्टा बरामद चालक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कीरतपुर-नेरचौक फोरलेन पर जगतखाना चौक में एक बोलेरो कैंपर से 7.86 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम जगतखाना चौक पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक बोलेरो कैंपर को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान चालक के कब्जे से चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान 36 वर्षीय पंकज ठाकुर निवासी नालग, डाकघर बरमाणा, तहसील सदर, बिलासपुर के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से नशीले पदार्थ की सप्लाई के स्रोत और संभावित नेटवर्क को लेकर पूछताछ कर रही है। एसपी बिलासपुर अभिषेक धीमान ने मामले की पुष्टि की है।

राजेंद्र राणा गिरफ्तारी देने सुजानपुर थाना पहुंचे, भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश सरकार पर राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कथित दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता व पूर्व विधायक राजेंद्र राणा बुधवार को अपने 48 घंटे के अल्टीमेटम के बाद स्वयं गिरफ्तारी देने सुजानपुर पुलिस थाना पहुंचे।

उनके साथ भाजपा मंडल सुजानपुर और बमसन के सैकड़ों कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने थाना परिसर के बाहर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। राणा ने पुलिस अधिकारियों के समक्ष कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र भाषा के इस्तेमाल के मामले में उन्होंने 48 घंटे में कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं के खिलाफ शिकायतों पर कुछ ही घंटों में मामले दर्ज कर दिए जाते हैं। राणा ने कहा, 'अगर सवाल पूछना गुनाह है तो मुझे गिरफ्तार कर लो। हम न भागेंगे और न बेल लेंगे।' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक दबाव में कार्रवाई कर रही है और पुलिस को कानून के अनुसार स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए। राणा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ऐसे मामलों से डरने वाले नहीं हैं। इस दौरान भाजपा नेताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर पिछले करीब ढाई महीने से लंबित बीडीसी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव जल्द करवाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव लंबित होने से पंचायती राज संस्थाओं का काम प्रभावित हो रहा है। सुजानपुर थाने के बाहर सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी और राणा के गिरफ्तारी देने पहुंचने को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गरमा गया।

कांगड़ा घाटी रेल सेवा पर फिर ब्रेक, पठानकोट की चार ट्रेनें रद्द

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। हिमाचल प्रदेश की ऐतिहासिक कांगड़ा घाटी नैरोगेज रेल सेवा पर एक बार फिर मौसम की मार पड़ी है। मूसलाधार बारिश और तलाड़ा रेलवे स्टेशन के पास हुए भूस्खलन के कारण उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने पठानकोट-बैजनाथ पपरोला रेलखंड पर चलने वाली चार ट्रेनों को 12 अगस्त से अगले आदेश तक रद्द कर दिया है। इससे क्षेत्र के यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है।

◆ 31 जुलाई को बहाल हुई रेल सेवा 12 दिन बाद फिर बंद

◆ तलाड़ा के पास लैंडस्लाइड से थमीं ट्रेनें

गौरतलब है कि करीब 10 दिनों की मरम्मत के बाद 31 जुलाई को ही इस रेलमार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही बहाल की गई थी। इससे पहले 21 जुलाई को भारी बारिश और मलबा आने के कारण रेल सेवा बाधित हुई थी। रेलवे की इंजीनियरिंग टीम ने दिन-रात काम कर ट्रैक को दुरुस्त किया था। लेकिन बहाली के महज 12 दिन बाद फिर बारिश और लैंडस्लाइड ने रेल सेवा को प्रभावित कर दिया। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 52467 पठानकोट-जोगिंदर नगर, 52465 पठानकोट-जोगिंदर नगर, 52470 बैजनाथ पपरोला-पठानकोट और 52474 जोगिंदर नगर-पठानकोट का संचालन अगले आदेश तक बंद रहेगा। हालांकि, बैजनाथ पपरोला-जोगिंदर नगर और बैजनाथ पपरोला-कोपरलाहड़ के सुरक्षित हिस्सों में चार ट्रेनें चलती रहेंगी। इनमें 52473, 52464, 52472 और 52469 शामिल हैं। रेल सेवा बंद होने से स्थानीय यात्रियों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। क्षेत्र के लोगों के अनुसार, बस से सफर करने पर रेल किराए की तुलना में करीब पांच गुना अधिक खर्च करना पड़ रहा है। रोजाना यात्रा करने वाले कर्मचारियों, विद्यार्थियों और व्यापारियों के लिए यह बड़ी परेशानी बन गई है। ट्रेनें बंद होने से सड़क मार्ग पर वाहनों का दबाव भी बढ़ गया है, जिससे कई स्थानों पर जाम की स्थिति पैदा हो रही है। कांगड़ा घाटी की नैरोगेज रेल सेवा पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। ट्रेन के बार-बार बंद होने से स्थानीय पर्यटन कारोबार, होटल और दुकानदार भी प्रभावित हो रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि रेल सेवा इस क्षेत्र में सस्ता और सुविधाजनक परिवहन साधन है, इसलिए इसे जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, तलाड़ा के पास ट्रैक पर गिरे मलबे को हटाने और क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर जारी है। सुरक्षा जांच पूरी होने और ट्रैक को पूरी तरह सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही रद्द की गई ट्रेनों का संचालन दोबारा शुरू किया जाएगा।

खतरा रावी-उज्ज और जलालिया दरिया उफान पर, निचले इलाकों में हाई अलर्ट

पठानकोट में फिर गहराया तबाही का खौफ

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही मूसलाधार बारिश के चलते पठानकोट जिले में एक बार फिर बाढ़ का खतरा गहरा गया है।

उज्ज दरिया व जलालिया नाला उफान पर हैं, जबकि रावी नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। नदियों और नालों का पानी कई निचले इलाकों, खेतों और सड़कों तक पहुंच गया है। इससे सीमावर्ती गांवों में दहशत का माहौल है। बामियाल ब्लॉक के बामियाल, दनवाल, कुल्लियां, मूंठी, मेहरा चक और समराला समेत आसपास के कई गांवों में जलभराव की स्थिति बन गई है। ग्रामीणों के मुताबिक, उज्ज और जलालिया के बढ़ते पानी से खेत जलमग्न हो गए हैं और कई स्थानों पर घरों में भी पानी घुसने लगा है। लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल राहत और स्थायी समाधान की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि हर वर्ष बरसात में उन्हें इसी समस्या का सामना करना पड़ता है और अचानक पानी बढ़ने से फसलें बर्बाद हो जाती हैं। जलालिया नाले का पानी बामियाल की मुख्य सड़क पर कई फीट ऊपर बहने से यातायात प्रभावित हुआ है। वहीं, उरला ताल गहर के पास भारी भूस्खलन के कारण मंडी-पठानकोट हाईवे पर आवाजाही बाधित हुई है। पहाड़ी क्षेत्रों से पत्थर और मलबा गिरने के कारण भरमौर-पठानकोट मार्ग पर भी सफर जोखिम भरा बना हुआ है। मौसम विभाग ने पठानकोट, गुरदासपुर और होशियारपुर में अगले 48 घंटों के लिए गरज-चमक के साथ भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। ऐसे में चक्की खड्ड और रावी नदी में अचानक फ्लैश फ्लड का खतरा बना हुआ है। पठानकोट से सटे जम्मू के कठुआ जिले के बनी और बिलावर क्षेत्रों में भी भारी बारिश के कारण स्कूल बंद किए गए हैं। पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाला बरसाती पानी पठानकोट के नालों में पहुंच रहा है। रणजीत सागर बांध में भी पानी की आवक बढ़ी है। बांध का जलस्तर करीब 511.25 मीटर बताया गया है, जबकि खतरे का निशान 527.91 से 528 मीटर है। फिलहाल मुख्य फ्लड गेट बंद हैं और स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। एक टरबाइन के माध्यम से करीब 8,000 क्यूसेक पानी शाहपुर कंडी बैराज की ओर छोड़ा जा रहा है। शाहपुर कंडी बैराज से माधोपुर हेडवर्क्स की तरफ करीब 11,350 क्यूसेक पानी भेजा जा रहा है। मौजूदा हालात ने अगस्त 2025 की विनाशकारी बाढ़ की यादें ताजा कर दी हैं। 27 अगस्त 2025 को रावी में आए भीषण उफान से माधोपुर बैराज के तीन फ्लड गेट क्षतिग्रस्त हो गए थे। इसके बाद 40 से अधिक गांवों में पानी घुस गया था और हजारों एकड़ फसलें प्रभावित हुई थीं। राहत एवं बचाव के लिए सेना और एनडीआरएफ की टीमें तैनात करनी पड़ी थीं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग द्वारा रावी के तटबंधों तथा माधोपुर हेडवर्क्स पर निगरानी बढ़ा दी गई है। लोगों को नदी-नालों के किनारे जाने से बचने और प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करने की सलाह दी गई है।

बिलासपुर कॉलेज में 100 से अधिक स्टूडेंट्स ने दिए ऑडिशन

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में बुधवार को गायन वादन और नृत्य की छुपी हुई प्रतिभाओं को तलाशने के लिए महाविद्यालय की यूथ फेस्टिवल ग्रुप -2 और ग्रुप -3 की कमेटी ने विद्यार्थियों के ऑडिशन्स और ट्रायल लिए जिसमें 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया और गायन वादन और नृत्य की विभिन्न शैलियों में अपना हुनर दिखाया।

कमेटी के संयोजक डॉ. मनोहर लाल ने बताया कि इन विद्यार्थियों को महाविद्यालय प्रशासन द्वारा भविष्य में संगीत की कार्यशाला में भाग लेने, महाविद्यालय व अंतर महाविद्यालय स्तर पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए तैयार किया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ पी एस कटवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे उन्होंने विद्यार्थियों के हुनर को तो सराहा ही साथ ही ये भी कहा कि इन विद्यार्थियों को मंच प्रदान करने के लिए महाविद्यालय प्रशासन द्वारा पहले से पूरी कोशिश की जाती रही है और भविष्य में भी इन्हें इस दिशा में पूरा सहयोग मिलेगा।महाविद्यालय प्राचार्य डॉ पी एस कटवाल ने कहा कि शिक्षा के साथ ही विद्यार्थियों को अलग अलग एक्टिविटीज में भी भाग लेना चाहिये जिससे कि विद्यार्थीयो के अंदर सकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है और मन प्रसन्न रहता है । उन्होंने कहा कि हमारे बीच ही ऐसी प्रतिभा छुपी हुई है जिसके बारे मे हमें पता ही नहीं चलता और इस तरह के प्रयास से उनको सामने आने का अवसर मिलता है।

रैगन रट्टी का दिलकश अंदाज

आइलैंड्स। रैगन रट्टी केमैन आइलैंड्स की प्रतिभाशाली जिम्नास्ट हैं। उन्होंने टोक्यो 2020 ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और केमैन आइलैंड्स की पहली ओलंपिक जिम्नास्ट बनीं। जिम्नास्टिक्स में उनकी उपलब्धि ने देश के खेल इतिहास में नया अध्याय जोड़ा।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन की घोषित, हेजलवुड की वापसी

आज से डार्विन में पहला टेस्ट, लियोन की भी वापसी व बोलैंड को नहीं मिली जगह

एजेंसी, डार्विन

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की टीम में वापसी हुई है, जबकि स्कॉट बोलैंड को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी की तिकड़ी पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और हेजलवुड एक बार फिर साथ नजर आएगी।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टेस्ट की पूर्व संध्या पर पुष्टि की कि बोलैंड पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। हेजलवुड करीब आठ महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। स्पिन गेंदबाज नाथन लियोन भी टीम में लौटे हैं। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह एशेज के अंतिम चरण में नहीं खेल पाए थे। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने अपनी जगह बरकरार रखी है और उनके साथ ब्यू वेबस्टर भी टीम में शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने लगातार दो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों के साथ उतरने का फैसला किया है। बोलैंड ने पिछली गर्मियों में एशेज श्रृंखला के सभी पांच टेस्ट खेले थे। उस दौरान कमिंस, हेजलवुड और लियोन के अलग-अलग समय पर उपलब्ध नहीं रहने के कारण उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, आने वाले व्यस्त कार्यक्रम में बोलैंड ऑस्ट्रेलिया की योजनाओं का अहम हिस्सा बने रहेंगे। अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलिया के 21 टेस्ट तक खेलने की संभावना है।

ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की शृंखला का पहला मुकाबला 13 से 17 अगस्त तक डार्विन के मरारा स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 22 से 26 अगस्त तक मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में होगा। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र का हिस्सा है। अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया दूसरे और बांग्लादेश चौथे स्थान पर है।

संभावित टीमें

ऑस्ट्रेलिय: जेक वेदराल्ड, ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, ब्यू वेबस्टर, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन और जोश हेजलवुड।

बांग्लादेश: नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान) , मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजिद हसन तमीम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास, अमीट हसन, जाकेर अली, तैजुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, एबादत हुसैन चौधरी और मुशफिक हसन।

कनाडा ओपन: नाओमी ओसाका को हराकर सेमीफाइनल में रायबाकिना

एजेंसी, मॉन्ट्रियल

दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी कजाखस्तान की एलेना रायबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए जापान की नाओमी ओसाका को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 7-6 (5), 6-4 से हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। ओसाका ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और रायबाकिना की मैच की पहली ही सर्विस गेम में ब्रेक हासिल कर लिया। अगले गेम में रायबाकिना के पास वापसी का मौका था, लेकिन ओसाका ने तीन ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए अपनी सर्विस बरकरार रखी। इसके बाद रायबाकिना पूरे सेट में एक भी ब्रेक प्वाइंट हासिल नहीं कर सकीं और ओसाका ने पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया।

रायबाकिना ने दूसरे सेट में अपनी लय हासिल की। हालांकि वह शुरुआती तीन सर्विस गेम में से दो में अपनी सर्विस गंवा बैठीं, लेकिन ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने भी दो बार ओसाका की सर्विस तोड़ी और मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। रायबाकिना ने टाईब्रेक 7-5 से जीतकर मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंचा दिया। तीसरे सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। रायबाकिना जब 2-3 से पीछे थीं और उनकी सर्विस पर तीन ब्रेक प्वाइंट थे, तब उन्होंने शानदार धैर्य दिखाया। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल चार ब्रेक प्वाइंट बचाकर अपनी सर्विस कायम रखी और मुकाबले की दिशा बदल दी।

इसके बाद ओसाका दबाव में नजर आईं। 3-4 से पीछे होने के बाद सर्विस गंवाने पर उन्होंने अपना रैकेट पटककर निराशा जाहिर की। रायबाकिना ने इसके बाद शानदार अंदाज में मैच समाप्त किया और लगातार तीन ऐस लगाकर जीत सुनिश्चित कर दी। मैच के बाद रायबाकिना ने कहा कि मैं बस संघर्ष करती रहने की कोशिश कर रही थी। मैच का पहला गेम काफी मुश्किल था, क्योंकि उसी की वजह से मैंने सेट गंवाया। दूसरे सेट में मेरा प्रयास था कि स्कोर के करीब रहूं, भले ही मैं पीछे चल रही थी। मैंने संघर्ष जारी रखा और इस जीत से मैं बेहद खुश हूं।

स्पोर्ट्स विंडो

बेन शेल्टन का शानदार प्रदर्शन जारी, लर्नर टीएन से होगी भिड़ंत

एजेंसी, मॉन्ट्रियल। गत चैंपियन अमेरिका के बेन शेल्टन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कनाडा ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में

चेक गणराज्य के याकुब मेन्सिक को लगातार सेटों में 6-3, 6-1 से हराया। उन्होंने टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज की और अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। शेल्टन ने मैच में 18 विनर्स लगाए और पहली सर्विस पर 89 प्रतिशत अंक जीते। उन्होंने 147 मील प्रति घंटे की रफ्तार से सर्विस भी की। सेमीफाइनल में उनका सामना अमेरिका के 12वीं वरीयता प्राप्त लर्नर टीएन से होगा। टीएन ने क्वार्टर फाइनल में डेनियल मेरिडा को 6-3, 6-2 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों के बीच अब तक हुए दो मुकाबले टीएन ने जीते हैं।

आर्यन ने नेपाल में जीता गोल्ड, अब थाईलैंड में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी, औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के अजीतमल क्षेत्र के ग्राम मुड़ैना रूपशाह निवासी 15 वर्षीय फुटबॉल खिलाड़ी आर्यन सिंह राजावत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। नेपाल में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप-2082 की अंडर-18 फुटबॉल प्रतियोगिता में आर्यन ने प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। आर्यन के शानदार प्रदर्शन के बाद उनका चयन थाईलैंड चैंपियनशिप-2026 के लिए हुआ है। 27 से 31 अगस्त तक बैंकॉक में होने वाली इस प्रतियोगिता में वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। आर्यन अजीत सिंह राजावत एवं अंजू सिंह के पुत्र हैं। उनकी सफलता में प्रशिक्षक राकेश सरसैया और मां कंकेश्वरी स्पोर्ट्स, इंदौर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आर्यन की उपलब्धि से परिवार, गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अब वह बैंकॉक में भारत के लिए पदक जीतने की तैयारी में जुटे हैं।

सिंकफील्ड कप: प्रग्नानंद ने सिंदारोव को हराया, वैशाली का मैच रहा ड्रा

एजेंसी, सेंट लुईस (अमेरिका)। भारतीय ग्रैंड मास्टर आर प्रग्नानंधा ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए सिंकफील्ड कप के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ जीत दर्ज की। वहीं महिला वर्ग में विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर्स आर वैशाली का बिबिसारा असौबायेवा के साथ हुआ मुकाबला ड्रा रहा। छह घंटे तक चले इस मुकाबले दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी की स्थिति में ही रहा, लेकिन उज्बेकिस्तान के सिंदारोव ने 82वीं चाल में एक गलती कर दी और प्रग्नानंद ने उसका सटीक जवाब दिया, जिसके बाद उज्बेक खिलाड़ी ने 13 चालों के बाद हार मान ली। यह मुकाबला 95 चलों तक चला। इस जीत के साथ, प्रग्नानंद के 2 राउंड में 1.5 अंक हो गए हैं, जो फैबियानो कारुआना, वेस्ली सो, लेवोन अरोनियन और मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के बराबर है, और ये पांचों खिलाड़ी शुरुआती रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। सेंट लुइस में आयोजित केर्न्स कप में भारतीय महिला टीम के लिए दूसरा दिन अच्छा नहीं रहा, क्योंकि दूसरे दौर में तीनों खिलाड़ियों ने मिलकर सिर्फ आधा अंक हासिल किया।

ऑलराउंडर सदरलैंड के दम पर सनराइजर्स एलिमिनेटर में पहुंची

एजेंसी, लंदन। एनाबेल सदरलैंड के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत सनराइजर्स लीड्स ने मैनचेस्टर सुपर जायंट्स को 41 रन से हराकर सदर्न ब्रेव के खिलाफ होने वाले एलिमिनेटर में जगह पक्की कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 166 रन बनाए। फोबे लिचफील्ड ने 12 गेंदों पर 27, लॉरेन विनफील्ड-हिल ने 20 और डेनियल गिब्सन ने 24 रन बनाए। सदरलैंड ने 36 गेंदों पर नाबाद 62 रन की तूफानी पारी खेली और आखिरी दस गेंदों में टीम ने 35 रन जोड़े। उन्होंने गेंदबाजी में भी 17 रन देकर दो विकेट लिए। 167 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपर जायंट्स ने 42 रन की शुरुआती साझेदारी की। स्मृति मंधाना ने 28 रन बनाए, लेकिन जेस जोनासेन ने उन्हें बोल्ड कर दिया। ग्रेस स्क्रिवेंस के आउट होने के बाद टीम की पारी लड़खड़ा गई। ऋचा घोष और मेग लैनिंग भी बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। लगातार विकेट गिरने से रन गति धीमी हुई और सुपर जायंट्स की टीम लक्ष्य से 41 रन दूर रह गई।

सार्थक रंजन की कप्तानी और बल्लेबाजी ने जीता डागर का दिल

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने मंगलवार को वेस्ट दिल्ली लायंस को आठ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टीम की जीत में गेंदबाज मयंक डागर और कप्तान सार्थक रंजन की अहम भूमिका रही।

मुकाबले के बाद डागर ने टीम के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि यह एकतरफा जीत थी। टीम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए वेस्ट दिल्ली लायंस को 146 रन पर रोक दिया और फिर लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। डागर ने कहा कि टीम का संयोजन बेहतर है और हर खिलाड़ी अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। डागर ने कप्तान सार्थक रंजन की फॉर्म की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'जिस तरह हमारे कप्तान खेल रहे हैं, वह शानदार है।' डागर ने बताया कि उन्होंने रंजन के साथ अंडर-16 और अंडर-19 स्तर से क्रिकेट खेली है और उन्हें एक खिलाड़ी तथा इंसान के तौर पर आगे बढ़ते देखा है। उनके मुताबिक रंजन इस अवसर के पूरी तरह हकदार हैं। मुकाबले में डागर ने चार ओवर में केवल 14 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने अपने विकेट सेलिब्रेशन को फुटबॉल स्टार पॉल पोग्बा से प्रेरित बताया। वेस्ट दिल्ली लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 146 रन बनाए। जवाब में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के कप्तान सार्थक रंजन ने 30 गेंदों पर 57 रन बनाए, जबकि वैभव कंडपाल ने 43 गेंदों पर नाबाद 64 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 106 रन जोड़े और टीम ने आठ विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में भारत ने जीते पांच और पदक

एजेंसी, नई दिल्ली। नाइजीरिया के लागोस में चल रही राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच और पदक अपने नाम किए। भारत ने सीनियर स्तर की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही प्रतियोगिता में भारत के कुल पदकों की संख्या 29 हो गई है, जिसमें आठ स्वर्ण, सात रजत और 14 कांस्य शामिल हैं।

सीनियर महिला फॉइल में कनागलक्ष्मी ने स्वर्ण और जॉयस आशिता ने रजत पदक जीता। इंग्लैंड की जॉर्जिया ग्रीन और एमिली गुडचाइल्ड को कांस्य मिला। सीनियर पुरुष ईपी में राजेंद्रन शांतिमोल शेरजिन ने दक्षिण अफ्रीका के क्रूगर पीटर को हराकर स्वर्ण जीता। सीनियर पुरुष साबरे में करण सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के शिम योन्गी को मात देकर भारत को दिन का तीसरा स्वर्ण दिलाया। भारत के कुमारसन पद्मा गिशो निधि ने कांस्य पदक हासिल किया।

डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20: क्लासेन और मिलर गल्फ जायंट्स से जुड़े, ओमरजई-मुजारबानी की भी वापसी

एजेंसी, दुबई

दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र के लिए गल्फ जायंट्स से जुड़ गए हैं। दोनों खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी ने नीलामी से पहले टीम में शामिल किया है। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई और जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी भी आगामी सत्र में टीम का हिस्सा होंगे।

डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 का पांचवां सत्र 22 नवंबर से 20 दिसंबर तक खेला जाएगा। गल्फ जायंट्स ने 2023 में टूर्नामेंट का पहला खिताब जीता था और अब टीम दूसरी बार चैंपियन बनने के इरादे से मैदान में उतरेगी। फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि इन अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के जुड़ने से टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों मजबूत होंगी। गल्फ जायंट्स के मुख्य कोच साइमन हेलमोट ने नए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि क्लासेन और मिलर विश्वस्तरीय तथा मैच जिताने वाले क्रिकेटर हैं। उन्होंने कहा कि ओमरजई और मुजारबानी की वापसी से टीम में गुणवत्ता, अनुभव और गहराई बढ़ेगी। नीलामी के जरिए टीम को अपनी बाकी जरूरतें पूरी करने का भी मौका मिलेगा।

टी-20 क्रिकेट के अनुभवी डेविड मिलर ने 571 मुकाबलों में 12 हजार से अधिक रन बनाए हैं। वह 2022 में गुजरात टाइटंस की आईपीएल खिताबी जीत का भी अहम हिस्सा रहे थे। वहीं, आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर हेनरिक क्लासेन ने 294 टी-20 मैचों में 6,900 से अधिक रन बनाए हैं। क्लासेन पहली बार आईएलटी-20 में खेलेंगे।

ओमरजई ने पिछले सत्र में 10 मैचों में 233 रन बनाने के साथ 12 विकेट हासिल किए थे। वहीं, मुजारबानी चोट के कारण पिछला सत्र नहीं खेल सके थे। गल्फ जायंट्स के लिए 17 मैचों में उनके नाम 22 विकेट हैं। 2024-25 सत्र में वह टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे और 10 मैचों में 16 विकेट लिए थे।

हाथियों के संरक्षण में भारत की बड़ी भूमिका: मोदी

बोले- दुनिया के 60% से अधिक जंगली एशियाई हाथियों का घर है भारत

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व हाथी दिवस पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाथी को भारत की पारिस्थितिकी विरासत का अभिन्न हिस्सा बताते हुए देश के मजबूत संरक्षण प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथी पाए जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 33 हाथी अभयारण्य हैं, जो हाथियों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके दीर्घकालिक संरक्षण के प्रयासों को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। मोदी ने हाथी संरक्षण के प्रयासों में योगदान देने वाले वनकर्मियों, वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सकों, महावतों और स्थानीय समुदायों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व हाथी दिवस पर हम उस विशालकाय और गौरवशाली हाथी का उत्सव मनाते हैं, जो भारत की पारिस्थितिकी विरासत का अभिन्न हिस्सा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि भारत दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथियों का घर है। उन्होंने कहा कि देश के 33 हाथी अभयारण्य हाथियों के लिए आवास उपलब्ध कराते हैं और उनके दीर्घकालिक संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री ने संरक्षण से जुड़े सभी वनकर्मियों, वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सकों, महावतों और स्थानीय समुदायों की भूमिका की भी सराहना की।

सेंसेक्स 188 अंक गिरकर 77966 पर बंद निफ्टी भी 36 अंक टूटी

एजेंसी, मुबई। शेयर बाजार में आज यानी 12 अगस्त को गिरावट रही। सेंसेक्स 188 अंक की गिरावट के साथ 77,966 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 36 अंक की गिरावट रही, ये 24,436 पर बंद हुआ। आईटी व एफएमसीजी शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही।

मोलबायो डायग्नोस्टिक्स और धूत ट्रांसमिशन के आईपीओ का आज आखिरी दिन है। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स आईपीओ के जरिए 939.70 करोड़ और धूत ट्रांसमिशन 3,066.89 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इससे पहले कल यानी 11 अगस्त को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 388 अंक की गिरावट के साथ 78,154 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 112 अंक की गिरावट रही, ये 24,472 पर बंद हुआ था।

भारत से पहले टेस्ट के लिए श्रीलंका स्क्वॉड का ऐलान

डी सिल्वा कप्तान व कमिंडू उपकप्तान

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रीलंका ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। यह मुकाबला शनिवार से गॉल में शुरू होगा। धनंजय डी सिल्वा टीम के कप्तान होंगे, जबकि कमिंडू मेंडिस को उपकप्तान बनाया गया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोशन डिकवेला की वापसी हुई है। डिकवेला ने श्रीलंका के लिए अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला साल 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। इस मुकाबले के बाद से वे टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे।

वहीं, पेस अटैक को मजबूत करने के इरादे से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की टीम में वापसी कराई गई है। मदुशंका ने अपना इकलौता टेस्ट मुकाबला साल 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। युवा बल्लेबाज पासिंदु सूरियाबंडारा को पहली बार स्क्वॉड में शामिल किया गया है। सूरियाबंडारा को घरेलू क्रिकेट (डोमेस्टिक सर्किट) में उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है।

संभावित टीम

धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), कामिंदु मेंडिस (उपकप्तान), लाहिरु उदाना, निशान मदुशका, दिनेश चांदीमल, पसिंदु सूरियाबंडारा, सोनल दिनुषा, निरोशन डिकवेला, रमेश मेंडिस, प्रभात जयसूर्या, केशरा नुवंथा, मिलान रत्नायके, असिता फर्नांडो, लाहिरु कुमारा, विश्वा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सांसदों के साथ विशेष बाइक रैली को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा 2026' अभियान के तहत उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को सांसदों के साथ विशेष बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संस्कृति मंत्रालय की ओर से आयोजित यह रैली राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में निकाली गई।

रैली में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, राजीव रंजन सिंह, गजेंद्र सिंह शेखावत, वीरेंद्र कुमार, जी. किशन रेड्डी और जितेंद्र सिंह समेत कई सांसद एवं गणमान्य लोग शामिल हुए। उपराष्ट्रपति ने देशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों में तिरंगा फहराने का आह्वान किया।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि 'वंदे मातरम' ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। रैली में सांसदों और युवाओं ने तिरंगा लेकर राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सोना 158 बढ़कर 1.53 लाख और चांदी भी महंगी

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 12 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 158 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी की कीमत 46 रुपए बढ़कर 2.35 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 12 दिन में ही सोना 10 हजार और चांदी 16 हजार रुपए महंगी हो चुकी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 20 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। चांदी की कीमत में 5 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.35 लाख रुपए पर है।

साइकिल से फिटनेस के साथ प्रदूषण व ट्रैफिक का समाधान: मनसुख मांडविया

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय से आयोजित 'हर घर तिरंगा' साइकिल रैली का नेतृत्व किया। रैली में 1,000 से अधिक मायभारत स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना फिटनेस बढ़ाने के साथ प्रदूषण और यातायात की समस्या से निपटने में भी मददगार है।

मांडविया ने कहा कि विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए नागरिकों का स्वस्थ रहना जरूरी है। उन्होंने साइकिल को फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देने वाला प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा कि इससे प्रदूषण कम करने और ट्रैफिक की समस्या के समाधान में भी योगदान दिया जा सकता है। स्वतंत्रता दिवस के आसपास आयोजित इस कार्यक्रम के जरिए नागरिकों में राष्ट्रभक्ति और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा यात्राओं और रैलियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 अगस्त को नागरिकों से अभियान में सक्रिय भागीदारी करने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का सामूहिक संकल्प दोहराने का आह्वान किया था। उन्होंने तिरंगे को देश का गौरव और प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा बताया। वर्ष 2022 में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान अब हर स्वतंत्रता दिवस की राष्ट्रीय परंपरा बन चुका है। इस वर्ष अभियान को वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ से भी जोड़ा गया है। देशभर में तिरंगा रैलियों के साथ सामूहिक वंदे मातरम गायन भी आयोजित किया जा रहा है।